{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 11 अक्टूबर 2026
अश्विन शुक्ल 01 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 21
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

उत्तरकाशी में 4.2 तीव्रता का भूकंप

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में शनिवार शाम भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई। भूकंप रात 8 बजकर 7 मिनट पर आया और इसका केंद्र जमीन से करीब 11 किलोमीटर की गहराई में था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, भूकंप से किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भूकंप से जुड़ी जानकारी साझा की। इसके मुताबिक, उत्तरकाशी में आए भूकंप का अक्षांश 30.744 डिग्री उत्तर और देशांतर 78.414 डिग्री पूर्व दर्ज किया गया। पहाड़ी क्षेत्र में भूकंप के झटकों के बाद स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उत्तराखंड में शनिवार को यह दूसरा भूकंप था। इससे करीब चार घंटे पहले बागेश्वर जिले में भी हल्के झटके महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, दोपहर 3 बजकर 40 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता 2.8 मापी गई। इसका केंद्र जमीन से लगभग 5 किलोमीटर की गहराई में था।

अभिनेता अमिताभ बच्चन को दिल्ली हाईकोर्ट में पेश होने के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता अमिताभ बच्चन को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव की अदालत ने ये आदेश दिया है। मामला बिग बी के पर्सनैलिटी राइट्स से जुड़ा है। कोर्ट ने कहा कि अगर समझौता नहीं होता है और अमिताभ बच्चन अपना केस आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो उन्हें खुद कोर्ट में पेश होना होगा। बता दें अमिताभ बच्चन ने साल 2022 में दिल्ली हाईकोर्ट में अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने अपने नाम, तस्वीर, आवाज और पहचान से जुड़ी दूसरी चीजों के गलत इस्तेमाल को रोकने की मांग की थी।

एक माह में पांच लाख वाहनों पर लगेंगे माइनिंग टैग

भोपाल। मध्य प्रदेश में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए सरकार ने वाहनों पर माइनिंग टैग लगाना अनिवार्य कर दिया है। इसके तहत एक माह में पांच लाख वाहनों पर माइनिंग टैग लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक टैग के लिए 138 रुपए का भुगतान वाहन मालिक द्वारा किया जाएगा। खनिजों के अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए सभी जिलों के कलेक्टरों को शासन द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक स्तर पर इस व्यवस्था को लागू करने का उद्देश्य खदानों से निकलने वाले खनिजों और उनके परिवहन पर निगरानी रखना है।

कुछ ना कहना

जंतर-मंतर सीजेपी का प्रदर्शन रोकने के लिए किलाबंदी जारी रहेगी

दिल्ली से महाराष्ट्र तक पुलिस का पहरा हजारों नौजवान हिरासत में चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन पर सियासी टकराव

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की सख्ती के चलते कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर नहीं पहुंच सके। पुलिस ने सीजेपी नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को सुबह ही एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन से पहले दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस ने राजधानी के कई इलाकों में बैरिकेडिंग की, प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और आवाजाही पर कई तरह की पाबंदियां लगाईं। कार्रवाई का दायरा दिल्ली तक सीमित नहीं रहा, बल्कि महाराष्ट्र समेत दूसरे राज्यों में भी प्रदर्शन में शामिल होने के लिए राजधानी जा रहे कार्यकर्ताओं को रोकने की खबरें सामने आईं।

सीजेपी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए थे। पार्टी का आरोप है कि मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने की प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं रही। इसी मुद्दे पर पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग के साथ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का आह्वान किया था। हालांकि, चुनाव आयोग और भाजपा की ओर से चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोपों को खारिज किया गया है।

प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने से बढ़ा विवाद

दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा कि आयोजकों ने बहुत कम समय पहले सूचना दी थी। पुलिस ने पहले के प्रदर्शनों के दौरान कथित तौर पर नियमों और निर्देशों का पालन नहीं किए जाने, यातायात में बाधा और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका का भी हवाला दिया। पुलिस का पक्ष है कि प्रदर्शन के अधिकार के साथ आम नागरिकों की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और आवाजाही को बनाए रखना भी जरूरी है। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई को विरोध की आवाज दबाने की कोशिश बताया।

दिल्ली में जंतर-मंतर और आसपास के प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा बल तैनात किए गए। नई दिल्ली जिले में पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की बड़ी तैनाती की गई। मेट्रो स्टेशनों, रेलवे सेवाओं और कुछ व्यस्त इलाकों में भी प्रतिबंधों की घोषणा की गई, हालांकि इन उपायों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह बंद नहीं करने और पाबंदियां संतुलित रखने पर जोर दिया।

महाराष्ट्र में भी कार्यकर्ताओं को रोकने की कार्रवाई

प्रदर्शन से पहले महाराष्ट्र पुलिस ने संभावित प्रदर्शनकारियों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए कदम उठाए। रिपोर्टों के अनुसार, राज्य के विभिन्न हिस्सों में कार्यकर्ताओं को नोटिस दिए गए और मुंबई में 200 से अधिक लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। पुलिस अधिकारियों के हवाले से आई जानकारी में कहा गया कि राज्यभर में नोटिस जारी करने का उद्देश्य संभावित कानून-व्यवस्था संबंधी स्थिति को नियंत्रित करना था। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके के महाराष्ट्र से संबंध होने के कारण वहां के कार्यकर्ताओं की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई।

अभिजीत दिपके समेत कई नेता हिरासत में

शनिवार को सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके और पार्टी से जुड़े अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर हुई कार्रवाई में हजारों लोगों को हिरासत में लिए जाने की खबरें सामने आईं। अलग-अलग मीडिया रिपोर्टों में हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या अलग बताई गई। चार पूर्व मुख्यमंत्री सहित विपक्ष के कई नेताओं को भी पुलिस ने रोका या हिरासत में लिया, जिसके बाद कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद और तेज हो गया।

भाजपा और विपक्ष आमने-सामने

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता राजनीतिक उद्देश्यों के लिए राजधानी में अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी ओर, विपक्षी नेताओं और प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए और इसे लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार से जोड़कर देखा। इस तरह चुनाव आयोग के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन केंद्र सरकार, भाजपा और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव का मुद्दा बन गया।

आंदोलन जारी रखने का ऐलान

बड़े पैमाने पर हिरासत और जंतर-मंतर तक पहुंचने में आई बाधाओं के बावजूद सीजेपी ने पीछे हटने से इनकार किया। पार्टी ने घोषणा की कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग पूरी होने तक हर दिन जंतर-मंतर की ओर मार्च किया जाएगा। पार्टी का कहना है कि मतदाता सूची से जुड़े सवालों पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। वहीं, प्रशासन की प्राथमिकता कानून-व्यवस्था बनाए रखना और सार्वजनिक जीवन को बाधित होने से बचाना बताई गई है।

मेट्रो स्टेशन बंद और ट्रेनें रद्द करने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, अवमानना याचिका पर रविवार को होगी सुनवाई

दिल्ली में मेट्रो स्टेशन बंद किए जाने और रेल सेवाओं में बाधा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर अवमानना याचिका पर रविवार, 11 अक्टूबर को विशेष सुनवाई होगी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन के मद्देनजर सार्वजनिक परिवहन पर प्रतिबंध लगाकर अदालत के 9 अक्टूबर के आदेश का उल्लंघन किया गया। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ करेगी। अधिवक्ता शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने यह याचिका दाखिल की है। इसमें केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार और दिल्ली मेट्रो रेल निगम की अध्यक्ष डी. थारा के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि अदालत के निर्देश के बावजूद कई मेट्रो स्टेशनों को बंद रखा गया और दिल्ली आने वाली ट्रेनों की सेवाएं रद्द की गईं। इससे आम लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। ये आरोप याचिका में लगाए गए हैं, जिन पर अदालत विचार करेगी।

वांगचुक का केंद्र सरकार को अल्टीमेटम, 24 घंटे में नहीं किया रिहा...

नई दिल्ली । लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दिल्ली में हो रहे सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान नेताओं की गिरफ्तारी पर सवाल उठा दिए है। उन्होंने भारत को अघोषित आपातकाल की स्थिति में बताकर गिरफ्तार नेताओं को जल्द रिहा करने की मांग की है। पर्यावरण कार्यकर्ता वांगचुक ने साफ कहा है कि अगर इन नेताओं को कल तक रिहा नहीं किया गया, तब वह अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करुंगा। इन नेताओं में अभिजीत दिपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका सहित कॉकरोच पार्टी के कई लोग शामिल हैं। वांगचुक ने एक बयान जारी कर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को उन्होंने आज के प्रदर्शन को लेकर एकजुटता और शांति बनाए रखने की अपील की थी। तब उन्होंने सोचा भी नहीं था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में ऐसी स्थिति बन जाएगी, इस स्थिति को अघोषित आपातकाल मान रहे हैं।

वांगचुक के मुताबिक, उन्हें इसकी खुशी थी कि आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए कई नेता आगे आए हैं। लेकिन अब उन्हें पता चला है कि उन सभी नेताओं को गिरफ्तार किया है। वांगचुक ने इसी बात पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने उम्मीद जाहिर की है कि गिरफ्तार किए गए सभी नेताओं को जल्द रिहा किया जाएगा। वांगचुक ने साफ किया है कि अगर कल तक नेताओं की रिहाई नहीं होती, तब उन्हें अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करना पड़ेगा। या पदयात्रा के जरिए अपना विरोध दर्ज करने पर सोच सकते हैं। अनशन का मतलब खाना छोड़कर विरोध करना है, जबकि पदयात्रा में लोग पैदल चलकर अपनी बात रखते हैं।

मैं अयोध्या से लड़ने को तैयार, आप भी नामांकन कीजिए...

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती पर पलटवार किया है। जनसभा में उन्होंने अखिलेश को भी अयोध्या से नामांकन करने को कहा और माफिया, राम मंदिर और विपक्ष की भाषा पर भी पलटवार किया। उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी अखिलेश पर सवाल उठा दिए।

अखिलेश दो दिन के दौरे पर अयोध्या पहुंचे थे। जहां उन्होंने भागवत कथा में हिस्सा लिया, संतों से आशीर्वाद लिया और एक जनसभा में बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपनी लोकप्रियता पर भरोसा है,तब अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखाएं। उनका कहना था कि राज्य न्याय और मानवता से चलता है और अयोध्या की

जनता चुनाव में दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी।

अखिलेश की चुनौती पर योगी ने बलरामपुर में सीधा जवाब दिया। उन्होंने कहा, अखिलेश, अयोध्या हमारी पावन धाम है। हम सियासत के लिए नहीं, विकास के लिए अयोध्या जाते हैं। ॐआइए, आपको ऑफर देता हूं। आप भी अयोध्या से नामांकन करिए और मैं भी। चलिए, एक बार अपनी किस्मत आजमा लेते हैं। योगी ने अयोध्या को अपनी आस्था की स्थली बताया।

सीएम योगी ने जनसभा में पिछली सरकारों पर भी निशाना साधा। उनका आरोप था कि पहले माफिया जिस जमीन पर पैर रखता था, उस पर कब्जा कर लेता था। सपा के गुंडे व्यापारियों को फोन कर धमकाते और संपत्ति हड़प लेते थे। उन्होंने दावा किया कि 2017 से पहले बलरामपुर की सड़कें सबसे खराब थीं। अब वोट तस्करी और बदमाशों की अराजकता की जगह विकास और बदलाव का आधार बन रहा है और इलाके को आकांक्षात्मक जिले से संभावनाओं वाला जिला बनाने पर काम किया जा रहा है।

बंगाल के मुख्य सचिव ने महुआ को भेजा लीगल नोटिस, मांगा 10 करोड़ मुआवजा

कोलकाता। बंगाल के मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर लीगल नोटिस भेजा। उन्होंने महुआ से 10 करोड़ का मुआवजा और बिना शर्त माफी मांगने की बात कही है, साथ ही कानूनी खर्चों के लिए 50 हजार देने को कहा है। नोटिस में महुआ मोइत्रा से 24 घंटे के अंदर विवादित 2 पोस्ट हटाने, लिखित माफी मांगने और भविष्य में ऐसी टिप्पणी नहीं करने का आश्वासन देने को कहा है। मनोज पहले राज्य में एसआईआर के दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी थे। महुआ ने पोस्ट में अग्रवाल पर बंगाल में लाखों वैध मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित करने का आरोप लगाया था। अग्रवाल के वकील ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग के निर्देशों और कानून के मुताबिक अपनी जिम्मेदारी निभाई है। महुआ ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, प्रिय बंगाल के पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल, आज 300 सांसद विजय चौक पर खड़े हुए और आपके बिग बॉस को बताया कि वह चोर हैं और जेल जाएंगे। हमने यह बात राष्ट्रपति को भी बताई। इसलिए आप अपना मानहानि का नोटिस लें और उसे ऐसी जगह रख दें, जहां धूप भी न पहुंचती हो।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, तीन जिलों में गोलीबारी और आगजनी; बीरेन सिंह ने सरकार से की सख्त कार्रवाई की मांग

इंफाल । मणिपुर में कुकी और नागा समुदायों से जुड़े सशस्त्र समूहों के बीच ताजा हिंसा ने हालात तनावपूर्ण कर दिए हैं। कामजोंग और उखरुल जिलों में हुई झड़पों में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कांगपोकपी जिले के कुछ हिस्सों में भी भारी गोलीबारी की खबर है। हिंसा के दौरान कई घरों में आग लगाए जाने की सूचना मिली है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

पुलिस के मुताबिक, कामजोंग जिले के चसाद गांव में शुक्रवार रात 42 वर्षीय डोमखोनेई तौथांग की गोली लगने से मौत हो गई। वह पांच बच्चों की मां थीं। इस घटना के बाद कुकी और नागा सशस्त्र समूहों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई, जो शनिवार सुबह तक जारी रही। इस दौरान 22 वर्षीय माइकल नगामिनलेन हाओकिप की भी मौत हो गई। हिंसा में करीब दस घर जलाए जाने की खबर है।

उखरुल जिले में एक अलग घटना में 40 वर्षीय संदीप राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह चेपू याओलेन के पास अपनी गाड़ी से जा रहे थे, तभी संदिग्ध सशस्त्र हमलावरों ने वाहन पर गोलीबारी की। वहीं, कांगपोकपी जिले के मकुई अशांग और तापोन इलाकों में भी गोलीबारी की सूचना मिली है।

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया पर राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि विभिन्न इलाकों में हुई हिंसक घटनाओं में सात लोगों की मौत हुई है। उन्होंने अवैध हथियारों की बरामदगी, सशस्त्र समूहों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई और भारत-म्यांमार सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। हालांकि, मौतों की संख्या को लेकर अलग-अलग रिपोर्टों में अंतर है।

कामजोंग जिला प्रशासन ने चसाद पुलिस गेट जंक्शन के 400 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू की है। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने और हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाया गया है। कुकी संगठनों ने महिला की मौत की निंदा करते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। दूसरी ओर, हिंसा की घटनाओं और आगजनी को लेकर जांच जारी है।

दूसरे फेज में 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश में पूरा हुआ एसआईआर

नई दिल्ली। एसआईआर के पहले और दूसरे फेज में 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के बाद बिहार, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जीत हासिल की है। केरल में कांग्रेस गठबंधन और तमिलनाडु में टीवीके ने जीत हासिल की है। असम में स्पेशल रिवीजन हुआ। यहां भी बीजेपी सरकार की वापसी हुई। चुनाव आयोग ने 14 मई को हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली और महाराष्ट्र समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा की थी। यह एसआईआर का तीसरा फेज है।

पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी। इस दौरान 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन हो रहा है, जिन राज्यों में एसआईआर होगा, उनमें पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। अन्य 13 राज्यों में 2028 और 2029 में चुनाव होंगे।

ट्रंप का बड़ा फैसला, रूस से डीजल खरीदने की छूट

वॉशिंगटन। अमेरिका में ईंधन की बढ़ती कीमतों और आगामी मध्यावधि चुनावों के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से डीजल खरीदने पर लगी रोक 7 अप्रैल 2027 तक हटाने का फैसला किया है। इस कदम का उद्देश्य घरेलू बाजार में ईंधन की आपूर्ति बढ़ाकर कीमतों पर दबाव कम करना है। हालांकि, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसकी आलोचना कर कहा है कि इससे रूस को मिलने वाला पैसा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में इस्तेमाल हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के बाद अमेरिका में डीजल की कीमत करीब 6.28 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है, जबकि युद्ध से पहले यह करीब 3.70 डॉलर थी। अमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होने हैं। इसके बाद ईंधन की महंगाई ट्रंप प्रशासन के लिए राजनीतिक और आर्थिक चुनौती बन गई है।

जेलेंस्की ने कहा, युद्ध के लिए मिलेगा पैसा

ट्रंप ने दावा किया कि रूस जल्द ही तीन लाख टन से अधिक डीजल की आपूर्ति करेगा। इसके बाद नवंबर में पांच लाख और फिर 10 लाख टन डीजल भेजने की योजना है। उन्होंने भविष्य में आपूर्ति बढ़ाकर 30 लाख टन तक पहुंचने की संभावना जाहिर की। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि किसानों, पशुपालकों और ट्रक चालकों के लिए ईंधन की कीमतें कम करना उनकी प्राथमिकता है।

दूसरी ओर, जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि फैसले से रूस की आर्थिक क्षमता मजबूत होगी और उस युद्ध जारी रखने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि इससे यूक्रेन पर हमले बढ़ने और संघर्ष लंबा खींचने का खतरा है। उनका बयान तब आया है, जब यूक्रेन के प्रतिनिधि अमेरिका के फ्लोरिडा में युद्ध समाप्त करने के मुद्दे पर बातचीत कर रहे थे। ऊर्जा विशेषज्ञों ने समझौते के प्रभाव पर सवाल उठाए हैं। विशेषज्ञ क्लेटन सीगल के मुताबिक, इससे ईंधन की कीमतों में बड़ी गिरावट की संभावना कम है, जबकि रूस को आर्थिक लाभ मिल सकता है।

थाना प्रभारी सहित सात पुलिसकर्मी निलंबित

इंदौर । इंदौर शहर के एरोड्रम थाने में भाजपा कार्यकर्ता जयदीप दुबे और उनके जीजा पंकज चौबे के साथ मारपीट और घसीटने का मामला आया है। घटना से नाराज विधायक गोलू शुक्ला के 400 से अधिक समर्थकों ने देर रात थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। हंगामे के बाद थाना प्रभारी वेदेंद्र सिंह कुशवाह सहित सात पुलिसकर्मियों को निलंबित किया।

जयदीप दुबे के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब साढ़े पांच बजे घर के पास स्कूटी सवार से अचानक ब्रेक लगाने की बात पर विवाद हुआ था। आरोप है कि स्कूटी सवार ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। बीच-बचाव करने आए उनकी पत्नी और बच्चों के साथ भी अभद्रता कर जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद वह शिकायत दर्ज करने थाने पहुंचे।

दुबे का आरोप है कि सीने में दर्द होने की जानकारी देने के बावजूद उनकी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई। रात करीब 11 बजे वह अपने जीजा पंकज चौबे के साथ फिर थाने पहुंचे। इस दौरान पुलिसकर्मियों से विवाद हुआ। दुबे ने थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों पर लात-घूंसों तथा डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया। उनकी पत्नी रानू दुबे ने भी पुलिसकर्मियों पर अभद्रता करने और धक्का देने का आरोप लगाया। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक गोलू शुक्ला के समर्थक थाने पहुंच गए और कार्रवाई की मांग करने लगे। देर रात वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद थाना प्रभारी सहित सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

शक्ति की भक्ति का पर्व शारदेय नवरात्र आज से

माता के दरबार सजे, आकर्षक विद्युत सज्जा बनी आकर्षण का केंद्र,शहर से गांव तक दुर्गोत्सव की धूम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शक्ति की आराधना और मां जगदंबा की भक्ति का महापर्व शारदेय नवरात्र 11 अक्टूबर से जिलेभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ शुरू होगा। नवरात्र को लेकर शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक तैयारियां अंतिम रूप ले चुकी हैं। दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर आकर्षक पंडाल तैयार किए गए हैं, वहीं माता रानी के दरबारों को रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा से सजाया गया है। 10 अक्टूबर को शहर के विभिन्न स्थानों पर माता के दरबार पूरी तरह सजकर तैयार नजर आए। आकर्षक लाइटिंग, भव्य पंडाल और धार्मिक साज-सज्जा श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। नवरात्र के नौ दिनों तक जिले में धार्मिक आयोजनों, पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और जागरण की धूम रहेगी।

शारदेय नवरात्र का पर्व जिले में प्रतिवर्ष बड़े ही उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाता है। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। इस बार भी समितियों ने अपने-अपने स्तर पर व्यापक तैयारियां की हैं। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों और वार्डों में आकर्षक पंडालों का निर्माण कर माता रानी के स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वहीं ग्रामीण अंचलों में भी 11 अक्टूबर को विधि-विधान के साथ प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना के साथ जवारों की बोवनी की परंपरा भी निभाई जाएगी। इसके साथ ही मंदिरों और दुर्गा पंडालों में विशेष पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हो जाएगा। शहर के बूढ़ी, भटेरा, सिविल लाइन, स्थानीय बस स्टैंड, हनुमान चौक और सरस्वती नगर सहित विभिन्न वार्डों में मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं। इन स्थानों पर समितियों द्वारा आकर्षक पंडालों के साथ विशेष विद्युत सज्जा की गई है। कहीं रंग-बिरंगी रोशनी से माता का दरबार जगमगा रहा है, तो कहीं भव्य सजावट और कलात्मक पंडाल श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के लिए तैयार हैं। नवरात्र के दौरान इन स्थानों पर प्रतिदिन पूजा-अर्चना, आरती, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शाम होते ही रोशनी से सजे पंडालों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी नवरात्र को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है। मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर, दुर्गा मंदिर और काली पाठ मंदिर सहित जिले के प्रमुख देवी मंदिरों में भी नवरात्र की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं द्वारा अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ ज्योति कलश स्थापित कराए गए हैं। नवरात्र के नौ दिनों तक मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान होंगे। श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र इन मंदिरों में पर्व के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने की संभावना है। मां जगदंबा के नौ

स्वरूपों की प्रतिदिन विधि-विधान से पूजा की जाएगी तथा हर दिन माता का अलग-अलग श्रृंगार किया जाएगा। मंदिरों में होने वाली आरती और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से वातावरण भक्तिमय रहेगा।

कालीपाठ मंदिर में 853 ज्योति कलश होंगे प्रज्वलित

नवरात्र के अवसर पर काली पाठ मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था का विशेष दृश्य देखने को मिलेगा। मंदिर के पुजारी के अनुसार इस वर्ष मंदिर में तेल के लगभग 631 और घी के 222 ज्योति कलश स्थापित किए गए हैं। इस तरह कुल 853 ज्योति कलशों के माध्यम से श्रद्धालु मां के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करेंगे। नवरात्र के नौ दिनों तक इन ज्योति कलशों की विशेष देखरेख और पूजा-अर्चना की जाएगी। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति, परिवार की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना के साथ ज्योति कलश स्थापित कराते हैं। मंदिर में ज्योति कलशों की स्थापना को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। नवरात्र के दौरान यहां पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहेगी।

भरवेली में भी सजेगा माता का भव्य दरबार

जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत भरवेली में भी नवरात्र पर्व को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। यहां मां दुर्गा की प्रतिमा और आकर्षक पंडाल हर वर्ष श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहते हैं। ग्रामीण अंचल के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। पंडाल की विशेष सजावट, धार्मिक वातावरण और नवरात्र के दौरान आयोजित होने वाले जागरण सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के चलते यहां पर्व का अलग ही उत्साह देखने को मिलता है। नौ दिनों तक चलने वाले आयोजनों में श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं और मां जगदंबा की आराधना करते हैं।

नौ दिनों तक गूंजेंगे माता के जयकारे, भक्ति में डूबेगा जिला

शारदेय नवरात्र के नौ दिन मां दुर्गा की आराधना, उपासना और शक्ति की साधना के लिए विशेष माने जाते हैं। पहले दिन घटस्थापना के साथ शुरू होने वाले इस पर्व में प्रतिदिन माता के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। दुर्गा पंडालों और मंदिरों में सुबह-शाम आरती, भजन-कीर्तन तथा जागरण के आयोजन होंगे। शहर से लेकर गांवों तक सजाए गए माता के दरबारों में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचेंगे। आकर्षक विद्युत सज्जा से जगमगाते पंडाल, धार्मिक आयोजनों की रौनक और माता के जयकारों के बीच बालाघाट जिला नौ दिनों तक भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगा।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ गोंगपा ने खोला मोर्चा, पद से हटाने की मांग

एसआईआर प्रक्रिया में मतदाताओं के नाम हटाने पर उठाए सवाल, राष्ट्रपति के नाम प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अब गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) ने भी मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की। पार्टी ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। गोंगपा का कहना है कि यदि मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं, तो संवैधानिक प्रक्रिया के तहत उनके विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। गोंगपा अध्यक्ष इंजीनियर भुवनसिंह कोर्राम ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने के कारण लोगों को उनके मताधिकार से वंचित होने का खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनुचित तरीके से सूची से बाहर न हो। पार्टी ने इस पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता की जांच कराने और नाम हटाए जाने से जुड़ी शिकायतों की गंभीरता से पड़ताल करने की मांग की है। ज्ञापन में गोंगपा ने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में एसआईआर प्रक्रिया के जरिए एक विशेष राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने की मंशा से मतदाताओं के नाम हटाने की अनुचित कार्रवाई की जा रही है। पार्टी का दावा है कि इस तरह की कार्रवाई से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, ये आरोप गोंगपा की ओर से लगाए गए हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने मांग की है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ लगाए गए आरोपों और प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए समिति गठित की जाए। जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता या कानूनी दायित्वों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संविधान में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें पद से हटाया जाए। पार्टी ने मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और पात्र मतदाताओं के मताधिकार की रक्षा करने पर भी जोर दिया।

दो दिन में किरनापुर थाने में दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों हुई की पदस्थापना

पुराने स्टाफ को हटाने की प्रक्रिया शुरू, किरनापुर थाने के पूरे स्टाफ में बदलाव की तैयारी शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर पुलिस थाने में गर्भवती महिला सावित्रीबाई से कथित मारपीट के मामले के बाद पुलिस प्रशासन ने थाने के स्टाफ में व्यापक फेरबदल की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पिछले दो दिनों के भीतर किरनापुर थाने में दो दर्जन से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की पदस्थापना की जा चुकी है। वहीं थाने में पहले से पदस्थ पुलिस कर्मचारियों को हटाकर जिले के अन्य पुलिस थानों में भेजने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। इस घटनाक्रम के बाद किरनापुर थाना जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।जिले में यह पहला ऐसा मामला माना जा रहा है। जिसमें किसी एक प्रकरण के बाद संबंधित पुलिस थाने के लगभग पूरे स्टाफ को बदलने की प्रक्रिया शुरू की गई है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में हो रही इस कार्रवाई को पिछले माह सामने आए गर्भवती महिला से कथित मारपीट के मामले के बाद उठाए गए प्रशासनिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

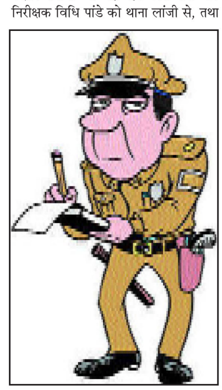

नए पुलिसकर्मियों की लगातार हो रही पदस्थापना

किरनापुर थाने में पुराने स्टाफ को हटाने की प्रक्रिया के साथ ही पुलिस लाइन बालाघाट और जिले के विभिन्न थानों से नए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यहां पदस्थ किया जा रहा है। अब तक उप निरीक्षक विधि पांडे को थाना लांजी से, तथा उप निरीक्षक विनोद साव , सहायक उप निरीक्षक रामकिशोर राहंगडाले और विनोद बघेल को पुलिस लाइन बालाघाट से, सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह गहरवार को थाना रामपायली से तथा प्रधान आरक्षक प्रवेश वर्मा को थाना कटंगी से यहां भेजा गया है। प्रधान आरक्षक रामदयाल राहंगडाले और आशीष लाहौरिया को थाना मलाजखंड से, आरक्षक दिनेश ककोटिया और रामेश्वर भंडोरिया को पुलिस चौकी चरेगांव से तथा आरक्षक आदर्श मिश्रा को थाना बहेला से किरनापुर में पदस्थ करने की कार्रवाई की गई है।इसके अतिरिक्त सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार को थाना तिरोड़ी और सहायक उप निरीक्षक किशोर माने को थाना खैरलांजी से किरनापुर थाने में पदस्थ किया गया है। जिले के अन्य थानों और पुलिस लाइन से भी कर्मचारियों की पदस्थापना की प्रक्रिया जारी है। अब तक दो दर्जन नये पुलिसकर्मियों की पदस्थापना किरनापुर पुलिस थाने में की जा चुकी है।

पुराने स्टाफ को दूसरे थानों में भेजने की तैयारी

नए पुलिसकर्मियों की पदस्थापना के साथ ही किरनापुर थाने में पहले से कार्यरत कर्मचारियों को दूसरे थानों में भेजने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। दो दिनों के भीतर नए स्टाफ की पदस्थापना के बाद अब पुराने कर्मचारियों को हटाने की प्रक्रिया तेज होने से थाने की पूरी व्यवस्था में बदलाव की स्थिति बन गई है।हालांकि इस व्यापक फेरबदल के पीछे पुलिस प्रशासन का आधिकारिक उद्देश्य स्पष्ट होना अभी बाकी है। फिलहाल नए अधिकारियों-कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपने और पुराने स्टाफ को अन्य थानों में पदस्थ करने की प्रक्रिया जारी है।

गर्भवती महिला प्रकरण के बाद लगातार कार्रवाई

गौरतलब है कि पिछले माह गर्भवती महिला सावित्रीबाई के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आने के बाद किरनापुर थाना सुर्खियों में आया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने चार पुलिस कर्मचारियों को निलंबित कर पुलिस लाइन अटैच किया था। इसके बाद थाने के घेराव और विरोध प्रदर्शन के बीच निलंबित चारों कर्मचारियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया। महिला का जिला अस्पताल में उपचार के दौरान गर्भपात होने के बाद संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रूण हत्या से संबंधित अपराध भी दर्ज किए गये।इस मामले में पहले निलंबन फिर आपराधिक प्रकरण दर्ज होने और अब थाने के स्टाफ में बड़े पैमाने पर बदलाव की कार्रवाई से पुलिस महकमे में हलचल बनी हुई है। किरनापुर थाने में जारी इस प्रशासनिक फेरबदल के बाद अब सभी की नजर इस बात पर है कि पुराने स्टाफ को हटाने की प्रक्रिया कब तक पूरी होती है और नई टीम के साथ थाने की कार्यप्रणाली किस तरह आगे बढ़ती है।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने साइकिल सवार को मारी टक्कर-युवक घायल

दो युवक मोटरसाइकिल छोड़कर फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम अमेड़ा के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से साइकिल सवार युवक घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मोटरसाइकिल पर सवार दोनों युवक मोटरसाइकिल छोड़कर मौके से फरार हो गए। घायल युवक मोहन पिता सुरेश कावरे 27 वर्ष वार्ड नंबर 5, ग्राम सरेखा थाना कोतवाली बालाघाट निवासी है।जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खेत जाते समय हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहन कावरे का हनुमान चौक सरेखा में गैरेज है। जहां वह वाहनों की रिपेयरिंग का काम करता है। 9 अक्टूबर की रात वह साइकिल से अपने घर सरेखा से ग्राम अमेड़ा स्थित खेत जा रहा था। रात करीब 10:30 बजे अमेड़ा शिव चढ़ाव के पास अमेड़ा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही मोटरसाइकिल ने उसकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मोहन साइकिल सहित सड़क पर गिर गया और घायल हो गया।

मोटरसाइकिल छोड़कर भागे युवक

हादसे के समय वहां से गुजर रहे ग्राम अमेड़ा के लोगों ने घायल मोहन को उठाया और उसके भाई को घटना की सूचना दी। खबर मिलते ही उसका भाई मौके पर पहुंचा। इसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से घायल मोहन को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया, जहां उसे भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।बताया गया है कि दुर्घटना में शामिल मोटरसाइकिल का नंबर एमपी 50 जेडबी 3391 है। जानकारी के अनुसार घटना के समय ग्राम सुरवाही निवासी रवि उइके मोटरसाइकिल चला रहा था। हादसे के बाद मोटरसाइकिल पर सवार दोनों युवक वाहन छोड़कर फरार हो गए।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आप का धरना, काली पुतली चौक पर किया प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ वोट चोरी के आरोपों को लेकर आम आदमी पार्टी ने भी मोर्चा खोल दिया है। इसी मुद्दे पर शनिवार को पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शहर के काली पुतली चौक पर धरना-प्रदर्शन कर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान पार्टी ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाते हुए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। आप पदाधिकारी शिव जायसवाल ने बताया कि उनकी पार्टी इस मुद्दे को लेकर देशभर में प्रदर्शन कर रही है। इसी क्रम में बालाघाट में भी धरना देकर विरोध दर्ज कराया गया है।

शिव जायसवाल ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अपने पद पर बने रहने के बजाय इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी से जुड़े इस पूरे मामले ने लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं। जायसवाल ने चेतावनी दी कि यदि ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं, तो आम आदमी पार्टी का आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर पीछे हटने वाली नहीं है और अपनी मांग को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन करेगी। प्रदर्शन के दौरान शिव जायसवाल ने देश में आपातकाल जैसे हालात बनने का दावा भी किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखकर उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है, मानो देश में आपातकाल लागू हो गया हो। उन्होंने यातायात और रेल सेवाओं के प्रभावित होने का उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति को लेकर पार्टी विरोध दर्ज करा रही है। आम आदमी पार्टी ने काली पुतली चौक पर धरना देकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग दोहराई। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाताओं के अधिकारों को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब मिलना चाहिए। प्रदर्शन के माध्यम से पार्टी ने स्पष्ट किया कि जब तक उसकी मांग पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक विरोध जारी रखने की रणनीति अपनाई जाएगी।

वन परिक्षेत्र हट्टा मे वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

पद्मेश न्यूज। हट्टा। वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह 02 से 08 अक्टूबर 2026 के अंतर्गत वन परिक्षेत्र हट्टा में कराए गए विविध आयोजन...सेवा संकल्प अभियान के तहत वन परिक्षेत्र हट्टा अंतर्गत आज दिनाँक 09/10/2026 को मोक्ष धाम हट्टा व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हट्टा में वृक्षारोपण किया गया ...जिसमें जिला पंचायत सदस्य सुश्री डाली कावरे. सरपंच ग्राम पंचायत हट्टा उमेश सोनेकर , उप सरपंच वीरेंद्र बिसेन , चंद्रभूषण असीम चौहान जनपद सदस्य किरनापुर, जनपद सदस्य बालाघाट श्रीमती रंजना वैद्य, श्रीमती शीला पटले(सामाजिक कार्यकर्ता), मध्य प्रदेश पुलिस थाना हट्टा से विजय कुमार पटले (ASI) , श्रीमती अर्चना वैद्य (ASI) वन परिक्षेत्र अधिकारी हट्टा (सामान्य) अभिलाष पाठक सर व समस्त वन अमला उपस्थिति रहा। इसके अतिरिक्त वन परिक्षेत्र हट्टा अंतर्गत वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम, विद्यालयों में प्रतियोगिता कार्यक्रम, ग्रामों में जन जागरुकता कार्यक्रम एवं जैव प्रबंधन समितियों में जागरूकता कार्यक्रम, जन विश्वास कार्यक्रम अंतर्गत समस्या निवारण शिविर तथा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

फर्जी एमबीबीएस डिग्री से सरकारी नौकरी पाने वाले डॉ. सुनील सिंह पर एफआईआर

पांच माह की विभागीय जांच में डिग्री फर्जी पाए जाने के बाद बिरसा थाने में अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। फर्जी एमबीबीएस डिग्री के आधार पर शासकीय नौकरी हासिल करने के मामले में आखिरकार स्वास्थ्य विभाग ने तत्कालीन बिरसा ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. सुनील सिंह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार शाम बिरसा थाने में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। प्रभारी बीएमओ डॉ. नरेश मारन की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 340(2) और 336(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। विभागीय जांच में डॉ. सुनील सिंह की एमबीबीएस डिग्री फर्जी पाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया है। मामला केवल एक कथित फर्जी डिग्री तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों तक सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में सेवाएं देने, शासकीय वेतन प्राप्त करने और सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने से भी जुड़ा है। ऐसे में अब स्वास्थ्य विभाग के सामने यह सवाल भी खड़ा है कि कथित फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी पाने वाले चिकित्सक के खिलाफ आगे क्या कार्रवाई होगी और शासन को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई किस तरह की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने पद्मेश न्यूज से चर्चा में बताया कि भोपाल से डॉ. सुनील सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश प्राप्त हुए थे। इसके बाद प्रभारी बीएमओ डॉ. नरेश मारन को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि लगभग पांच महीने तक चली विभागीय जांच में डॉ. सुनील सिंह की एमबीबीएस डिग्री फर्जी पाई गई। विभागीय जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोप है कि उन्होंने कूटरचित अभिलेखों के सहारे शासकीय सेवा प्राप्त की और लंबे समय तक स्वास्थ्य विभाग में काम करते रहे। सीएमएचओ के मुताबिक, एफआईआर दर्ज कराने के बाद विभाग आगे की कार्रवाई भी नियमानुसार करेगा। डॉ. सुनील सिंह को शासकीय सेवा के दौरान दिए गए वेतन और उपलब्ध कराई गई अन्य सुविधाओं के संबंध में भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। हालांकि, वेतन अथवा सुविधाओं की वसूली को लेकर अंतिम निर्णय विभागीय नियमों और आगे की जांच के आधार पर होगा। इस पूरे मामले की शुरुआत अप्रैल 2026 में हुई थी, जब एक ही नाम के दो चिकित्सकों के बिरसा और देवास में सेवाएं देने की जानकारी सामने आई। दोनों चिकित्सकों के दस्तावेजों में नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि, एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करने का वर्ष और मेडिकल कॉलेज का नाम एक जैसा दर्ज होने की बात सामने आई थी। इसके बाद सवाल उठने लगे कि क्या एक ही शैक्षणिक पहचान और समान विवरण वाली डिग्री के आधार पर दो अलग-अलग व्यक्ति वर्षों से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप ने मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसिल और विभागीय आयुक्त को पत्र लिखकर जांच कराने की मांग की थी। इसके बाद संबंधित दस्तावेजों और चिकित्सकीय योग्यता की जांच शुरू हुई। करीब पांच महीने तक चली विभागीय प्रक्रिया के बाद बिरसा में पदस्थ रहे डॉ. सुनील सिंह की डिग्री फर्जी पाए जाने की जानकारी सामने आई और वरिष्ठ स्तर से उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश जारी किए गए। उल्लेखनीय है कि डॉ. सुनील सिंह ने वर्ष 2008 में बालाघाट जिले में संविदा चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं शुरू की थीं। वर्ष 2012 से वे बिरसा क्षेत्र में पदस्थ रहे और लंबे समय तक वहां स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े रहे। बताया जाता है कि उनके खिलाफ वर्ष 2017-18 में भी शिकायत की गई थी। उस समय उन्हें बिरसा से हटाने के आदेश जारी हुए थे, लेकिन न्यायालय से राहत मिलने के बाद वे पद पर बने रहे। इसके बाद उन्होंने लगभग चार वर्षों तक बिरसा बीएमओ के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली। अब एमबीबीएस डिग्री को लेकर हुई जांच में फर्जीवाड़े की पुष्टि होने के बाद मामला फिर सुर्खियों में आ गया है। यदि विभागीय रिकॉर्ड में दर्ज तथ्यों और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई होती है, तो यह मामला सरकारी भर्ती प्रक्रिया में शैक्षणिक दस्तावेजों के सत्यापन और नियुक्ति के बाद होने वाली निगरानी पर भी गंभीर सवाल खड़े करेगा। स्वास्थ्य विभाग अब डॉ. सुनील सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के बाद आगे की कार्रवाई की दिशा में बढ़ रहा है। सीएमएचओ डॉ. शत्रुघ्न दाहिया के अनुसार, शासकीय सेवा के दौरान प्राप्त वेतन, शासकीय आवास और अन्य सुविधाओं के संबंध में भी नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, कितनी राशि की वसूली प्रस्तावित है और इस संबंध में विभाग कब तक औपचारिक आदेश जारी करेगा, इसकी विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। फिलहाल बिरसा थाने में अपराध दर्ज होने के बाद पुलिस की जांच और स्वास्थ्य विभाग की आगामी कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी। वर्षों तक सरकारी सेवा में रहे एक चिकित्सक की डिग्री का फर्जी पाया जाना स्वास्थ्य विभाग की दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े करता है। अब देखना होगा कि इस मामले में केवल एफआईआर तक कार्रवाई सीमित रहती है या शासकीय सेवा से जुड़े लाभों की वसूली सहित अन्य जिम्मेदारियां भी तय की जाती हैं।

जिला अस्पताल पहुंचीं विधायक अनुभा मुंजारे, मरीजों की सुविधाओं का लिया जायजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विधानसभा क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क कर रही बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे क्षेत्रवासियों की समस्याओं को जानने और उनके निराकरण के लिए सक्रिय नजर आ रही हैं। कभी लालबर्रा क्षेत्र में ग्रामीणों से मुलाकात तो कभी शहर में आमजन के बीच पहुंचकर उनकी परेशानियों की जानकारी लेने के क्रम में विधायक ने 9 अक्टूबर की देर शाम शहीद भगत सिंह जिला चिकित्सालय बालाघाट का पुनः औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार व्यवस्था और अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। विधायक ने अस्पताल में मरीजों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लेते हुए यह जानने का प्रयास किया कि जरूरतमंदों को समय पर उपचार और आवश्यक सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं।

निरीक्षण के दौरान विधायक अनुभा मुंजारे ने अस्पताल में उपलब्ध बेड, दवाइयों के स्टॉक तथा मरीजों के उपचार से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद कर उनकी परेशानियां सुनीं तथा यह समझने का प्रयास किया कि इलाज के दौरान उन्हें किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल पहुंचने वाले मरीज पहले ही बीमारी और आर्थिक-सामाजिक परेशानियों से जूझ रहे होते हैं, ऐसे में उन्हें उपचार के लिए भटकना न पड़े और अस्पताल में आवश्यक सुविधाएं समय पर मिलें, यह सुनिश्चित करना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। विधायक ने इसी बात पर जोर देते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। विधायक ने कहा कि जिला चिकित्सालय में पदस्थ सभी डॉक्टरों की यह जवाबदेही है कि मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए और उन्हें स्वस्थ होने के बाद संतुष्ट होकर अपने घर लौटने का अवसर मिले। अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाना चाहिए और उसकी परेशानी को गंभीरता से सुनते हुए उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अस्पताल प्रबंधन, अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए मरीजों तथा उनके परिजनों का विशेष ध्यान रखने को कहा। साथ ही अस्पताल की व्यवस्थाओं को मरीजों की जरूरतों के अनुरूप बनाए रखने पर जोर दिया। विधायक के इस निरीक्षण को जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की स्थिति जानने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। अस्पताल में भर्ती मरीजों को समय पर दवाइयां, पर्याप्त बेड और बेहतर उपचार उपलब्ध होना बेहद जरूरी है। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है कि निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए और आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं।

लिखित आदेश के इंतजार में पटवारी, स्वामित्व योजना पर गतिरोध बरकरार

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद भी पटवारी संघ का रुख सख्त, गिरधारी भगत बोले आदेश जारी होने तक योजनाओं के काम में नहीं करेंगे सहयोग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वामित्व योजना को लेकर पटवारी और प्रदेश सरकार के बीच चल रही तकरार के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ हुई चर्चा के बाद समाधान की उम्मीद जरूर जगी है, लेकिन जमीनी स्तर पर गतिरोध अब भी बरकरार है। सरकार की ओर से पटवारियों के लिए संरक्षण कानून बनाने, स्वामित्व योजना में उनकी भूमिका को लेकर उठ रही आपत्तियों का निराकरण करने तथा आंदोलन के दौरान प्रदेशभर में पटवारियों पर हुई कार्रवाई और निलंबन को निरस्त करने का आश्वासन दिया गया है। हालांकि, पटवारी संघ का कहना है कि जब तक सरकार की ओर से इन निर्णयों को लेकर लिखित आदेश जारी नहीं होते, तब तक आंदोलन समाप्त करने और कामकाज शुरू करने का सवाल नहीं उठता।

स्वामित्व योजना में पटवारियों की भूमिका और भूमि विक्रय से संबंधित प्रक्रिया को लेकर उठी आपत्तियों के बाद प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था। पटवारियों का कहना है कि योजना के अंतर्गत उनकी जिम्मेदारियों और कानूनी जवाबदेही को लेकर स्पष्ट व्यवस्था होना जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी विवाद की स्थिति में उन्हें अनावश्यक कार्रवाई का सामना न करना पड़े। इसी मांग को लेकर पटवारी लगातार अपनी आवाज उठा रहे थे। आंदोलन के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में पटवारियों पर कार्रवाई और निलंबन के मामले सामने आने के बाद विवाद और गहरा गया, जिसके चलते पटवारी संघ के प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा कर अपनी मांगें रखीं। मुख्यमंत्री के साथ हुई चर्चा में पटवारियों की मांगों पर सकारात्मक पहल किए जाने की बात सामने आई है। सरकार की ओर से पटवारियों को कानूनी संरक्षण देने के लिए कानून बनाने और स्वामित्व योजना में उनकी भूमिका को लेकर उठ रही आपत्तियों का समाधान करने का आश्वासन दिया गया। इसके साथ ही आंदोलन के दौरान पटवारियों पर की गई कार्रवाई तथा निलंबन को निरस्त करने की बात भी कही गई। पटवारी संघ सरकार के इस रुख का स्वागत कर रहा है, लेकिन उसका कहना है कि जब तक इन आश्वासनों को लिखित आदेश के रूप में जारी नहीं किया जाता, तब तक केवल मौखिक भरोसे के आधार पर कामकाज सामान्य करना संभव नहीं है। पटवारी संघ के पदाधिकारी गिरधारी भगत ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से पटवारियों की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाया गया है, जिसका संघ स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ चर्चा में जिन मुद्दों पर सहमति और आश्वासन की बात सामने आई है, उन्हें अब लिखित रूप में जारी किया जाना चाहिए। भगत के मुताबिक, अभी तक उनके पास संरक्षण कानून और स्वामित्व योजना से संबंधित निर्णयों की कोई लिखित प्रति नहीं पहुंची है। ऐसे में पटवारी संघ ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक आधिकारिक आदेश प्राप्त नहीं होते, तब तक स्वामित्व योजना का काम नहीं किया जाएगा। गिरधारी भगत ने यह भी कहा कि बालाघाट जिले सहित प्रदेशभर में आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में पटवारियों पर कार्रवाई हुई है और कई पटवारियों के निलंबन का मामला भी सामने आया है। मुख्यमंत्री की ओर से इन कार्रवाइयों को निरस्त करने का आश्वासन दिया गया है, लेकिन इस संबंध में भी अभी तक लिखित आदेश जारी नहीं हुए हैं। संघ का कहना है कि प्रभावित पटवारियों को राहत देने के लिए सरकार को विधिवत आदेश जारी करना चाहिए, ताकि कार्रवाई और निलंबन को लेकर बनी अनिश्चितता समाप्त हो सके। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक पटवारी संघ अपने रुख में बदलाव करने के लिए तैयार नहीं है। भगत ने स्पष्ट किया कि पटवारी अपने कार्यालयों में तो जाएंगे, लेकिन लिखित आदेश जारी होने तक स्वामित्व योजना सहित शासकीय योजनाओं के कार्यों में सहयोग नहीं करेंगे। उनका कहना है कि सरकार की ओर से मांगों को लेकर सकारात्मक आश्वासन दिया जाना अलग बात है, जबकि उन आश्वासनों को आधिकारिक रूप से लागू करना जरूरी है। संघ चाहता है कि संरक्षण कानून, पटवारियों की भूमिका और आंदोलन के दौरान की गई कार्रवाई को निरस्त करने के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी हों। इसके बाद ही कामकाज को लेकर आगे का निर्णय लिया जाएगा। पटवारी संघ के इस रुख से स्पष्ट है कि फिलहाल कार्यालयों में उपस्थिति के बावजूद योजनाओं के कामकाज में सहयोग नहीं मिलने की स्थिति बनी रह सकती है। गिरधारी भगत ने बताया कि 10 अक्टूबर को शाम 5 बजे अपर कलेक्टर के साथ बैठक में पटवारी संघ अपनी मांगों को प्रमुखता से रखेगा। इस बैठक में मुख्यमंत्री के साथ हुई चर्चा में दिए गए आश्वासनों को लिखित आदेश में बदलने और पटवारियों पर हुई कार्रवाई को निरस्त करने के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जाएगी। संघ का जोर इस बात पर रहेगा कि सरकार की ओर से घोषित राहत केवल मौखिक आश्वासन बनकर न रह जाए, बल्कि उसे आधिकारिक आदेश के माध्यम से लागू किया जाए। अब प्रशासन के साथ होने वाली चर्चा में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि लिखित आदेश जारी करने को लेकर क्या स्थिति सामने आती है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस की स्कूटर रैली

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए बुलंद की आवाज, जिला कांग्रेस कार्यालय से हनुमान चौक तक निकली रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन के तहत शनिवार शाम 6 बजे बालाघाट में जिला कांग्रेस कार्यालय से स्कूटर रैली निकाली गई। रैली मेन रोड, काली पुतली और अंबेडकर चौक से होते हुए हनुमान चौक पहुंची, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के रवैये के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा की आवाज बुलंद की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले लोगों को रोकने और उनकी आवाज दबाने की कोशिश लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। रैली के माध्यम से पार्टी ने स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया कि लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित से जुड़े सवालों को लेकर उसका विरोध जारी रहेगा।

इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली जाने वाले लोगों की आवाजाही बाधित किए जाने और इंटरनेट सेवाएं बंद किए जाने की खबरें चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराने का अधिकार है। यदि अपने अधिकारों की मांग को लेकर प्रदर्शन करने जा रहे लोगों को रोकने के लिए इस तरह के कदम उठाए जाते हैं, तो यह लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। कांग्रेस ऐसे रवैये की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी जनता की आवाज सुनना है, न कि विरोध करने वालों के रास्ते में बाधाएं खड़ी करना। पंजवानी ने युवाओं, राहुल गांधी और सांसदों

के साथ कथित तौर पर की गई पुलिस कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों और युवाओं की आवाज को दबाने के प्रयासों के आरोप गंभीर हैं। दूसरी ओर, ज्ञानेश कुमार को जेड श्रेणी की सुरक्षा दिए जाने की बात सामने आने पर उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। पंजवानी ने कहा कि लोकतंत्र में सभी नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि जब युवा और निर्वाचित प्रतिनिधि अपने सवालों को लेकर आवाज उठाते हैं, तब उन्हें रोकने की नौबत क्यों आती है?, उनके मुताबिक, लोकतांत्रिक अधिकारों के इस्तेमाल को बाधित करना जनता की आवाज को कमजोर करने जैसा है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार जनता के सवालों का जवाब देने के लिए होती है, न कि सवाल पूछने वालों को चुप कराने के लिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार है और सरकार को विरोध करने वालों की बात सुनकर उनकी शंकाओं का समाधान करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि सत्ता के बल पर जनआवाज को दबाने की कोशिश किसी भी सरकार के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। यदि लोकतांत्रिक विरोध को कुचलने का प्रयास किया जाता रहा, तो जनता में असंतोष बढ़ेगा। कांग्रेस संविधान, लोकतंत्र और युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से संसद तक अपना संघर्ष जारी रखेगी। श्याम पंजवानी ने बताया कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रदेशभर में ब्लॉक स्तर पर स्कूटर एवं साइकिल रैलियां आयोजित की जा रही हैं। बालाघाट में निकाली गई रैली भी इसी आंदोलन की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और नागरिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार जनता के बीच जाएंगे। रैली एवं विरोध प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अनूप सिंह बैस, शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी, कैलाश साहू, जावेद अली, जीतू बर्वे, अफरोज खान, राम सिंह भाटिया, डॉ. मुकेश वरकड़े, डॉ. अमर बिसेन, शमीम सिद्दीकी, छविराम नागेश्वर, संतोष बाहेश्वर, शब्बीर पटेल, मयूर मोटवानी, निखिल गौतम, महेश सहारे, धर्मेंद्र कुरील, शानू राय, जुबेदा अंसारी, डॉ. दुर्गा वरकड़े, सीमा सिंह, प्रकाश मदनकर, मुकेश माहुले, रिजवान खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने दोहराया कि लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी का आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

भटेरा चौकी में ओवरब्रिज निर्माण बना हादसों का खतरा

गिट्टी से उछलकर पिलर से टकराई मोटरसाइकिल

सड़क हादसे में 18 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रोड स्थित उपनगरीय क्षेत्र भटेरा चौकी में ओवरब्रिज निर्माण कार्य के चलते सड़क पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। निर्माण स्थल पर सड़क पर फैली गिट्टी और अव्यवस्थित आवागमन के बीच 10 अक्टूबर की शाम एक सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार 18 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक हिमांशु पिता राजकुमार लिल्हारे 18 वर्ष ग्राम बोदा थानां भरवेली निवासी है। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर यातायात सुरक्षा के इंतजामों को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

गिट्टी से उछलकर पिलर से टकराई मोटरसाइकिल

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बोदा निवासी युवक हिमांशु लिल्हारे मजदूरी करने के साथ ड्राइवर का काम भी करता है। 10 अक्टूबर की शाम करीब 5ः45 बजे वह मोटरसाइकिल से अपनी मौसी को लेने बालाघाट बस स्टैंड आ रहा था। इसी दौरान भटेरा चौकी क्षेत्र में ओवरब्रिज निर्माण के लिए पिलर बनाए जाने वाले स्थान के पास सड़क पर फैली गिट्टी के कारण उसकी मोटरसाइकिल उछल गई और सीधे निर्माणाधीन पिलर से जा टकराई ।टक्कर के बाद मोटरसाइकिल पीछे चल रहे एक चारपहिया वाहन से भी टकरा गई। इस घटनाक्रम में हिमांशु मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के समय युवक बेहोशी की हालत में था ।हादसे को देखने वाले लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। जहां उसे भर्ती कर उपचार किया गया। युवक के पास मिले मोबाइल फोन के माध्यम से उसके परिजनों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी गई।

निर्माण कार्य के चलते बिगड़ी यातायात व्यवस्था

भटेरा चौकी से भटेरा रोड की ओर ओवरब्रिज निर्माण कार्य जारी होने के कारण इन दिनों इस मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। निर्माण स्थल पर सड़क पर फैली गिट्टी, पिलर निर्माण का कार्य और एक ही मार्ग से गुजरते वाहनों के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर शाम के समय यातायात का दबाव बढ़ने से स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है ।इस मार्ग पर दोपहिया वाहन चालकों को तेज गति से निकलने वाले चारपहिया वाहनों के बीच आवागमन करने में भी परेशानी होती है। निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों और यातायात के उचित प्रबंधन की आवश्यकता महसूस की जा रही है ।साथ ही शाम के समय बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए यातायात का बेहतर प्रबंधन किया जाना चाहिए ।ताकि निर्माण कार्य के कारण आम नागरिकों को परेशानी न हो और भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके ।ओवरब्रिज निर्माण विकास की दृष्टि से आवश्यक है ।लेकिन निर्माण कार्य के दौरान नागरिकों की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। समय रहते उचित सुरक्षा इंतजाम किए जाने से ऐसे हादसों को रोकने में मदद मिल सकती है।

आज विराजेंगी माँ जगदम्बे, मंदिरों में कलश प्रज्वलित कर बोये जायेगें जवारे

आकर्षक लाईटिंग से सजा माता का दरबार, नौ दिनों तक की जायेगी माता-रानी की आराधना

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नौ दिनों तक चलने वाले माँ जगदम्बा की भक्ति व आराधना का शारदेय नवरात्रा पर्व ११ अक्टूबर को शुभ मुहूर्त में माँ दुर्गाजी की प्रतिमा, जवारे व कलश स्थापना के साथ प्रारंभ हो जायेगा। जिसके बाद नौ दिनों तक क्षेत्र में भक्तिमय माहौल निर्मित रहेगा और माँ जगदम्बे की श्रध्दालुओं के द्वारा आराधना की जायेगी। दुर्गा उत्सव पर्व को लेकर नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों, विभिन्न देवी मंदिरों एवं घरों में जवारे व कलशों की स्थापना के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही है। जिसमें अधिकांश दुर्गा उत्सव समितियों व देवी मंदिरों के द्वारा तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई है। माता रानी के दरबार को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है जिसमें लाइटिंग, पाल, पर्दे सहित अन्य सामग्रियों का इस्तेमाल कर भव्य माता रानी के पंडालों का निर्माण किया जा रहा है। वहीं नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा के वार्ड नं. १७ कुम्हारी मोहल्ला में मूर्तिकारों के द्वारा माँ दुर्गा जी की प्रतिमाओं को मनमोहक स्वरूप प्रदान कर उसमें रंग-रोगन व साज-सज्जा कर प्रतिमा को तैयार कर दिया गया है। ११ अक्टूबर को सुबह से ही सार्वजनिक समिति के पदाधिकारी मुर्तिकारों के घर पहुंचकर मातारानी की प्रतिमा को ले जाकर शुभ मुहूर्त में प्रतिमा विराजित करेगें। नवरात्रा पर्व को भक्तिभाव और धूमधाम से मनाने के लिए समितियों के द्वारा आवश्यक रूप से तैयारी की गई है जिसमें नौ दिनों तक सुबह-शाम पूजा-अर्चना व आरती कर माता-रानी की आराधना की जायेगी और धर्मलाभ अर्जित किया जायेगा।

लालबर्रा मंडी काम्पलेक्स परिसर में प्रतिमा स्थापना होगी आज

नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर समितियों के द्वारा माता रानी का दरबार सजाया जा रहा है। जहां ११ अक्टूबर को शुभ मुहूर्त पर विधि विधान से पूजा अर्चना कर माता रानी की प्रतिमा की स्थापना की जायेगी। प्रतिमा स्थापना के एक दिन पूर्व मूर्तिकारों के द्वारा माँ दुर्गा जी की प्रतिमाओं को अंतिम रूप प्रदान किया गया। मूर्तिकारों के द्वारा सार्वजनिक समितियों के आर्डर पर बनाई गई प्रतिमाओं को आकर्षक सुंदर रूप प्रदान किया गया है। शारदेय नवरात्र पर्व के दौरान विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेगें और दिन-रात माता रानी के जयकारों व गीतों से क्षेत्र गुंजमान्य होगा।

रानीकुठार में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद अंतर्गत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रानीकुठार के रानी दुर्गावती चौक में दुर्गावती जयंती के उपलक्ष्य पर ११ अक्टूबर की शाम ६ बजे से एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के सदस्य तेजराम पन्द्रे ने बताया कि एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार ८००१ रूपये, द्वितीय पुरसकार ६००१ रूपये एवं तृतीय पुरस्कार ४००१ रूपये एवं प्रवेश शुल्क २०१ रूपये निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त बेस्ट रेडर ५०१ रूपये, बेस्ट डिफेंडर को ५०१ रूपये दिया जायेगा। श्री पन्द्रे ने बताया कि उक्त कार्यक्रम आदिवासी विकास परिषद जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे के मुख्य आतिथ्य, जनपद पंचायत वन सभापति धनेंद्र भलावी, आदिवासी विकास परिषद कार्यवाहक अध्यक्ष झनकारसिंह उईके, ग्राम पंचायत रानीकुठार उपसरपंच सावनलाल सलामे, आदिवासी विकास परिषद ब्लॉक अध्यक्ष ज्ञानसिंह गोंडगे एवं सचिव अनिल उईके, आदिवासी समाज ग्राम अध्यक्ष धनसिंह वाड़िवा, पूर्व उपसरपंच दिलीप पन्द्रे, महारुलाल उईके, कन्हैयालाल वाड़िवा, कन्हैयालाल उईके, बिरनसिंह उईके, सोमारू कोकोटे के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में जिले भर के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील समिति अध्यक्ष राकेश वाड़िवा, उपाध्यक्ष अमरसिंह धुर्वे, कोषाध्यक्ष संदेश मडावी, सचिव रामलाल उईके, सहसचिव राजा उईके, मंच संचालक रामप्रसाद पन्द्रे. गोल्डी विश्वकर्मा, एम्पायर अमर सिंह धुर्वे, अनिल वाड़िवा, जयप्रकाश धुर्वे, पालसिंह वाड़िया, राकेश वाड़िवा, लाईनमेन प्रमोद पन्द्रे, मनोज पन्द्रे, विरेन्द्र वाड़िवा, अमिताभ उईके, संतोष मडावी, समिति सदस्य अनिल वाड़िवा, प्रमोद पन्द्रे, मनोज पन्द्रे, देवेन्द्र उइके, अरविन्द्र इडपाचे, अर्जुन उइके, सुरेन्द्र नेताम, राम कोकोटे, देवसिंह उईके, रवि कोकोटे, दुर्गोस उईके, उमन मडावी, गनपत पन्द्रे, तेजराम पन्द्रे, दिपसिंह वाडिवा, संतलाल कोकोटे, प्यारसिंह वाड़िवा, पालसिंह वाडिया, नैतिक उइके, राहुल उइके, महेश मडावी, जितेन्द्र सहारे, विनोद सहारे, शिवचरण उइके, निलकमल उइके, टाईमर उइके, निलेश मर्सकोले, पुरनलाल मर्सकोले, कमलसिंह सैय्याम, दिपसिंह पन्द्रे, सरोज टेकाम, इंदल उइके, छवील पन्द्रे, रंजन उइके, गोकुल उइके, सुरेश पन्द्रे, दिनेश पन्द्रे, अखिलेश उइके, उदलसिंह, अमरलाल परते, राजेश उइके, राकेश उईके, नेतलाल उइके, संतलाल उइके, राजेश वाड़िवा, जयप्रकाश धुर्वे, चंदप्रकाश पन्द्रे, सुनील पन्द्रे, शंकरलाल कोकोटे, जोहरसिंह आहाके सहित अन्य ग्रामीणजनों ने की है।

तीन भाइयों ने स्व. पिता की स्मृति में मोक्षधाम और मंदिर परिसर पर लगाये १०१ पौधे

एक पेड़ माँ के नाम और एक पेड़ पिता के नाम की पावन भावना को किया प्रेरित दिया, पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। एक पेड़ माँ के नाम और एक पेड़ पिता के नाम की पावन भावना से प्रेरित होकर ग्राम पंचायत टेकाड़ी (लो.) के ग्राम खोलटोला में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली की एक बेहद सुंदर व अनुकरणीय पहल देखने को मिली। लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टेकाड़ी लो. के खोलटोला निवासी तीन भाई ताराचंद पटले, डुलीचंद पटले एवं छोटे भाई लक्ष्मीचंद पटले ने अपने स्वर्गीय पिता मानिकराम पटले की पुण्य स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए शनिवार को ग्राम के दो मोक्षधामो एवं मंदिर परिसरों में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के प्रमुख उपस्थित में १०१ विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया है। वहीं उपस्थित अतिथियों ने तीनों भाईयों की इस सोच की सराहना करते हुए कहा कि पूर्वजों की स्मृति में पौधारोपण करना न केवल उन्हें सच्ची श्रध्दांजलि है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ भविष्य का आधार बताया। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक, पर्यावरण और स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी पौधों का चयन कर रोपण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से पीपल, बरगद, जामुन, आम, अशोक और कदम के कुल १०१ पौधों का रोपण किया गया है। साथ ही पौधों के संरक्षण एवं देखभाल का भी संकल्प लिया है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, भाजपा जिला मंत्री कन्हैयालाल चौहान, टेकाड़ी लो. सरपंच श्रीमती तिरंजा झनकलाल बिसेन, खमरिया भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष श्रीमती आशा हरिप्रसाद देशमुख, चैनलाल चौधरी प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके साथ ही मुख्य रूप से ग्राम पटेल मानिकराम बिसेन, पूर्व सरपंच जितेन्द्र बिसेन, उपसरपंच तेजेंद्र बिसेन, ग्राम पंचायत सचिव कमलेश चौहान, सहसचिव उमाशंकर पटले, दयाराम बिसेन, खूनीराम पटले, जगन्नाथ बिसेन, रूपलाल राणा, योगलाल पटले, महेतलाल पटले, सुरेश पटले, ईश्वरदयाल बिसेन, देवीप्रसाद भैरम, शिक्षक यादवप्रसाद बिसेन, सुरेंद्र पटले एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मानपुर-बोरी मार्ग पर सर्राटी नदी के अधूरे एप्रोच पुल का निर्माण कार्य शुरू

राहगीरों को मिलेगी राहत, तीव्र गति एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य करवाने की उठी मांग

बालाघाट खबर का असर एक्सप्रेस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के तहसील कार्यालय से बोरी मार्ग पर सर्राटी नदी पर एप्रोच पुल का करोड़ों रूपयों की लागत से निर्माण कार्य किया जा रहा है, लेकिन उक्त कार्य अधुरा किया गया था। ऐसी स्थिति में बरसात के दिनों में बारिश होने पर सड़क के कुछ हिस्सों में मिट्टी डाली गई थी उक्त मिट्टी बहने लगी थी। साथ ही कीचड एवं गड्ढे होने से इस मार्ग से आने-जाने वाले दर्जनों ग्रामों के स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणजनों व राहगीरों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। दुर्घटनाएं भी घटित हो रही थी और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। उक्त समस्या को लेकर गत माह पूर्व बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। जिसके बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के अधिकारी हरकत में आये और गत दिवस से अधुरे निर्माण कार्य का काम प्रारंभ कर दिया गया है, जिसका कार्य जारी है। इस तरह से मानपुर से बोरी मार्ग पर निर्माणाधीन पुल का कार्य आखिरकार प्रशासन ने पुन: शुरू करवा दिया है। वहीं राहगीर एवं ग्रामीणजनों ने निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं तीव्र गति से करवाने की मांग प्रशासन से की है। ताकि वर्तमान में आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

निर्माण कार्य पूर्ण होने पर आवागमन होगा सुगम

आपकों बता दे कि लालबर्रा तहसील पहुंच मार्ग से बोरी के बीच से सर्राटी नदी बहती है और नदी के ऊपर विगत वर्ष पूर्व करोड़ों रूपयों की लागत से पुल का निर्माण किया गया था। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण दो वर्ष पूर्व तेज बारिश एवं नदी में बाढ़ आने से दो हिस्सों से पुल क्षतिग्रस्त होकर बह गया था। जिससे इस मार्ग से आवागमन बाधित हो गया था। बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए इस पुल के जीर्णोद्वार और निर्माण के लिए बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के विशेष प्रयासों से क्षतिग्रस्त स्थान पर एप्रोच पुल निर्माण के लिए शासन स्तर से स्वीकृति मिली थी। हालांकि करोड़ों रूपयों की राशि स्वीकृति मिलने के बाद संबंधित विभाग और ठेकेदार द्वारा शुरूआती कार्य करके निर्माण को बीच में ही अधूरा छोड़ दिया गया था। वहीं अधूरे निर्माण के कारण बारिश और आम दिनों में निर्माणाधीन स्थल की मिट्टी बह जाने एवं गड्ढे बन जाने के कारण मानपुर-बोरी मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ों ग्रामीणों, स्कूली बच्चों तथा वाहन चालकों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस तरह से एप्रोच पुल का अधुरा निर्माण होने से आवागमन ठप होने जैसी स्थिति से नाराज स्थानीय लोगों की आवाज को 'बालाघाट एक्सप्रेस अखबार ने' गत माह खबर प्रकाशन कर प्रमुखता से उठाया था। वहीं खबरर प्रकाशन के बाद जिला प्रशासन एवं संबंधित सड़क विभाग हरकत में आया और निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। वहीं ग्रामीणजनों एवं राहगीरों के अनुसार सर्राटी नदी पर एप्रोच पुल का निर्माण कार्य दोबारा शुरू होने से मानपुर, बोरी और आसपास के दर्जनों गांवों के निवासियों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीण एवं राहगीरों का कहना है कि एप्रोच पुल का निर्माण पूर्ण हो जाने से आवागमन सुगम हो जायेगा और लंबे समय से चली आ रही दुर्घटनाओं की आशंका भी खत्म होगी।

रामजीटोला के खैरमाई (बड़ी माता) मंदिर में शारदीय नवरात्रि पर्व का आयोजन, विविध कार्यक्रम होंगे

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाली ग्राम रामजीटोला स्थित माँ खैरमाई (बड़ी माता) ग्राम देवी मंदिर में इस वर्ष भी १०१ वर्षों से अधिक पुरानी परंपरा के अनुसार शारदीय नवरात्रि पर्व (जवारे) का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसकी तैयारी समिति के द्वारा पूरी कर ली गई है और ११ अक्टूबर को विधि-विधान से पूजा अर्चना कर जवारे एवं कलश प्रज्वलित कर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ में मनाया जायेगा। साथ ही रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेगे। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि रामजीटोला स्थित माँ खैरमाई (बड़ी माता) मंदिर में ११ अक्टूबर से शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा। जिसमें ११ अक्टूबर को जवारे एवं जवाला स्थापना की जायेगी, १२, १३ अक्टूबर को जस पार्टी, १४ अक्टूबर को भजन कीर्तन, १५, १६ अक्टूबर को जस पार्टी, १७ अक्टूबर को दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। जिसमें नव दुर्गा महिला मंडल महदोली वारासिवनी की गायिका सुनिता मरठे एवं आदर्श महिला मंडल लालपुर (धारना) की गायिका दीपिका तुरकर के द्वारा प्रस्तुती देगें। आगे बताया कि १८ अक्टूबर को अष्टमी पर्व मनाया जायेगा एवं रात ९ बजे से कैसेट डांस प्रतियोगिता, १९ अक्टूबर को जवारा विसर्जन एवं रात ८ बजे से खप्पर आरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस आयोजन में पांढरवानी सरपंच अनीस खान एवं पंडा बसंत हटेवार विशेष सहयोगी रहेगें। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील सार्वजनिक खैरमाई माता मंदिर रामजीटोला के अध्यक्ष चैनलाल श्रीवास, उपाध्यक्ष संतोष लांजेवार, सचिव कृष्णकुमार लरहे, सहसचिव भिवराज मात्ते, कोषाध्यक्ष तिलक मात्ते, संरक्षक डॉ. रामप्रसाद पंचेश्वर, बसंत हटेवार, पप्पु संचेती, अनिल शर्मा, प्रसन्न अवधिया, जगदीश शास्त्री, ज्ञानरंजन शर्मा, रवि अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, गिरिश पाठक, विनोद अवधिया, गोलु अग्रवाल, अन्ना अग्रवाल, शैलेष केकती, दीपक अग्रवाल, बाबूलाल सर्राठे, अनिल अग्रवाल, किशोर गुप्ता, अजय कौशल, गणेश मोहबे, जुगलकिशोर पाठक, सुशील दुबे, पुरन स्वामी, राजा पशीने, देवेन्द्र करमेले, विकास तिवारी सहित अन्य संरक्षकगण एवं सदस्यों ने की है।

धारावासी में ७ हजार ईनामी कबड्डी प्रतियोगिता १२ से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत धारावासी के दुर्गा चौक में नवरात्री के पावन अवसर पर १२ अक्टूबर से एक दिवसीय ७०७१ रूपये ईनामी कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा के सचिव एवं आयोजन समिति सदस्य अनिल उइके ने बताया कि शारदेय नवरात्र पर्व के पावन अवसर पर ग्राम के दुर्गा चौक में १२ अक्टूबर को शाम ५ बजे से एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार ७०७१ रूपये, द्वितीय पुरस्कार ५०५१ रूपये, तृतीय पुरस्कार ३०३१ रूपये, प्रवेश शुल्क २५१ रूपये निर्धारित किया गया है। उक्त कार्यक्रम जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के मुख्य आतिथ्य, सरपंच श्रीमती गौरी/मनीष बडघरे के प्रमुख आतिथ्य एवं यशवंतराय बोपचे, नितेन्द्र पालीवाल, यशवंतराय तुलसीकर, ओमकार कटरे, अजय उइके, पूरनलाल गौतम, गोविंद भारद्वाज, राजकुमार पंचेश्वर, गुसाई कटरे, महेश बाहेश्वर, मनोकादास कटरे, संतकुमार मानेश्वर, चैनलाल बगारे, महेश भारती के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर कबड्डी टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने की है।

नवरात्र पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर हुई चर्चा

दुर्गा उत्सव समितियों को सीसीटीवी,अग्निशमन यंत्र और स्वयंसेवक तैनात करने के दिये निर्देश

फोटो:: शांति समिति

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नवरात्र पर्व एवं आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से १० अक्टूबर को वारासिवनी पुलिस थाना परिसर स्थित सभा कक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थाना प्रभारी अनूप सिंह उइके की उपस्थिति में हुई बैठक में गणमान्य नागरिकों दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों और डीजे संचालकों से चर्चा कर पर्व के दौरान सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, महिला सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विचार.विमर्श किया गया। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने दुर्गा उत्सव समितियों से उनके आयोजन की रूपरेखा और कार्यक्रमों की जानकारी ली। इस दौरान नवरात्र के दिनों में नगर की व्यवस्थाओं का आकलन करते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। उपस्थित नागरिकों ने यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने तथा खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करने सहित कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। पुलिस अधिकारियों ने सभी सुझावों को सूचीबद्ध कर उन पर विचार करने और आवश्यकतानुसार अमल में लाने का आश्वासन दिया। बैठक में दुर्गा उत्सव समितियों को पंडालों और आसपास के परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। समितियों से डीजे निर्धारित मानकों के अनुरूप कम आवाज में बजाने, पंडाल और परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने, विद्युत लाइन सुरक्षित तरीके से बिछाने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्निशमन यंत्र रखने को कहा गया। इसके साथ ही समितियों को अपने स्तर पर स्वयंसेवक तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि पंडालों में श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें। बैठक में उपस्थित नागरिकों ने नवरात्र के दौरान प्रमुख दुर्गा पंडालों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने की मांग भी रखी । जिससे श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में दर्शन कर सकें और पर्व के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था ना हो। बैठक का उद्देश्य आपसी समन्वय के साथ नवरात्र एवं आगामी त्योहारों को शांति, सौहार्द और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराना रहा। थाना प्रभारी अनूप उइके ने बताया कि आगामी त्यौहार के संबंध में समिति कार्यकर्ता डीजे संचालक व अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक रखी गई थी। अभी नवरात्र पत्र पर्व चालू होने वाला है इस बीच बच्चों की परीक्षा भी है तो उन्हें दृष्टिगत रखते हुए हमारे द्वारा बताया है कि डीजे कम आवाज में बजाया जाए, पंडाल में व्यवस्था रखें, लाइट व्यवस्था बेहतर रखें, अग्निशमन व्यवस्था बनाए, सीसीटीवी लगाये, वालंटियर रखें और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार रात १० बजे तक के डीजे बाजायें। हमें जानकारी मिली कि यहां धूमधाम और व्यापक रूप से कार्यक्रम होते हैं तो यातायात के लिए भी हमने तैयारी की है बाहर से फोर्स बुलाई जा रही है। दशहरे का कार्यक्रम में २५ हजार लोग आते हैं तो उस दौरान मार्ग डायवर्ट किया जाएगा। वहीं २५ अक्टूबर को नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब में विनोद राठौड़ का संगीत कार्यक्रम है और २८ को माँ अंजनी पुत्र सेवा दल का कार्यक्रम दोनों को शांतिपूर्ण संपन्न करवाया जाएगा। इस अवसर पर संजयसिंह कछवाहा ,संजय सिंह चंदेल ,मयंक रूसिया ,सौर्य रूसिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

दशहरा पर्व की तैयारियों को लेकर विधायक विवेक पटेल की अध्यक्षता में समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न

नवरात्र एवं दशहरा पर्व पर हुड़दंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस रखेगी नजर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। आगामी दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के लिए दशहरा आयोजन समिति के अध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल की उपस्थिति में अनुविभागीय कार्यालय में समस्त विभागों के अधिकारियों की बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान अनुविभागीय अधिकारी ने पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश दिए कि अराजक तत्वों और माहौल बिगाड़ने वालो पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। वहीं विधायक विवेक पटेल ने दशहरा मैदान में पीडब्ल्यूडी विभाग को पर्याप्त बैरिकेड लगवाने के साथ ही विद्युत विभाग के अधिकारियों को नवरात्रि पर्व पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जर्जर बिजली के तारों और खम्भों को तत्काल दुरस्त करने,वहीं नपा सीएमओ को जर्जर सड़को की मरम्मत करवाने,साफसफाई को पुख्ता व्यवस्था के निर्देश दिए है। वहीं दशहरा मैदान में रावण दहन के दौरान किसी भी प्रकार से कोई दुर्घटना ना हो,इसलिए मैदान में स्वास्थ्य विभाग की टीम सहित नगर पालिका का फायर अमला मौजूद रहेगा। बैठक में एसडीएम श्रीश प्यासी, तहसीलदार वंदना कुशराम,थाना प्रभारी अनूप कुमार उईके,यातायात प्रभारी यीना रहांगडाले,नगर पालिका सीएमओ सूर्य प्रकाश उइके,बीएमओ डॉक्टर सत्यम शर्मा, जेई राहुल तूरकर, छगन हनवत, अजय देवनाथ बिसेन, सुदेश गुड्डु सोनी,कैलाश दुल्हानी,चिंटू जैन मौजूद रहे।

मां दुर्गा की मूर्तियों को मूर्तिकार दे रहे अंतिम रूप

नवरात्र पर्व को लेकर तैयारी पूर्ण, माँ के आगमन में लगे भक्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जगत जननी मां दुर्गा के पावन नौ दिवसीय नवरात्र पर्व के आगमन के साथ ही पूरे नगर में भक्तिमय और उत्साह का माहौल छा गया है। पर्व की शुरुआत ११ अक्टूबर से होने जा रही है जिसे लेकर शहर के मूर्तिकार मंदिर समितियां और पंडाल आयोजक अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में युद्धस्तर पर जुट गए हैं। नगर के मूर्तिकार प्राइमर किए जाने के बाद माता रानी की प्रतिमाओं में रंग.रोगन और बारीक कलाकारी का कार्य तेजी से पूरा कर रहे हैं। मूर्तिकारों के निवास व कार्यस्थलों से मां दुर्गा की प्रतिमाओं को पंडालों में ले जाने का सिलसिला ११ अक्टूबर की सुबह से शुरू हो जाएगा। स्थानीय मंदिरों की साफ सफाई, रंग.रोगन का कार्य संपन्न हो चुका है और अब भव्य साज सज्जा व आकर्षक लाइटिंग लगाने का कार्य अंतिम चरण में है। सार्वजनिक दुर्गा पंडालों का निर्माण तीव्र गति से जारी है हालांकि पूर्ण रूप से कार्य संपन्न होने में अभी दो.तीन दिन का समय लगने की संभावना जताई जा रही है। इसके साथ ही गरबा परिसरों को भी भव्य रूप देने की तैयारियां चल रही हैं। नवरात्र के नजदीक आते ही मूर्तिकार दिन रात एक करके मां दुर्गा की मनमोहक प्रतिमाओं को निखारने में लगे हुए हैं। वर्तमान में प्रतिमाओं पर प्राइमर कोट करने के बाद आकर्षक रंगों से पेंटिंग की जा रही है। साथ ही माता रानी के श्रृंगार , आभूषणों और चेहरे के भावों को जीवंत बनाने के लिए बारीक कार्य किए जा रहे है,ताकि प्रत्येक प्रतिमा देखते ही बने और भक्तों को आकर्षित करें। धार्मिक आयोजनों को लेकर शहर के विभिन्न मंदिरों में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है। मंदिरों में साफ सफाई और रंग.रोगन का काम पूरा हो चुका है और अब प्रकाश व्यवस्था लाइटिंग व फूलों से सजावट का काम प्रगति पर है। दूसरी ओर सार्वजनिक पंडालों का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। आयोजकों का प्रयास है कि समय रहते सभी निर्माण कार्य पूरे कर लिए जाएं ताकि कलश स्थापना और पूजा अर्चना के दौरान किसी प्रकार की असुविधा ना हो। इसके अलावा युवाओं और युवतियों के लिए गरबा प्रांगण को भी पूरी ऊर्जा के साथ तैयार किया जा रहा है। ११ अक्टूबर से प्रारंभ हो रहे इस शक्ति पर्व को लेकर वारासिवनी के नागरिकों और श्रद्धालुओं में भारी उल्लास देखा जा रहा है। घरों से लेकर बाजारों तक हर तरफ भक्ति और उत्सव का माहौल है। मूर्तिकार महेन्द्र प्रजापति ने बताया कि नगर के मूर्तिकारों के द्वारा काफी माता रानी की मूर्ति बनाने का कार्य कर रहे है। जिसमें बारीकी से रंग रोगन का कार्य किया जा रहा है ,ऐसे में स्थापना को एक दिन बचा हैं ११ अक्टूबर की सुबह से प्रतिमा का उठाना प्रारंभ हो जाएगा। युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है यह मूर्तियां वारासिवनी ,रामपायली ,खैरलांजी, कटंगी, बालाघाट सहित अन्य क्षेत्रों में जाती है जिसमें अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिमा शामिल है। इस वर्ष रंग, पेंट के कलरों की कीमतों में बढोत्तरी हुई है मौसम साथ दें रहा हैं।

फांसी पर लटका मिला २२ वर्षीय युवक का शव, पुलिस ने शुरू की जांच

डेकोरेशन का काम करता था युवक, परिजनों की मौजूदगी में हुई पंचनामा कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम सिकंद्रा के मदनपुर रोड़ स्थित एक कॉम्प्लेक्स में १० अक्टूबर को २२ वर्षीय युवक का शव फांसी पर लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। परिजनों के पहुंचने के बाद उनकी मौजूदगी में आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी भेजा गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

रोजगार की तलाश में आया था वारासिवनी

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभु पिता फूलसिंह मरकाम २२ वर्ष निवासी सोनगुड्डा मुरुम बिरसा रोजगार की तलाश में वारासिवनी आया था। वह पिछले कुछ समय से संजय उइके के पास डेकोरेशन का काम कर रहा था। कुछ दिन पहले वह अपने घर गया था और ५ अक्टूबर को वापस वारासिवनी लौटकर काम में जुट गया था। ९ अक्टूबर की रात ग्राम वारा के शिवधाम मोहल्ले में एक व्यक्ति के घर जन्मदिन कार्यक्रम के लिए डेकोरेशन का ऑर्डर मिला था। काम पूरा करने के बाद प्रभु अपने दो साथी कर्मचारियों सुमित पिता दिनेश करकाडे और आर्यन पिता रोशन बावने के साथ कॉम्प्लेक्स में आकर सो गया। अगले दिन उन्हें दूसरे ऑर्डर पर भी काम करने जाना था। १० अक्टूबर की सुबह डेकोरेशन संचालक सुमित उइके उन्हें उठाने के लिए कॉम्प्लेक्स पहुंचा। शटर खोलकर अंदर देखने पर सामने वाले कमरे में प्रभु का शव फांसी पर लटका मिला जबकि उसके दोनों साथी पीछे के कमरे में सो रहे थे। घटना देखकर सुमित उइके ने शटर बंद किया और आसपास के लोगों को सूचना देने के बाद थाने पहुंचकर पुलिस को जानकारी दी।

परिजनों की मौजूदगी में हुई कार्यवाही

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच की। इसके बाद मृतक के मोबाइल के माध्यम से उसके परिजनों से संपर्क किया गया। परिजनों ने मौके पर पहुंचने के बाद ही कार्रवाई करने का आग्रह किया। पुलिस ने उनके आने तक शव को यथास्थिति में रखा। परिजनों के पहुंचने पर शव को नीचे उतारकर पंचनामा कार्यवाही की गई और पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर युवक की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

रात में १ बजे हम सभी काम से वापस लौटे थे- संजय उइके

संजय उइके ने बताया की मैं वार्ड नं.१ ग्राम सिकन्द्रा रहता हूं। डेकोरेशन का काम करता हूं मेरे पास ४ लडके काम करते है। ९ अक्टूबर को शिवधाम मोहल्ला वारासिवनी में जितेन्द्र भलावी के यहा जन्म दिवस के कार्यक्रम में मैने अपना डेकोरेशन लगवाया था जहां पर मैं तथा प्रभु मरकाम व सुमित करकाड़े सभी लोगो ने रात्री १ बजे तक कार्यक्रम में थे। खाना खाने के बाद हम सभी लोग वापस आ गये मेरा मदनपुर रोड़ पर समान रखने के लिये किराये का कमरा लेकर रखा हूं। जहा पर प्रभु मरकाम व सुमित करकाड़े व आर्यन बावने तीनो रहते है ,प्रभु मरकाम सामने वाले कमरे में सोता था और सुमित करकाडे व आर्यन बावने उससे लगा पीछे का कमरे जिसमें दोनो सोते थे। मैं अपने घर जाकर सो गया था १० अक्टूबर की सुबह करीबन ८ बजे मैं अपने किराये के कमरे में जाकर देखा और दुकान का शटर उठाया तो सामने वाले कमरे में प्रभु मरकाम छत के हुक में रस्सी में फांसी पर लटका हुआ था और सुमित व आर्यन दोनो बाजू वाले कमरे में सो रहे थे मैने दोनो को उठाया और पूछा की प्रभु मरकाम फांसी पर कैसे लगा। फिर मेरे द्वारा पड़ोसी सहित पुलिस को सूचना दी गई पुलिस जांच कर रही है।

इनका कहना हैं

थाने में सूचना प्राप्त हुई थी कि किसी युवक ने फांसी लगाई है। मौके पर आकर जानकारी ली गयी मृतक प्रभु मरकाम के परिवार से चर्चा कर उनके आने पर शव नीचे उतारकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही कर मर्ग कायम कर जांच में लिया है। मृत्यु का कारण अज्ञात है यह जांच में ही स्पष्ट होगा।

धनेश वल्के
सहायक उपनिरीक्षक थाना
वारासिवनी

जिला स्तरीय कालिदास समारोह में मयंक चौधरी ने हासिल किया प्रथम स्थान

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन, सांदीपनि विद्यालय का बढ़ाया गौरव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिला स्तरीय कालिदास समारोह प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के प्रतिभाशाली छात्र मयंक चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।८ अक्टूबर २०२६ को आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मयंक ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन की उपस्थिति में मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य शरद जोतिशी एवं सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी प्राचार्य हमराज पटले सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मयंक चौधरी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और संभाग स्तर पर अपनी जगह बनाई। मयंक चौधरी को इस उपलब्धि तक पहुंचाने में संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। वहीं मार्गदर्शक शिक्षिका श्रीमती अन्नू राहंगडाले ने जिला स्तर पर प्रतियोगिता की तैयारी एवं आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहयोगी शिक्षिका सुश्री डाली खैरवार ,मुकेश देशकर का भी सराहनीय योगदान रहा। मयंक की इस सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य शिक्षकगण एवं समस्त शाला परिवार ने छात्र मयंक चौधरी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही आगामी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करने की उम्मीद जताई।

नवरात्र पर घर घर मे होती है साझी पूजा !

नवरात्र का पर्व देवी पूजा के विभिन्न रूपो की साधना का अवसर है।जिसमे आस्था,लोकसंस्कृति, शिल्प कला और बच्चों में कलात्मक गुणों का समावेश करने की पुरातन परम्परा है।इन्ही में से एक है,नवरात्र पर देवी रूप में सांझी की स्थापना और फिर पूरे नवरात्र सांझी की लोकगीतों के साथ पूजा।स्तुति रूपी इन लोकगीतों में, लिल्ली धोडी रे कौन फिरे सवार,मै था दुलीचन्द बोबो हे, सांझी का लेवणहार। बोबो थोडा पिला दे हे तेरा बीर प्यासा जाए। नवरात्रों पर हर घर में यह लोकगीत पुराने समय से गाया जाता है।सांझी की आरती के रूप में सुबह शाम गाये जाने वाले इस लोग गीत में कही न कही एक संदेश है,साथ ही भारतीय संस्कृति की अनूठी झलक भी इस गीत में देखने को मिलती है। श्राद्ध के अन्तिम दिन अमावस्या को देवी रूप में मिटटी से बनी मां सांझी को प्रतिष्ठित कर मां सांझी की पूरे नवरात्रों तक पूजा अर्चना की जाती है। पहले गांव हो या शहर, घर लडकियां कच्ची मिटटी से नई नई डिजाईन व नये नये साज श्रंगार के साथ सांझी तैयार करती थी। सांझी के साथ चांद तारे से लेकर कई आकृतियां सजाई जाती थी। जो शिल्पकला का अदभुत नमूना होता है। श्राद्ध पक्ष आते ही सांझी बनाने का सिलसिला शुरू हो जाता है और नवरात्र से एक दिन पहले गोबर से चिपकाकर दिवारों पर सांझी लगाई जाती है।समय के साथ सांझी भी हाईटेक हो गई है। अब सांझी घरो में बनाने के बजाए बाजार से खरीदकर लगाई जाती है।एक सांझी 100 रूपये से 500 रूपये तक आसानी से मिल जाती है। ऐसे में सांझी को घर में बनाने की परम्परा अब खत्म प्राय: हो गई है।जिससे घर की लडकियां सांझी बनाने की शिल्पकला से वंचित हो गई है। एक बोध कथा के अनुसार, सांझी एक गरीब परिवार में जन्मी एक ऐसी लडकी थी, जिसे ससुराल भी गरीब ही मिली। ससुराल में सांझी को कई झूठे इल्जाम और ताने सहन करने पडतें थे। यानि सांझी को ससुराल में प्रताडित किया गया। सांझी को मायके लिवाने जब उसका भाई दुलीचन्द उसकी ससुराल आया तो उससे सांझी की पीडा देखी नही गई। हद तो तब हो गई जब ससुराल वालों ने सांझी को उसके भाई के साथ भेजने से इंकार कर दिया।सांझी जिद पर अड गई और भाई दुलीचन्द के साथ मायके चली गई । जहां पहुंचने पर सांझी की आरती उतारकर पूरे गांव ने स्वागत किया। सांझी के मायके में स्वागत के दौरान चना जिसे चाब कहा जाता है,का प्रसाद बाटा गया । तभी से यह पर्व मनाने और पर्व पर चाब के रूप में भीगे हुए चने बांटने की परम्परा है। राधा बल्लभ संप्रदाय के अनुयायी सांझी को राधा कृष्ण की प्रेम भक्ति के रूप व्याख्यायित करते है तो कही कही सांझी की पूजा 16 दिनों तक किये जाने की भी परम्परा है। लोक कथाओं के साथ साथ लोक गीतों में कालजयी सांझी की कथा सहज ही समझ में आ जाती है। सांझी की आरती सुबह शाम करते समय प्रार्थना के रूप में जो लोक गीत गाए जाते है उन लोक गीतो की एक बानगी देखिए, चाब दे री चाब दे सांझी की मां चाब दे , तेरी सांझी जीवे चाब दे । इसी तरह आरता री आरता सांझी मां आरता । गाकर सांझी मां की पूजा की जाती है। इसी सांझी मां की प्रतिमा के सामने सांझी स्थापना के अगले दिन कच्ची मिटटी में जौ बोये जाते है। प्रतिदिन सुबह शाम सांझी को स्नान कराते समय व भोग लगाते समय इन बोये गए जौ में नियमित पानी छिडकने से जौ अकुंरित होकर पौधा बनने लगता है जिसे नोरते कहते है। चूंकि दशहरे तक ये नोरते काफी बडे हो जाते है इस लिए इन्ही नोरतों से दशहरे की पूजाकर कर बहने अपने भाईयों के कानो पर नोरते रखकर उनकी दिर्धायु की कामना करती है।

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

हिमालय केवल पर्वतों की एक शृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है। इस संदर्भ में 'कैरी मी बैक' अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुन: उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने। हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि 'जितने अधिक पर्यटक, उतना

अधिक विकास' की सोच को 'जितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटन' में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन ब?ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहा?ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को ब?ा सकती है। हिमालय आज चिन्ताओं का हिमालय बन गया है। कुछ दशकों में खासकर हिमालयी क्षेत्र के राज्यों में विकास के नाम पर जहां प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ है, वहीं धार्मिक पर्यटन के नाम पर व्यापक स्तर पर प्रदूषण फैला है। इतना ही नहीं, प्रकृति से खिलवाड़ कर नियमों के खिलाफ ऐसा निर्माण खड़ा किया जा रहा है, जो बाढ़ और भूस्खलन के साथ बर्बादी लेकर आता रहा है। सवाल यह भी है कि पहाड़ी राज्यों में विकास का क्या पैमाना होना चाहिए? अगर विकास के नाम पर कहीं निर्माण गतिविधियां आवश्यक हों तो वह नियोजन के साथ ही आपदाओं को झेलने में सक्षम होनी चाहिए। आम तौर पर देखा गया है कि इन राज्यों में पर्यटन एवं धार्मिक यात्राओं को बढ़ावा देने के नाम पर ऐसी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गईं जो न सिर्फ बाढ़ और भूस्खलन झेलने में अक्षम साबित हुईं, बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी नुकसानदेह रही हैं। ऐसे निर्माण में सरकारी स्तर पर सतर्कता की जो उम्मीद की जाती है, उसे नजरअंदाज किया गया। हिमालय हमें बहुत कुछ देता है-जल, वन, जैव विविधता, जलवायु संतुलन, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा। बदले में हमारी जिम्मेदारी केवल वहां जाकर पूजा करना नहीं, बल्कि उस प्रकृति की रक्षा करना भी है। तीर्थयात्री यदि एक बोतल पानी लेकर पहाड़ पर जा सकता है तो खाली बोतल वापस भी ला सकता है। यह छोटा-सा संकल्प बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है। आस्था और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। धार्मिक यात्रा का वास्तविक संस्कार तभी पूर्ण होगा जब तीर्थयात्री मंदिर से लौटते समय अपने साथ प्रसाद ही नहीं, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी लेकर लौटे। सरकारें व्यवस्था करें, स्थानीय समुदाय भागीदारी निभाएं और श्रद्धालु अपना कचरा वापस लाने का संकल्प लें-तभी हिमालय की पवित्रता सुरक्षित रह सकेगी। हिमालय को केवल देवभूमि कहने से उसकी रक्षा नहीं होगी, उसे देवभूमि की तरह व्यवहार देकर ही उसकी पवित्रता बचाई जा सकती है। यही सच्ची तीर्थयात्रा है, यही प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और यही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व है।

-ललित गर्ग

दिल्ली में लोकतंत्र बनाम सुरक्षा का महासंग्राम! जंतर- मंतर बना सत्ता की अग्निपरीक्षा!

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर 9 अक्टूबर 2026 मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन ने राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक, प्रशासनिक और संवैधानिक बहस तेज कर दी है।प्रदर्शन से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने, दिल्ली मेट्रो के 57 स्टेशनों पर पाबंदियों की तैयारी और दिल्ली पहुंचने वाली कुछ मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने के फैसलों ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं?।क्या यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने की एहतियाती रणनीति है या इसका असर नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार पर भी पड़ रहा है? यही इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बन गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि यहाँ 57 मेट्रो स्टेशन और रेल सेवाओं पर पाबंदी से बढ़ा विवाद, रेलवे बोर्ड के 9 अक्टूबर के आदेशके अनुसार निर्धारित समयावधि में नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने वाली कुछ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को उनके शुरुआती स्टेशनों से रद्द किया गया है।ये पाबंदियां 10 अक्टूबर को सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच पहुंचने वाली संबंधित ट्रेनों पर लागू बताई गई हैं। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने 57 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार बंद रखने की व्यवस्था की घोषणा की है।उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, पाबंदियों का प्रभाव रेड, येलो, ब्लू, वायलेट,पिंक और मैजेंटा लाइनों सहित कई मेट्रो मार्गों पर पड़ना है। इससे यात्रियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और दूसरे जरूरी कामों से दिल्ली आने-जाने वाले लोगों को भी परेशानी हो सकतीहै।हालांकि सभी ट्रेनों के रद्द होने या पूरी मेट्रो सेवा बंद होने का दावा करना सही नहीं होगा पाबंदियों का वास्तविक दायरा संबंधित आधिकारिक आदेशों से ही स्पष्ट होगा।

साथियों बात अगर हम सीजेपी का ऐलान युवाओं से डरती है सरकार तो पूरा देश बंद कर दे को समझने की करें तो, सीजेपी के संस्थापक ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि जंतर-मंतर निर्धारित प्रदर्शन स्थल है और पार्टी हर हाल में प्रदर्शन करेगी। उनका तर्क है कि शांतिपूर्ण विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है और कथित चुनावी अनियमितताओं पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार किया है, जबकि जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ाई गई है। पार्टी ने देशभर में अपने कम से कम 10 हजार सदस्यों को हिरासत में लिए जाने का दावा भी किया है, लेकिन इस संख्या की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इसलिए इस दावे को स्थापित तथ्य के बजाय पार्टी के आरोप के रूप में ही सटीकता से देखा जाना चाहिए।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट में उठा सवाल सुरक्षा या नागरिक अधिकार? इसको समझने की करें तोअब इस विवाद ने न्यायिक स्तर पर भी ध्यान खींचा है।वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रदर्शन से पहले रेल सेवाओं, मेट्रो स्टेशनों तथा इंटरनेट सेवाओं पर संभावित पाबंदियों को लेकर चिंता जताई।सिब्बल ने सवाल उठाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए राजधानी आने वाले लोगों की आवाजाही पर इतनी व्यापक रोक क्यों लगाई जा रही है। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए दिल्ली पुलिस को खुली छूट देने की मांग वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने युवाओं के भविष्य और उनके परिवारों पर कानूनी कार्रवाई के प्रभाव को ध्यान में रखने की बात कही। साथ ही, अदालत ने स्पष्ट किया कि आदतन अपराधियों या गंभीर अपराधों के आरोपियों को पूर्व आदेशों के तहत मिली सुरक्षा का लाभ स्वत: नहीं मिलेगा। न्यायालय की इस टिप्पणी का अर्थ कानून-व्यवस्था की आवश्यकता को नकारना नहीं,बल्कि कार्रवाई में सटीकता से उचित संतुलन बनाए रखना है।

साथियों बात अगर हम अघोषित आपातकाल का आरोप और 1942 के आंदोलन से तुलना को समझने की करें तो, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वीडियो संदेश में गिरफ्तारियों,दिल्ली आने से रोके जाने और परिवहन प्रतिबंधों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने इन परिस्थितियों की तुलना 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन से करते हुए इसे अघोषित आपातकाल करार दिया। यह उनका राजनीतिक आरोप है, कोई न्यायिक निष्कर्ष नहीं। उन्होंने लोगों से लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन जारी रखने की अपील की है। दूसरी ओर, प्रशासन के सामने संभावित भीड़, यातायात, सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी है। ऐसे में दोनों पक्षों की कार्रवाइयों और दावों का आकलन प्रमाणों के आधार पर होना जरूरी है।

लोकतंत्र की असली परीक्षा- विरोध का अधिकार और व्यवस्था की सटीकता से जिम्मेदारी हैं।

साथियों बात अगर इस पूरे घटनाक्रम का महत्व किसी एक पार्टी या एक प्रदर्शन तक सीमित नहीं है इसको समझने की करें तो, चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं तो उनका पारदर्शी और तथ्याधारित जवाब देना संस्थाओं की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है। उसी तरह शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की रक्षा करना भी लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। प्रशासन को सुरक्षा संबंधी कदम उठाने का अधिकार है, लेकिन उनकी आवश्यकता, अनुपात और नागरिकों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा भी जरूरी है। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों को कानून का पालन करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 10 अक्टूबर का घटनाक्रम इस बात की कसौटी बनेगा कि लोकतंत्र में असहमति को किस तरह संभाला जाता है। न तो बिना प्रमाण सरकार के डरने का निष्कर्ष निकालना उचित है और न ही सुरक्षा के नाम पर हर प्रतिबंध को स्वत: न्यायसंगत मानना।असली सवाल यह है कि क्या प्रशासन सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखते हुए नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा कर सकता है और क्या चुनावी प्रक्रिया से जुड़े आरोपों का जवाब पारदर्शिता से दिया जाएगा? लोकतंत्र की मजबूती का निर्धारण अंतत: नारों से नहीं, बल्कि संस्थाओं की जवाबदेही, कानून के निष्पक्ष अनुपालन और जनता के विश्वास से होता है।

नकली दवाओं का अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट मानवता के लिए गंभीर खतरा

दवा का उद्देश्य मनुष्य को बीमारी से राहत देना और जीवन को सुरक्षित बनाना है, लेकिन जब जीवन बचाने वाली दवाएं ही मौत और गंभीर बीमारियों का कारण बनने लगें, तब यह केवल मिलावट या आर्थिक अपराध का मामला नहीं रह जाता, बल्कि मानवता के विरुद्ध गंभीर चुनौती बन जाता है। देश में नकली दवाओं के कारोबार को लेकर कर्नाटक में सामने आया मामला इसी चिंता को गहरा करता है। जांच में एक ऐसे गिरोह का पता चला है, जिसके तार भारत के कई राज्यों से लेकर तुर्किये और अजरबैजान तक जुड़े होने की बात सामने आई है। यह घटनाक्रम बताता है कि नकली दवाओं का कारोबार अब किसी एक शहर, राज्य या देश तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि संगठित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के रूप में काम कर सकता है।

कर्नाटक में विशेष जांच दल की पड़ताल के अनुसार गिरोह का कथित सरगना आर. प्रशांत रंजन बाबू विदेशी संपर्कों के माध्यम से प्रसिद्ध दवा कंपनी फाइजर की दवाओं जैसे दिखने वाले लेबल मंगवाता था। इन लेबलों और क्यूआर कोड की नकल तैयार कर नकली दवाओं की शीशियों पर चिपकाई जाती थी। जांच में करीब दस हजार ऐसी शीशियों का पता चलने की बात सामने आई है, जिन पर फाइजर की जाविसेफ्टा और एम्ब्लेकियो जैसी दवाओं के लेबल लगे थे। हालांकि, इन दवाओं की वास्तविक संरचना, गुणवत्ता और संभावित नुकसान का निर्धारण प्रयोगशाला जांच तथा संबंधित अधिकारियों की पुष्टि के बाद ही किया जा सकता है।

इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि गिरोह ने कथित रूप से काम को अलग-अलग हिस्सों में बांट रखा था। सस्ती या सामान्य दवाएं विभिन्न राज्यों से खरीदी जाती थीं। इसके बाद उन्हें शीशियों में भरकर महंगी दवाओं के नकली लेबल लगाए जाते थे। तैयार माल को असली दवाओं की खेप के साथ बाजार में पहुंचाने की कोशिश की जाती थी। इस तरीके से अस्पतालों, दवा विक्रेताओं और मरीजों के लिए असली तथा नकली उत्पादों में अंतर करना कठिन हो सकता है। जब किसी प्रतिष्ठित कंपनी की पैकेजिंग, नाम और क्यूआर कोड की नकल कर ली जाए, तब केवल बाहरी स्वरूप देखकर दवा की प्रामाणिकता पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं रह जाता।

नकली दवाओं का खतरा केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है। मरीज जब किसी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए दवा खरीदता है, तो उसे विश्वास होता है कि निर्धारित औषधि उसके स्वास्थ्य में सुधार करेगी। लेकिन यदि दवा में आवश्यक सक्रिय तत्व मौजूद न हों, उनकी मात्रा गलत हो अथवा उसमें हानिकारक पदार्थ मिले हों, तो उपचार प्रभावित हो सकता है। बीमारी बढ़ सकती है और मरीज को समय पर उचित उपचार नहीं मिल पाने का खतरा भी पैदा हो सकता है। विशेष रूप से गंभीर संक्रमण, कैंसर और अन्य जटिल बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए ऐसी धोखाधड़ी अत्यंत घातक परिणाम उत्पन्न कर सकती है।

इस कारोबार में शामिल लोग यह भूल जाते हैं कि दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। इसका सीधा संबंध मनुष्य के स्वास्थ्य, परिवार की उम्मीदों और जीवन की सुरक्षा से है। किसी मरीज के परिजन कठिन परिस्थितियों में धन जुटाकर महंगी दवाएं खरीदते हैं। यदि उन्हीं दवाओं के नाम पर नकली उत्पाद बेच दिए जाएं, तो यह भरोसे का भी गंभीर उल्लंघन है। कुछ लोगों के आर्थिक लालच के कारण हजारों परिवारों की आशाओं को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे अपराध को केवल अवैध व्यापार मानकर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिक सुरक्षा से जुड़ी बड़ी समस्या के रूप में समझना होगा।

इंटरपोल के स्तर पर नकली दवाओं के विरुद्ध चलाए गए अंतरराष्ट्रीय अभियानों में भी दवाओं के नाम, पैकेजिंग और पहचान चिह्नों की नकल करके आपूर्ति किए जाने का मुद्दा सामने आता रहा है। विभिन्न देशों के बीच फैले नेटवर्क की जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। किसी एक देश में बैठे व्यक्ति द्वारा दूसरे देश से पैकेजिंग मंगवाना, तीसरे क्षेत्र में दवाएं तैयार करना और फिर अलग-अलग बाजारों में उनकी आपूर्ति करना जांच को जटिल बना देता है। इसलिए भारत की जांच एजेंसियों को संबंधित देशों के अधिकारियों, सीमा शुल्क विभाग, औषधि नियामकों और अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग तंत्र के साथ समन्वय बढ़ाना चाहिए। धन के स्रोत, संचार माध्यमों, आपूर्ति शृंखला और अंतिम खरीदारों तक पहुंचने वाले रास्तों की जांच भी जरूरी है।

दवा कंपनियों और नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है। दवाओं की पैकेजिंग पर ऐसे सुरक्षा चिह्न विकसित किए जाने चाहिए, जिनकी नकल करना कठिन हो। क्यूआर कोड की व्यवस्था केवल तभी उपयोगी होगी, जब उससे जुड़ी जानकारी सुरक्षित हो और उसकी सत्यता की जांच विश्वसनीय तरीके से की जा सके। दवा विक्रेताओं तथा अस्पतालों को अधिकृत आपूर्तिकर्ताओं से ही दवाएं खरीदनी चाहिए। संदिग्ध पैकेजिंग, असामान्य मूल्य, बिल की अनुपलब्धता अथवा आपूर्ति के संदिग्ध स्रोत को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। मरीजों को भी बिना चिकित्सकीय सलाह दवा बदलने के बजाय संदिग्ध उत्पाद मिलने पर संबंधित औषधि नियंत्रण अधिकारी को सूचित करना चाहिए।

कानून की कठोरता तभी प्रभावी साबित होगी, जब जांच समयबद्ध हो, सबूत मजबूत हों और दोषियों को सजा दिलाने में अनावश्यक देरी न हो। केवल छोटे विक्रेताओं या निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई करके ऐसे नेटवर्क को समाप्त नहीं किया जा सकता। उन लोगों तक पहुंचना आवश्यक है, जो धन उपलब्ध कराते हैं, विदेशी संपर्कों का संचालन करते हैं, नकली पहचान तैयार करते हैं और बाजार में आपूर्ति की व्यवस्था बनाते हैं। साथ ही निर्दोष व्यापारियों को अनावश्यक परेशान किए बिना वास्तविक दोषियों की पहचान करना भी जरूरी है।

सरकार को औषधि निरीक्षण व्यवस्था मजबूत करने, प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ाने और संदिग्ध दवाओं की त्वरित जांच के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए। अस्पतालों और दवा विक्रेताओं के स्तर पर भी नियमित सत्यापन की व्यवस्था विकसित होनी चाहिए। जब्त की गई दवाओं के नमूनों की जांच में तेजी लाई जाए और जहां सार्वजनिक स्वास्थ्य को तत्काल खतरा हो, वहां लोगों को समय पर आधिकारिक चेतावनी दी जाए। अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े मामलों में विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और राज्य पुलिस के बीच बेहतर तालमेल आवश्यक है।

नकली दवाओं का कारोबार करने वालों को यह स्पष्ट संदेश मिलना चाहिए कि धन कमाने के लिए मानव जीवन को जोखिम में डालना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। व्यापार में लाभ कमाना गलत नहीं, लेकिन जब लाभ का आधार धोखाधड़ी और मरीजों की मजबूरी बन जाए, तब कठोर कार्रवाई अनिवार्य हो जाती है। जीवन बचाने वाली दवाओं की शुद्धता और विश्वसनीयता से समझौता नहीं किया जा सकता। कर्नाटक में सामने आए मामले की निष्पक्ष और गहन जांच के साथ पूरे नेटवर्क को उजागर करना समय की मांग है। सरकार, जांच एजेंसियों, दवा उद्योग और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी मरीज की जिंदगी नकली दवा के कारण खतरे में न पड़े। मानव जीवन से बड़ा कोई मुनाफा नहीं और जनस्वास्थ्य से बड़ा कोई व्यावसायिक हित नहीं हो सकता।

-कांतिलाल मांडोत

पीएफ निकासी पर टीडीएस छूट के लिए अब फॉर्म 121

नई दिल्ली। एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ निकासी पर टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) छूट से जुड़े नियमों में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब टैक्स ईयर 2026-27 से टीडीएस कटौती से बचने के लिए फॉर्म 15जी और फॉर्म 15एच की जगह एक नया फॉर्म 121 इस्तेमाल किया जाएगा। यह कदम कर्मचारियों के लिए टीडीएस छूट का दावा करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा। अभी तक पीएफ निकासी पर टीडीएस से बचने के लिए कर्मचारी फॉर्म 15जी (60 से कम उम्र) या 15एच (वरिष्ठ नागरिक) जमा करते थे, जिसमें वे घोषणा करते थे कि उनकी अनुमानित वार्षिक आय पर कोई कर देनदारी नहीं बनती। लेकिन आयकर अधिनियम 2025 के नए नियमों के तहत, 1 अप्रैल 2026 से लागू टैक्स ईयर 2026-27 से, अब फॉर्म 121 का उपयोग होगा। ध्यान रहे, फॉर्म 121 भरने से पीएफ की रकम स्वत: कर-मुक्त नहीं होगी। यह केवल उन पात्र कर्मचारियों को टीडीएस कटौती न करने का अनुरोध करने की सुविधा देगा, जिनकी अनुमानित कुल आय पर उस वित्त वर्ष में कोई कर देनदारी नहीं बनती। वैध पेन अनिवार्य है, और एनआरआई व कर देनदारी वाले व्यक्ति इस सुविधा के पात्र नहीं होंगे। ईपीएफओ ने क्षेत्रीय कार्यालयों को फॉर्म 121 के लिए यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर जारी करने, साथ ही ऑनलाइन जमा और ई-साइन की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी और आवेदन की स्थिति ट्रैक करना आसान होगा।

8वें वेतन आयोग पर इंतजार लंबा, 2027 तक मिलेगी बढ़ी सैलरी

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग का बेसब्री से इंतजार है, जिससे उनकी बेसिक सैलरी, भत्तों और पेंशन में बदलाव की उम्मीद है। हालांकि, आयोग के गठन और उसकी सिफारिशों को लागू करने की प्रक्रिया में लगने वाले समय के कारण उन्हें बढ़ी हुई सैलरी के लिए अभी लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। मौजूदा अनुमानों के मुताबिक, कर्मचारियों को 2027 की दूसरी छमाही तक नई वेतनमान का लाभ मिल पाएगा। वेतन आयोग का गठन और उसकी सिफारिशों का लागू होना दो अलग-अलग चरण हैं। आयोग पहले कर्मचारियों की मांगों और सुझावों पर गहन विचार-विमर्श करके अपनी रिपोर्ट तैयार करता है। इसके बाद सरकार उस रिपोर्ट की समीक्षा करती है, वित्तीय प्रभावों का आकलन करती है और फिर नए वेतनमान को लागू करने का अंतिम निर्णय लेती है। इस पूरी प्रक्रिया में काफी समय लगता है। जानकारी के अनुसार 8वें केंद्रीय वेतन आयोग का गठन 3 नवंबर तक होने की संभावना है। आयोग को अपनी सिफारिशें तैयार कर सरकार को सौंपने के लिए 18 महीने का समय दिया जाएगा। इस समयसीमा के हिसाब से आयोग की रिपोर्ट मई 2027 तक आने की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई आयोग की अध्यक्षता करेंगी, जिसमें प्रोफेसर पुलक घोष और पंकज जैन सदस्य के रूप में शामिल होंगे। आयोग कर्मचारियों की सैलरी, पेंशन, भत्तों और अन्य सुविधाओं में बदलाव को लेकर सुझाव तैयार करेगा। रिपोर्ट आने के बाद भी सरकार उसे तुरंत लागू करने के लिए बाध्य नहीं है। पहले सिफारिशों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी और सरकारी खजाने पर पड़ने वाले बोझ का आकलन होगा। इसके बाद ही नए वेतनमान और नियमों को मंजूरी मिलेगी और आवश्यक अधिसूचनाएं जारी की जाएंगी। इन सभी औपचारिकताओं के चलते कर्मचारियों को बढ़ी हुई सैलरी के लिए 2027 की दूसरी छमाही तक इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि, आम तौर पर हर 10 साल के अंतराल पर नया वेतन आयोग लागू होता है, और इसी आधार पर 8वें वेतन आयोग की संभावित प्रभावी तिथि 1 जनवरी 2026 मानी जा रही है। यदि वास्तविक भुगतान बाद में होता है, तो कर्मचारियों को इस प्रभावी तिथि से एरियर मिलने की संभावना रहेगी।

देश में आई 547000 टन गैस, यूएई बना भारत का सबसे बड़ा एलपीजी सप्लायर

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत के एलपीजी आयात पैटर्न में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। सितंबर 2026 में, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) अमेरिका को पीछे छोड़कर भारत का सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता बन गया है। यह बदलाव पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और गैस आपूर्ति से जुड़ी वैश्विक चुनौतियों के बीच देखने को मिला है। समुद्री कारोबार से जुड़े आंकड़े जुटाने वाली कंपनी केपलर के डेटा के अनुसार लगातार छह महीने तक भारत का शीर्ष एलपीजी सप्लायर रहने के बाद अमेरिका दूसरे स्थान पर खिसक गया है। यूएई की आपूर्ति में जबरदस्त वृद्धि सितंबर में यूएई से भारत को 5.47 लाख टन एलपीजी प्राप्त हुई, जो अगस्त के 1.93 लाख टन के मुकाबले 182 फीसदी की जबरदस्त वृद्धि दर्शाती है। इसके साथ ही भारत के कुल एलपीजी आयात में यूएई की हिस्सेदारी अगस्त के 13 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 39 फीसदी हो गई है। यह बदलाव भारत के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि एलपीजी का उपयोग घरेलू और वाणिज्यिक दोनों उद्देश्यों के लिए होता है, और देश अपनी जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। अमेरिका की हिस्सेदारी में भारी गिरावट इसके विपरीत, अमेरिका से होने वाली एलपीजी आपूर्ति में तीव्र गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में अमेरिका से भारत को लगभग 3.23 लाख टन एलपीजी मिली, जो अगस्त के 7.64 लाख टन से 58 फीसदी कम है। भारत के कुल एलपीजी आयात में अमेरिकी हिस्सेदारी भी 53 फीसदी से गिरकर 23 फीसदी रह गई है, जिससे वह दूसरे स्थान पर आ गया है। ज्ञात हो कि अमेरिका फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में आपूर्ति संबंधी परेशानियों के बाद भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना था। अब खाड़ी देशों से आपूर्ति में सुधार के साथ यह पैटर्न बदला है। कुल आयात में मामूली कमी, अन्य खाड़ी देशों से भी बढ़ोतरी हालांकि यूएई और अन्य खाड़ी देशों से आपूर्ति बढ़ने के बावजूद, सितंबर में भारत का कुल एलपीजी आयात लगभग 4 फीसदी घटकर 13.9 लाख टन रहा। यूएई के साथ-साथ कुवैत (1.33 लाख टन, 15.6 फीसदी वृद्धि) और कतर (1.15 लाख टन, 76 फीसदी वृद्धि) से भी एलपीजी की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, ईरान से 89,000 टन, जबकि ओमान और कांगो से लगभग 23,000 टन एलपीजी आयात की गई। यह दिखाता है कि भारत अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की दिशा में सक्रिय है।

सेंसेक्स-निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की तेजी रही

मुंबई। एजेंसी। लगातार आठ हफ्तों की गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। निवेशकों को सप्ताह की शुरुआत में जहां कुछ राहत मिली, वहीं मध्य सप्ताह में अचानक आई तेज बिकवाली ने बाजार को झकझोर दिया। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन जोरदार वापसी के साथ बाजार ने सकारात्मक नोट पर समापन किया, जिससे पिछली कुछ हानियों की भरपाई हुई। राहत भरी तेजी सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए आशावादी रही। आठ हफ्तों की लगातार गिरावट के बाद निवेशकों को राहत मिली। सोमवार को प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर कारोबार करते दिखे, जहां सेंसेक्स 355.14 अंक बढ़कर 72,264.84 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 101.00 अंक की बढ़त के साथ 22,522.95 पर बंद हुआ। यह तेजी मंगलवार को भी जारी रही। बैंकिंग और कुछ चुनिंदा शेयरों में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 685.34 अंक की मजबूत बढ़त के साथ 73,067.81 पर और निफ्टी 220.35 अंक उछलकर 22,776.10 पर पहुंच गया। इस शुरुआती उछाल से निवेशकों में सकारात्मक धारणा बनी। हालांकि, सप्ताह के मध्य में बाजार की धारणा तेजी से बदली। बुधवार को दो दिन की राहत रैली पर विराम लग गया।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की आशंका, बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बिकवाली को बढ़ावा दिया। सेंसेक्स 429.11 अंक गिरकर 72,638.70 पर और निफ्टी 173.05 अंक टूटकर 22,603.05 पर समाप्त हुआ।

गुरुवार को स्थिति और बिगड़ गई, जब बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी गई, जो सप्ताह की सबसे बड़ी गिरावट साबित हुई। सेंसेक्स 1,045.46 अंक से अधिक लुढ़ककर 71,593.24 पर और निफ्टी 371.25 अंक टूटकर 22,231.80 पर बंद हुआ। इस एक दिन की भारी गिरावट से निवेशकों को लगभग 11.37 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ। दो दिन की लगातार गिरावट के बाद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार ने एक बार फिर जबरदस्त वापसी करते हुए निवेशकों को बड़ी राहत दी। आईटी शेयरों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को सहारा दिया। सेंसेक्स 879.09 अंक की जोरदार उछाल के साथ 72,472.33 पर और निफ्टी 288.65 अंक बढ़कर 22,520.45 पर बंद हुआ। इस मजबूत वापसी ने सप्ताह के मध्य में हुई अधिकांश हानियों की भरपाई कर दी और बाजार ने सकारात्मक नोट पर सप्ताह का समापन किया।

आरबीआई का नकदी प्रबंधन पर शिकंजा, बैंकों के लिए सीआरआर नियम सख्त

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्तीय प्रणाली से अतिरिक्त नकदी को कम करने और मौद्रिक नीति लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने बैंकों के लिए नकदी आरक्षी अनुपात (सीआरआर) के दैनिक रखरखाव की न्यूनतम आवश्यकता को 90 फीसदी से बढ़ाकर 99 फीसदी कर दिया है, जो 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले पखवाड़े से प्रभावी होगा। सीआरआर वह धनराशि है जो बैंकों को आरबीआई के पास अनिवार्य रूप से नकदी के रूप में रखनी होती है और इस पर उन्हें कोई ब्याज नहीं मिलता। इस बदलाव से बैंकों की दैनिक नकदी जरूरतों का प्रबंधन करने की क्षमता प्रभावित होगी, जिससे वित्तीय बाजार में नकदी की उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। यह कदम हाल ही में नीतिगत रीपो दर में ढाई साल में पहली बार हुई वृद्धि के बाद उठाया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य रीपो दर को ओवरनाइट रेट (डब्ल्यूएसीआर) के साथ संरेखित करना है। आरबीआई ने 13 अक्टूबर को 25,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड की बिक्री (खुला बाजार परिचालन) की भी घोषणा की है, ताकि मौजूदा 3.88 लाख करोड़ रुपये के नकदी अधिशेष को कम किया जा सके। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि भविष्य में केंद्रीय बैंक नकदी प्रबंधन के सही मिश्रण का उपयोग करेगा। हालांकि, बैंक अधिकारियों का मानना है कि इस बदलाव से बैंकों की दैनिक रकम के प्रबंधन की स्वतंत्रता कुछ कम होगी, पर इसका समग्र असर सीमित हो सकता है क्योंकि अधिकांश बैंक पहले से ही 95 फीसदी से अधिक सीआरआर जमा बनाए रखते हैं। जुलाई 2013 में भी ऐसी ही सख्त शर्त लागू हुई थी और सितंबर में भी आरबीआई ने 1 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां बेची थीं।

मेष- आज का दिन आपको याद दिलाएगा कि सफलता की राह में चुनौतियां आना स्वाभाविक है। जिम्मेदारियों का दबाव कुछ ज्यादा महसूस हो सकता है और विरोधी भी आपके काम में अड़चन डालने की कोशिश करेंगे, लेकिन आपकी मेहनत और दूरदर्शिता इन परिस्थितियों को आपके पक्ष में मोड़ सकती है।

वृषभ- आज खुशियां धीरे-धीरे आपके जीवन में दस्तक देती नजर आएंगी। परिवार में किसी शुभ समाचार या नए सदस्य के आगमन से घर का माहौल उत्साह और प्रसन्नता से भर सकता है। समाज में आपके अच्छे कार्यों की सराहना होगी और सम्मान भी बढ़ेगा। अतीत की कोई गलती आज आपको ऐसी सीख दे सकती है, जो आगे काफी काम आएगी। अधूरे काम पूरे करने का उत्साह बना रहेगा।

मिथुन- आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा और अच्छे अवसरों से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और जो लोग करियर में बदलाव के बारे में सोच रहे हैं, उनके सामने नए रास्ते खुल सकते हैं। कोई खोई हुई प्रिय वस्तु वापस मिलने की संभावना भी है। कामकाज की व्यस्तता बनी रहेगी, लेकिन परिवार के साथ बिताए कुछ शांत और खुशनुमा पल आपको भीतर से सुकून देंगे।

कर्क- आज आपकी प्रतिष्ठा और प्रभाव में बढ़ोतरी हो सकती है। आपके विचार और व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेंगे और सामाजिक स्तर पर आपकी पहचान मजबूत होगी। निवेश के मामले में सरकारी योजनाएं लाभकारी साबित हो सकती हैं, लेकिन किसी नई साझेदारी में शामिल होने से पहले उसके सभी पहलुओं को अच्छी तरह जांच लें।

सिंह- आज आपको जीवन के अलग-अलग पहलुओं के बीच संतुलन बनाए रखने का अवसर मिलेगा। मित्रों के साथ हंसी-मजाक और खुशनुमा समय बिताने का मौका मिलेगा तथा स्वादिष्ट भोजन का आनंद भी ले सकते हैं। किसी सामाजिक या राजनीतिक मामले में लंबे समय से अटका विषय आगे बढ़ सकता है। परिवार के साथ किसी शुभ आयोजन में शामिल होकर मन प्रसन्न रहेगा। खर्च कुछ बढ़ सकते हैं, लेकिन इनमें से कई खर्च आपकी पसंद और खुशियों से जुड़े होंगे, इसलिए मन में संतोष भी रहेगा।

कन्या- आज भाग्य का साथ मिलने से कई काम उम्मीद से आसान हो सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही किसी परेशानी के समाप्त होने की दिशा में प्रगति होगी। बस अपने क्रोध और जल्दबाजी पर नियंत्रण रखें और जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करने का प्रयास करें। उन्नति के रास्ते में जो रुकावटें थीं, वे धीरे-धीरे दूर होती दिखाई देंगी। संतान शिक्षा या करियर को लेकर कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मानसिक मजबूती और सुरक्षा का एहसास देगा।

तुला- आज आर्थिक स्थिति को लेकर राहत और सुधार के संकेत हैं। आय के नए रास्ते खुल सकते हैं, जिससे भविष्य को लेकर आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने के अवसर बनेंगे। नए लोगों से हुई मुलाकात आगे चलकर आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

वृश्चिक- आज अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा। जो चिंता काफी समय से आपके मन पर बनी हुई थी, उसका समाधान अब धीरे-धीरे दिखाई देने लगेगा। थोड़ा आत्मचिंतन आपको अपनी स्थिति को बेहतर समझने और सही दिशा चुनने में मदद करेगा। परिवार के साथ किसी कार्यक्रम या मनोरंजक गतिविधि में शामिल होकर अच्छे पल बिताएंगे।

धनु- आज आर्थिक मामलों में थोड़ी अतिरिक्त सावधानी रखना जरूरी है। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन किसी भी जोखिम भरे फैसले में जल्दबाजी न करें। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होने वाली महत्वपूर्ण बातचीत भविष्य में नए अवसरों के रास्ते खोल सकती है। यात्रा के दौरान मिली कोई जानकारी आगे चलकर काफी लाभदायक साबित हो सकती है।

मकर- आज परिवार और करियर दोनों के बीच अच्छा संतुलन बना रहेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने पर मन प्रसन्न हो जाएगा और पुरानी यादें भी ताजा होंगी। लंबे समय से मन में संजोई हुई कोई इच्छा पूरी होने के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है, लेकिन सफलता के लिए पूरी एकाग्रता बनाए रखना जरूरी होगा।

कुंभ- आज आपको अपने खर्चों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अनावश्यक दिखावे या दूसरों को प्रभावित करने के लिए खर्च करने से बचना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। संतान के भविष्य से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय परिवार में लिया जा सकता है। ससुराल पक्ष से आर्थिक सहयोग मिलने के संकेत हैं।

मीन- आज का दिन शुभ समाचारों और सकारात्मक अवसरों के साथ आगे बढ़ सकता है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और आपसी समझ बनी रहेगी। किसी कानूनी मामले में सफलता मिलने के संकेत हैं। नए कामों को लेकर उत्साह बढ़ेगा और परिवार के साथ बिताया समय मन को गहरा सुकून देगा। आर्थिक परेशानियों में भी राहत मिलने की संभावना है। माता-पिता का आशीर्वाद और भाई-बहनों का सहयोग आपके कई रुके हुए कार्यों को पूरा कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

शब्दजाल - 8417

व	श	मु	कि	स्म	त	हो	प	न	र	द
क्त	क्रि	ल	ना	द	म	जा	ऐ	त	रा	ज
य	के	ब	हे	नि	ही	ना	न	व	टि	रु
इं	ट	र	न	शा	वा	रो	क	ले	ज	व
प	दा	सा	अं	ने	तो	हो	थ	गो	भ	त
ब	स	त	प	दा	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	ल्फ	न	न	जी	ज	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	मा	प	क्श	प	क	र	चो	न	ख
र	व	त	स्ट	रा	भी	त	श्मी	अ	शा	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	आ	प	की	खा	ति	र	जा

शब्दजाल में प्रियंका चोपड़ा की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

बल्फमास्टर, वक्त, किस्मत, ऐतराज, द हीरो, आप की खातिर, अंदाज, असंभव, प्लान, बरसात.

शब्दजाल - 8416 का हल

जि	दि	ल	ज	ले	म	ज	ब	न	र	क
दा	स	यू	न	आ	वा	ग्री	द	इ	ह	ल
स	व	दे	पू	ह	जी	ल	न	ग	क	हो
र	ची	न	श	ट	ज	ज्ञा	म	पा	त	न
फ	त	ई	ड	में	व	खें	न	भा	र्क	हो
रो	मे	म	सु	न	गं	पू	न	ई	र	रु
श	ज	ज	मे	ता	क	गा	श	न	ज	री
क	ल	ग	र	सं	ज	ख्मे	र	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	सा	चि	क	री	ह	प	ला
त	रा	जु	न	ज	ह	त्र	व	जी	ता	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ब	र	रा	त	हैं

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7351

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7350

बा	ग	बा	न	■	खु	■	स	ल	मा
गी	■	द	■	आ	शी	र्वा	द	■	लि
■	स	ल	मा	न	■	■	मा	शू	क
खौ	फ	■	या	■	वा	दा	■	ल	■
■	र	न	■	पा	प	■	भू	■	प
का	■	या	दे	■	स	पू	त	■	रा
म	नो	ज	■	जीं	■	र्णि	■	छा	या
चो	■	मा	चि	स	■	मा	ला	■	ध
र	वी	ना	■	■	ब्लै	■	ड़	■	न
■	रू	■	न	म	क	ह	ला	ल	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	कन्या में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	06.27 बजे से
वृश्चिक	08.42 ब.से
धनु	10.58 बजे से
मकर	13.03 बजे से
कुंभ	14.50 बजे से
मीन	16.23 बजे से
मेष	17.53 बजे से
वृष	19.33 बजे से
मिथुन	21.31 बजे से
कर्क	23.45 बजे से
सिंह	02.01 बजे से
कन्या	04.13 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 284 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** प्रतिपदा 21.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 22.33 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 21.06 बजे को समाप्त। **करण** किस्तुघ्न 09.22 बजे तदनन्तर बव 21.32 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 06° 57' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872859 **जूलियन दिन** 2461324.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 29 **विशेष** नवरात्रि प्रारम्भ, घटस्थापना, महाराजा अग्रसेन व नानाजी देशमुख जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: बेकार के हथियार

आचार्य विनोबा भावे अपने ज्ञान और सद्विचारों के कारण समाज के हर वर्ग में लोकप्रिय थे। लोग दूर-दूर से उनसे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आते और संतुष्ट होकर जाते। हर विषय पर विनोबा भावे के विचार इतने सरल और स्पष्ट होते कि वे सुनने वाले के हृदय में सीधे उतर जाते थे। उनके शिष्यों में कई विदेशी भी शामिल थे। एक बार आचार्य विनोबा भावे पदयात्रा करते अजमेर पहुंचे। वहां उन्हें एक अमेरिकी पर्यटक मिला जो उनसे काफी प्रभावित था। उस अमेरिकी ने विनोबा भावे के साथ कुछ दिन बिताए और उनसे कई विषयों पर चर्चा की। विदा लेते वक्त उसने कहा, 'मैंने आपसे और आपके देश से काफी कुछ सीखा और अब मैं अपने मुल्क वापस जा रहा हूं। अपने देशवासियों को मैं आपकी ओर से क्या संदेश दूं, जिससे उन्हें लाभ पहुंचे?' विनोबा जी कुछ क्षण के लिए गंभीर हो गए फिर बोले, 'मैं क्या संदेश दे सकता हूं। मैं तो बहुत छोटा आदमी हूं और आपका देश तो बहुत ही बड़ा है। इतने बड़े देश को कोई कैसे उपदेश दे सकता है?' लेकिन अमेरिकी पर्यटक नहीं माना। जब उसने काफी जिद की तो विनोबा बोले, 'अपने देशवासियों से कहना कि वे अपने कारखानों में साल में तीन सौ पैंसठ दिन काम करके खूब हथियार बनाएं, क्योंकि तुम्हारे आयुध कारखानों और नागरिकों को काम चाहिए। काम नहीं होगा, तो बेरोजगारी फैलेगी। किंतु जितने भी हथियार बनाए जाएं उन्हें तीन सौ पैंसठवें दिन समुद्र में फेंक दिया जाए।' विनोबा जी की बात का मर्म समझकर अमेरिकी पर्यटक का सिर शर्म से झुक गया।

सूडोकु नवताल- 7660

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7659 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 8875

बाएँ से दाएँ

1.जंगल की आग-4
4.अयोग्य,नालायक-4
6.बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8.तैयार होना-3
9.जीभ,जिव्हा-3
11.पाश,फंदा,-2
13.नामकरण करना-2,3
15.मेरा(सं.-2)
16.खाद्य सामग्री-3
18.तहत-3
19.कक्ष,रूम-3
20.भरोसा,विश्वास-4
22.सचेत,होशियार-4

ऊपर से नीचे

1.दागी,धब्बेवाला-4
2.गीलापन,तर होना-2
3.दुनिया,जगत-3
4.अदा,हाव-भाव-5
5.भरा हुआ-4
7.टपकना,गिरना-3
10.नाम रखना-5
12.एकमत-4
14.भक्षक,विनाशकारी-3
17.खारा,क्षारीय-4
18.वन,जंगल-3
21.लाश,मुर्दा,मृतक-4

शब्द पहेली -8874 का हल

क	दा	बा	र	■	स	त	ल	ज
ल	■	य	ती	म	खा	ना	■	हा
प	र	■	■	दा	■	■	बा	ल
ना	च	■	क	री	ब	■	ल	त
■	ना	ब	ना	■	ला	ल	ब	■
आ	का	■	त	ह	त	■	ल	क
रा	र	■	■	सी	■	■	न	या
ध	■	न	बी	न	त	म	■	म
ना	म	ब	र	■	क	रा	मा	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मां लंजकाई मंदिर की जर्जर छत बनी खतरा, नवरात्रि से पहले पुनर्निर्माण पर फैसला अब भी अधूरा

एक माह पहले छत गिरने के बाद हुई बैठक, लेकिन निर्माण की समयबद्ध कार्ययोजना नहीं आई सामने; ट्रस्ट ने पुजारी पक्ष के विवाद को बताया गतिरोध की वजह, प्रशासन से मांगा सहयोग

पद्मेश न्यूज। लांजी। मां के दरबार में मत्था टेकने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को यदि हर कदम पर अनहोनी का अंदेशा बना रहे, तो यह केवल जर्जर भवन का मामला नहीं, बल्कि आस्था के एक प्रमुख केंद्र की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर सवाल है। धर्मनगरी लांजी के वार्ड क्रमांक 8 स्थित मां लंजकाई मंदिर की मौजूदा स्थिति कुछ ऐसी ही चिंता पैदा कर रही है। पिछले माह मंदिर के प्रवेश द्वार के ठीक अंदर छत का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर गया था। गनीमत रही कि उस समय मंदिर बंद था और कोई श्रद्धालु मौजूद नहीं था। घटना के बाद मंदिर के जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण को लेकर बैठक हुई, लेकिन एक माह गुजरने के बाद भी निर्माण कार्य की दिशा में ठोस प्रगति सामने नहीं आई है। अब 11 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि शुरू होने जा रही है। ऐसे में श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही के बीच मंदिर की सुरक्षा और पुनर्निर्माण का मुद्दा फिर चर्चा में है। मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि वह निर्माण के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन पुजारी पक्ष के साथ विवाद के चलते गतिरोध बना हुआ है। ऐसे में सवाल है कि आखिर इस धार्मिक स्थल को सुरक्षित बनाने के लिए निर्णायक पहल कब होगी?

छत गिरने के बाद बैठक, लेकिन फैसलों पर अमल का इंतजार

मां लंजकाई मंदिर लांजी की धार्मिक पहचान और आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर का वर्तमान पक्का भवन करीब 50 वर्ष पुराना बताया जाता है। लंबे समय से भवन की जर्जर स्थिति चिंता का विषय बनी हुई थी, लेकिन पिछले माह छत का हिस्सा गिरने की घटना ने खतरे की गंभीरता उजागर कर दी। घटना के बाद क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे और नगर व्यापारी संघ की पहल पर नए राम मंदिर के सामने बैठक आयोजित की गई थी। उम्मीद थी कि मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर लंबे समय से बनी स्थिति का समाधान निकलेगा और आगे की कार्रवाई के लिए ठोस निर्णय लिए जाएंगे। हालांकि, बैठक के एक माह बाद भी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किन बिंदुओं पर सहमति बनी, निर्णयों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी किसे सौंपी गई और निर्माण कार्य शुरू करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। बैठक के बाद भी यदि स्थिति में बदलाव नहीं आया है, तो अब चर्चा से आगे बढ़कर निर्णयों को जमीन पर उतारने की जरूरत है। संबंधित पक्षों और प्रशासन को निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर कर आगे की कार्ययोजना सार्वजनिक करनी चाहिए।

ट्रस्ट निर्माण के लिए तैयार, पुजारी पक्ष के विवाद को बताया बाधा

मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष हीराचंद आसटकर ने मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर ट्रस्ट का पक्ष स्पष्ट करते हुए कहा कि मां लंजकाई मंदिर किसी व्यक्ति या परिवार विशेष की संपत्ति अथवा निजी आस्था का विषय नहीं, बल्कि पूरे लांजी क्षेत्र की धार्मिक विरासत और सामूहिक विश्वास का केंद्र है। मंदिर का भवन काफी पुराना और जर्जर हो चुका है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसका जीर्णोद्धार करने के बजाय आवश्यकतानुसार पुनर्निर्माण किया जाना जरूरी है। आसटकर के अनुसार, मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए ट्रस्ट लंबे समय से प्रयास कर रहा है, लेकिन पुजारी पक्ष द्वारा मंदिर पर अपना आधिपत्य जताने के कारण विवाद की स्थिति बनी हुई है। इसी विवाद के चलते निर्माण की दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पा रही है। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मंदिर भवन का निरीक्षण कर उसे जर्जर घोषित कर चुकी है। इसके आधार पर पूर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, लांजी द्वारा करीब दो माह पहले ही नगर परिषद को भवन को तोड़ने (डिस्मेंटल) के आदेश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद अब तक आदेश पर अमल नहीं हुआ है। ट्रस्ट अध्यक्ष ने कहा कि नवरात्रि पर्व नजदीक होने के कारण श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर विशेष चिंता है। ट्रस्ट की ओर से आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं और इस संबंध में नगर प्रशासन से सहयोग भी मांगा गया है। उनका कहना है कि मंदिर के पुनर्निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए संबंधित पक्षों और प्रशासन को मिलकर समाधान निकालना चाहिए, ताकि मंदिर को सुरक्षित स्वरूप दिया जा सके। ट्रस्ट के इस पक्ष के बाद अब यह सवाल भी महत्वपूर्ण हो गया है कि जब भवन को तोड़ने के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं, तो उन पर अब तक अमल क्यों नहीं हुआ? वहीं, पुजारी पक्ष और ट्रस्ट के बीच विवाद को सुलझाने के लिए प्रशासन ने क्या पहल की है, इसकी स्थिति भी स्पष्ट होना जरूरी है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़े इस मामले में विवाद का समाधान और आदेशों का पालन अब प्राथमिकता होनी चाहिए।

नवरात्रि में बढ़ेगी भीड़, केवल सूचना बोर्ड लगाना पर्याप्त नहीं

शारदीय नवरात्रि के दौरान मां लंजकाई मंदिर में लांजी नगर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में जर्जर भवन की स्थिति को नजरअंदाज करना जोखिम भरा हो सकता है। प्रशासन की ओर से मंदिर के सामने सूचना बोर्ड लगाया गया है, जिसमें छत कमजोर होने की जानकारी देते हुए श्रद्धालुओं से बाहर से ही पूजा-पाठ करने की अपील की गई है। यह बोर्ड अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, लांजी के आदेशानुसार लगाया गया है। लेकिन केवल चेतावनी लिख देना पर्याप्त नहीं है। मंदिर के कमजोर हिस्से में प्रवेश रोकने, श्रद्धालुओं की आवाजाही नियंत्रित करने और भीड़ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यावहारिक इंतजाम जरूरी हैं। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि नवरात्रि के दौरान कोई भी श्रद्धालु अनजाने में खतरे वाले हिस्से तक न पहुंचे। साथ ही, मंदिर परिसर में सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी भी की जानी चाहिए।

विधायक की पहल और प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी निगाहें

छत गिरने की घटना के बाद आयोजित बैठक में विधायक राजकुमार कर्राहे की भूमिका महत्वपूर्ण रही थी। ऐसे में अब उनसे अपेक्षा है कि वे बैठक में लिए गए निर्णयों और निर्माण में आ रही बाधाओं की समीक्षा कराएं। यदि ट्रस्ट और पुजारी पक्ष के बीच विवाद पुनर्निर्माण में बाधा बन रहा है, तो संबंधित पक्षों के बीच समन्वय स्थापित कर समाधान की दिशा में पहल की जानी चाहिए। नगर परिषद को भी स्पष्ट करना होगा कि भवन को तोड़ने के आदेश के बावजूद अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। क्या किसी प्रशासनिक प्रक्रिया के पूरा होने का इंतजार है या विवाद के कारण मामला अटका हुआ है? इसकी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। मंदिर की सुरक्षा और पुनर्निर्माण को लेकर जिम्मेदार पक्षों की भूमिका स्पष्ट होने के साथ ही समयबद्ध कार्ययोजना सामने आना जरूरी है।

एसडीएम बोले-सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश

आदित्य नारायण तिवारी, एसडीएम लांजी ने कहा कि उन्हें मंदिर की स्थिति की जानकारी है। इस संबंध में नगर परिषद और मंदिर ट्रस्टियों से चर्चा की गई है। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे, इसके लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

अग्रवाल समाज द्वारा आज मनाई जाएगी महाराजा अग्रसेन जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर 11 अक्टूबर 2026, रविवार को लांजी के वार्ड क्रमांक 8 स्थित अग्रसेन भवन में अग्रवाल समाज

द्वारा जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। मां लंजकाई मंदिर के समीप स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित यह कार्यक्रम शाम 4 बजे से प्रारंभ होकर देर रात तक चलेगा। आयोजन के दौरान समाज के 75 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं, कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाएगा। समाज द्वारा इस आयोजन को लेकर तैयारियां की गई हैं। समारोह में कुछ दिनों पूर्व अग्रवाल समाज की महिलाओं एवं बच्चों के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य समाज के वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना तथा महिलाओं एवं बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान महाराजा अग्रसेन के आदर्शों, सामाजिक एकता और सेवा भावना को स्मरण किया जाएगा। आयोजन के समापन अवसर पर महाराजा अग्रसेन की आरती तथा मां लक्ष्मीजी की आरती एवं पूजन किया जाएगा। इसके साथ ही समाज के बंधु सामूहिक रूप से धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में सहभागिता निभाएंगे। महाराजा अग्रसेन को समाजवाद, समानता, सहयोग और जनकल्याण की भावना से जुड़े आदर्शों के लिए स्मरण किया जाता है। उनकी जयंती समाज के लोगों को आपसी एकता मजबूत करने और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक रहने का संदेश देती है। अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित इस समारोह में वरिष्ठजनों का सम्मान, मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन और प्रतियोगिताओं के विजेताओं का अभिनंदन आयोजन के प्रमुख आकर्षण रहेंगे। समाज के सदस्यों से समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपेक्षा की गई है।

आज से शक्ति की भक्ति का पर्व शारदेय नवरात्र, चौक-चौराहों पर सजा मां दुर्गा का दरबार

नौ दिनों तक गूंजेंगे जस और देवी गीत, मंदिरों में ज्योति कलश तो घरों में बोए जाएंगे जवारे

पद्मेश न्यूज। लांजी। आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना का महापर्व शारदेय नवरात्र आज 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। इसके साथ ही नगर सहित पूरे क्षेत्र में नौ दिनों तक भक्ति, आस्था और उत्साह का माहौल रहेगा। देवी मंदिरों में घट स्थापना और ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाएंगे, वहीं घरों में जवारे बोकर श्रद्धालु विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करेंगे। दूसरी ओर, सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियां चौक-चौराहों पर पंडालों को अंतिम रूप देने में जुटी हैं। आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी से नगर को सजाया जा रहा है। नवरात्र को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। नगर के प्रमुख स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समितियों द्वारा प्रतिमाओं को धूमधाम से बाजे-गाजे के साथ पंडालों में पहुंचाया जा रहा हैं। बस स्टैंड स्थित सुभाष चौक में सद्भावना मित्र मंडल, गुजरी चौक में सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति और पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास सादर मित्र मंडल द्वारा प्रतिमा स्थापना की तैयारियां की जा रही हैं। इसके अलावा रेस्टहाउस मजार के समीप, मनेरी फाटक और सुंदरटोला में भी सार्वजनिक दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी।

मंदिरों में ज्योति कलश, घरों में होगी आराधना

नवरात्र के पहले दिन देवी मंदिरों और घरों में शुभ मुहूर्त में घट स्थापना के साथ पूजा-अर्चना शुरू होगी। मां लंजकाई मंदिर, मां काली मंदिर, मां बंबलाई दरबार गुजरी चौक, गायत्री मंदिर, शीतला माता मंदिर, त्रिशक्ति दुर्गा मंदिर मरार मोहल्ला, दुर्गा मंदिर निमटोला, माता मंदिर निमटोला और दुर्गा मंदिर बिसोनी सहित क्षेत्र के प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालु मनोकामना ज्योति कलश स्थापित करेंगे। घरों में भी जवारे बोए जाएंगे और नौ दिनों तक दुर्गा सप्तशती पाठ, आरती तथा भजन-कीर्तन के माध्यम से मां की आराधना की जाएगी।

मां लंजकाई मंदिर में विशेष आयोजन

नगर के प्रसिद्ध मां लंजकाई मंदिर में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार नवरात्र पर विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिर ट्रस्ट समिति अध्यक्ष हीराचंद आसटकर के अनुसार, 11 अक्टूबर की संध्याकाल में ज्योति कलश स्थापना की जाएगी। 18 अक्टूबर को अष्टमी हवन होगा। 19 अक्टूबर की शाम ज्योति कलशों की शोभायात्रा निकालकर उनका विसर्जन किया जाएगा। इसके बाद 20 अक्टूबर को विजयादशमी पर्व मनाया जाएगा।

ग्रामीण अंचलों में भी गूंजेंगे देवी गीत

नवरात्र का उत्साह केवल नगर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्रामीण अंचलों में भी धार्मिक आयोजनों की धूम रहेगी। गांवों में जस, देवी गीत, भजन और कीर्तन के आयोजन होंगे। सार्वजनिक समितियों ने पंडालों में पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू कर दी हैं। नौ दिनों तक श्रद्धालु उपवास रखकर मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा करेंगे। नवरात्र के साथ ही नगर और गांवों में धार्मिक गतिविधियां तेज होंगी तथा पूरा क्षेत्र माता रानी की भक्ति में सराबोर नजर आएगा।

लांजी की दिव्या और वर्षा का राज्य स्तरीय वॉलीबॉल के लिए चयन, विदिशा में दिखाएंगे खेल प्रतिभा

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रतिभा हमेशा अवसर की तलाश में रहती है और सही तलाश ही और बड़े मंच तक पहुंचा सकती है। लांजी की प्रतिभाएं अब खेल के मैदान में भी लगातार अपनी और पहचान बना रही हैं। शिक्षा, कला अन्य क्षेत्रों के साथ खेल जगत में भी क्षेत्र के युवा अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर जिले से लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी के दो खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चयनित होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। स्कूल शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के तहत आयोजित 14वर्ष आयु वर्ग की संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं जबलपुर में आयोजित हुई थीं। इन प्रतियोगिताओं में भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी के खिलाड़ियों ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बालिका वर्ग में दिव्या गिरीश घोंगड़े तथा वर्षा का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। दिशा और वर्षा उमेश परते का चयन इसी प्रतिभा, मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। अब दोनों खिलाड़ियों से मुरैना में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है, जहां वे जबलपुर संभाग की ओर से मैदान में उतरेंगे।

मुरैना में दिखाएंगे खेल का हुनर

आगामी 6 से 10 अक्टूबर के बीच विदिशा में जूनियर वर्ग की राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें दिशा घोंगड़े और वर्षा परते जबलपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपने खेल का प्रदर्शन करते हुए लांजी और जिले का नाम रोशन करने के लिए मैदान में उतरेंगे। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से यह भी स्पष्ट हुआ है कि छोटे शहर और ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराने की है। नियमित अभ्यास और अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहे लांजी के खिलाड़ी अब लगातार बड़े मंचों तक पहुंच रहे हैं।

नियमित प्रशिक्षण से तैयार हो रहे खिलाड़ी

भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी में पांच खेलों में करीब 105 खिलाड़ी नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। विकासखंड समन्वयक प्रज्ञात वासनिक के मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षक भगवंती खान और वरिष्ठ खिलाड़ियों के सहयोग से यहां खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त खिलाड़ी प्रतिवर्ष राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर लांजी और बालाघाट जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। लांजी जैसे क्षेत्र से खेलों में लगातार उभर रही प्रतिभाएं आने वाली पीढ़ी के लिए भी प्रेरणा का काम कर रही हैं। दिशा और पीयूष का राज्य स्तरीय चयन उन बच्चों के लिए उत्साह बढ़ाने वाला है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सपना देख रहे है।

अकादमी में खुशी का माहौल

दिव्या गिरीश घोंगड़े एवं वर्षा उमेश परते के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर अकादमी से जुड़े राकेश मर्सकोले, नवीन रामटेक्कर, महेंद्र खोब्रागड़े, साहिल पांडे, वरुण बड़मे, यस वानखेड़े, विनोद चौधरी, विनय सातपुते, बृहस्पति, नवीन मात्रे, खुशहाल खानोरकर सहित सभी वरिष्ठ एवं जूनियर खिलाड़ियों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की।

'सेवा मेरा योगदान' अभियान के तहत छात्राओं को पानी की बोतलें वितरित

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के तत्वावधान में 2 अक्टूबर से प्रारंभ 'सेवा मेरा योगदान' सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय कन्या शाला लांजी में छात्राओं को पानी की बोतलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा भावना, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेककर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही साकार किया जा सकता है। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह हम अपने घर को स्वच्छ रखते हैं, उसी तरह अपने मोहल्ले और आसपास के वातावरण को भी साफ-सुथरा रखना चाहिए। पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की मदद करने की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे ने अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने अभियान के उद्देश्यों और समाज में सेवा, सहयोग तथा जनभागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रमेश असाटकर ने 'देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें' प्रेरणादायक गीत

प्रस्तुत कर उपस्थित विद्यार्थियों और अतिथियों में सेवा एवं राष्ट्रहित की भावना जागृत की। कार्यक्रम में शाला के शिक्षक बलीराम वाकड़े, बीएल भोंडेकर, सुरेश सोनवाने, चौकेश लिल्हारे, विजय हटिले एवं अशोक घरते सहित परामर्शदाता कैलाश ब्रह्मपुरे, दुष्यंत नगपुरे, आईईसी एक्जीक्यूटिव दिव्यांश सोनी तथा सीएमसीएलडीपी की छात्राएं सतवंती मुरकुटे, अंतिमा चौरे, साधना खरे और मेघा बागड़े उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं सहित अन्य विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की।

अल नीनो के चलते जलसंकट की आशंका

पीने के पानी को सर्वोच्च प्राथमिकता - नवेगांवबांध जलाशय में 14 प्रश. पानी रहेगा आरक्षित

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। अल नीनो और संभावित कम बारिश के मद्देनजर आगामी गर्मी में जलसंकट की आशंका जताई जा रही है. इसे देखते हुए जलसंपदा विभाग ने राज्य में उपलब्ध जलसाठे का 31 अगस्त 2027 तक नियोजन करने के निर्देश दिए हैं. पेयजल को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सिंचाई और औद्योगिक उपयोग के लिए पानी का सावधानीपूर्वक नियोजन किया जाएगा.

जलसंपदा विभाग के 5 अक्टूबर 2026 के शासन निर्णय के अनुसार, प्रमुख बांधों, जलाशयों, तालाबों और अन्य जलस्त्रोतों में उपलब्ध पानी की समीक्षा कर उपयोग की योजना बनाई जाएगी. नवेगांवबांध जलाशय में अब तक कुल जलसाठे का 4 प्रश. पानी पीने के लिए आरक्षित रखा जाता था. इस वर्ष इसे बढ़ाकर 14 प्रतिशत किए जाने की जानकारी है. संभावित जलसंकट को देखते हुए किसानों से रबी मौसम में कम पानी की जरूरत वाली फसलें लेने की

अपील की गई है. हरभरा, मूंग, उड़द जैसी दलहनी फसलों के साथ पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराने वाली फसलों को प्राथमिकता देने का सुझाव जलसंपदा विभाग के उपविभागीय अधिकारी समीर बनसोडे ने दिया है.

अवैध जल उपसा करने वालों पर होगी कार्रवाई

जलस्त्रोतों से अनधिकृत तरीके से पानी उठाने पर रोक लगाने के लिए बांधों, नहरों, नदियों और तालाबों के आसपास नियमित निरीक्षण और गश्त की जाएगी. अवैध मोटर, पंप और पाइपलाइन पाए जाने पर उन्हें जब्त कर संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी. विभाग ने किसानों, नागरिकों और उद्योगों से पानी का उपयोग जरूरत के अनुसार और किफायत से करने की अपील की है, ताकि आगामी गर्मी में पेयजल की कमी से निपटने के लिए पर्याप्त जलसाठा सुरक्षित रखा जा सके.

समीर बनसोडे, उपविभागीय अधिकारी, जलसंपदा विभाग, नवेगांवबांध

वडेगांव जंगल में बाघ की दस्तक

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। देवरी वन विभाग के अंतर्गत वडेगांव जंगल परिसर में बाघ की मौजूदगी की पुष्टि हुई है. जंगल में लगाए गए कैमरे में 10 अक्टूबर को बाघ की तस्वीर कैद होने के बाद वन विभाग ने इसकी पुष्टि की. इससे पहले 8 अक्टूबर को इसी जंगल के कक्ष क्रमांक 581 में एक गाय पर हिंसक वन्यजीव ने हमला कर उसे मार डाला था. उस समय हमला बाघ ने किया या तेंदुए ने, इसे लेकर संभ्रम बना हुआ था.

जानकारी के अनुसार, वडेगांव निवासी पशुपालक धनीराम लखु गाते अपनी गायों और बकरियों को चराने जंगल में गए थे. इसी दौरान उनकी एक गाय पर वन्यजीव ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. घटना के बाद वन विभाग के कर्मचारियों ने घटनास्थल के आसपास कैमरे लगाकर वन्यजीव की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की.

शुरुआत में कैमरे में कोई ठोस सुराग नहीं मिला, लेकिन 10 अक्टूबर को बाघ की तस्वीर सामने आने से उसकी मौजूदगी स्पष्ट हो गई.

पशुपालकों व नागरिकों से सतर्क रहने की अपील

जंगल में बाघ की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग ने क्षेत्र के पशुपालकों और नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील की है. मवेशियों को चराने जंगल में ले जाते समय विशेष सतर्कता रखें और अकेले जंगल में जाने से बचें. वन्यजीव दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें. बाघ के पास जाने, उसका पीछा करने या उसे परेशान करने से बचने की भी अपील की गई है.

मेंढीपुर में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ ग्रामीण आक्रामक

सरपंच धर्मेंद्र चौधरी के नेतृत्व में तिरोड़ा पुलिस को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा तहसील के मेंढीपुर और हिवरटोला में खुलेआम चल रही अवैध शराब बिक्री से ग्रामीण परेशान हैं. इस कारोबार पर रोक लगाने की मांग को लेकर मेंढीपुर के सरपंच धर्मेंद्र चौधरी के नेतृत्व में अवैध शराबबंदी समिति ने तिरोड़ा पुलिस थाने पहुंचकर ज्ञापन सौंपा.

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में कई स्थानों पर अवैध रूप से शराब बेची जा रही है, जिससे युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आ रही है. बार-बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से नाराज महिला बचत समूहों की महिलाओं और ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की. ज्ञापन के माध्यम से अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ तत्काल मामले दर्ज कर कार्रवाई करने तथा समिति के सदस्यों को विक्रेताओं की ओर से मिल रही कथित धमकियों से सुरक्षा प्रदान करने की मांग की गई. इस अवसर पर पुलिस पाटिल इंदिरा चौधरी, पांडू रीनाईत, कुकूभाऊ उके, राजकुमार रहांगडाले सहित महिला

बचत समूहों की सदस्याएं और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

आरोपी की जमानत पर 21 अक्टूबर को सुनवाई

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। भारतरत्न डा. बाबासाहब आंबेडकर के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाने के मामले में आरोपी गौरेश यशवंत बावनकर की मुश्किलें बढ़ गई हैं. गोंदिया जिला व सत्र न्यायालय से दो बार जमानत अर्जी खारिज होने के बाद अब मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ में उसकी जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 21 अक्टूबर 2026 को होगी. इस मामले को राजनीतिक रंग भी मिल गया है. आरोपी के भाजपा में जिला सचिव पद पर रहने और एक विधायक से करीबी संबंध होने की चर्चा है. मामले की जानकारी मिलने के बाद भाजपा की महिला जिलाध्यक्ष सीता रहांगडाले ने बावनकर को पार्टी पद से निलंबित कर दिया था.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, डुग्गीपार पुलिस की जांच में दिनेश ब्राह्मणकर के नाम से बनाई गई कथित फर्जी सोशल मीडिया आईडी के पीछे गौरेश बावनकर का नाम सामने आया. इसके बाद 8 मई 2026 को शिकायत आवेदन क्र. 232/2026 के आधार पर मामला दर्ज किया गया. आरोपी ने 15 मई को गोंदिया सत्र न्यायालय में जमानत के लिए आवेदन किया था, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया. इसके बाद 4 जून को उसने नागपुर खंडपीठ का रुख किया. 10 जून को सुनवाई के बाद मामला फिर गोंदिया जिला व सत्र न्यायालय में पहुंचा. वहां 3 अगस्त को हुई सुनवाई में भी जमानत आवेदन खारिज कर दिया गया. इसके बाद आरोपी ने दोबारा नागपुर खंडपीठ में जमानत याचिका दायर की. शिकायतकर्ता रोशन बडोले के अनुसार, 6 अक्टूबर को इस याचिका पर सुनवाई हुई, लेकिन अंतिम निर्णय नहीं हो सका. अब अगली सुनवाई 21 अक्टूबर को निर्धारित है. आरोपी की ओर से एड. मिश्रा व शिकायतकर्ता की ओर से एड. कबीर खोब्रागड़े पैरवी कर रहे हैं.

मामला वापस लेने के लिए दबाव

शिकायतकर्ता रोशन बडोले ने आरोप लगाया है कि मामला दर्ज होने से पहले कुछ राजनीतिक नेताओं ने उन पर दबाव बनाया था. उनका दावा है कि अब भी प्रकरण

को खत्म करने के लिए दबाव डाला जा रहा है. बडोले ने कहा कि इस मामले में आरोपी का साथ देने वाले नेताओं के नाम भी सामने लाए जाएंगे. मामले में जमानत याचिका पर न्यायालय का अगला फैसला महत्वपूर्ण रहेगा.

60 साल बाद भी पुनर्वसनधारकों को पट्टों का इंतजार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। देवरी तहसील के ग्राम पंचायत देवाटोला के अंतर्गत सोनारटोला में पुनर्वसित परिवारों को 60 से 65 वर्ष बीतने के बाद भी घर की जमीन के आधिकारिक पट्टे नहीं मिले हैं. इस समस्या को लेकर आयोजित ग्रामसभा में सभी पात्र पुनर्वसनधारकों को व्यक्तिगत पट्टे देने की मांग की गई. इस संबंध में प्रस्ताव पारित कर उपविभागीय अधिकारी के माध्यम से शासन को भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार, सोनारटोला के निवासी पहले घाटटोला और कडोतीटोला क्षेत्र में रहते थे. पुजारीटोला/कोटराबांध के निर्माण के कारण इन गांवों का विस्थापन हुआ था. इसके बाद शासन की पुनर्वसन प्रक्रिया के तहत परिवारों को आमगांव-देवरी मार्ग के पास पाउडदौना क्षेत्र में सोनारटोला में बसाया गया. ग्रामस्थों के अनुसार, कई पीढ़ियों से यहां रहने के बावजूद परिवारों को घर की जमीन के व्यक्तिगत पट्टे नहीं मिले हैं. इससे उन्हें जमीन के स्वामित्व और विभिन्न प्रशासनिक कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामसभा में मांग की गई कि सभी पात्र पुनर्वसनधारकों को जल्द से जल्द घरजमीन के पट्टे दिए जाएं. इस दौरान आदिवासी सेल के अध्यक्ष राजकुमार पुराम, पूर्व सभापति सुनंदा बहेकार, पूर्व सदस्य जगतकुमार नेताम, युवक कांग्रेस के सतीश फुंडे सहित अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामस्थ उपस्थित थे।

169 विद्यार्थियों के लिए सिर्फ 6 शिक्षक

राका स्कूल में शिक्षकों की कमी - प्रधानाध्यापक का पद रिक्त, प्रभारी पर दोहरी जिम्मेदारी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के राका स्थित जिला परिषद स्कूल में शिक्षकों की कमी से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है. स्कूल में 169 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन अध्यापन की जिम्मेदारी केवल छह शिक्षकों पर है. वहीं, एक शिक्षक पद के साथ प्रधानाध्यापक का पद भी रिक्त होने से शैक्षणिक और प्रशासनिक कामकाज का अतिरिक्त भार बढ़ गया है.

स्कूल के एक शिक्षक को प्रभारी प्रधानाध्यापक की जिम्मेदारी सौंपी गई है. ऐसे में उन्हें अध्यापन के साथ प्रशासनिक कार्य भी संभालने पड़ रहे हैं. पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध कराना विद्यार्थियों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए आवश्यक है. इसके बावजूद पद रिक्त रहने से स्कूल के कामकाज पर दबाव बढ़ रहा है. ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों

को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के समान अवसर मिलना जरूरी है. लेकिन शिक्षकों की कमी से अध्यापन का नियोजन और विद्यार्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान देने में दिक्कतें आ सकती हैं. ऐसे में स्कूल की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है. 169 विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों को ध्यान में रखते हुए संबंधित शिक्षा अधिकारियों से स्कूल की स्थिति का निरीक्षण कर रिक्त पदों को जल्द भरने की मांग की जा रही है. अब शिक्षा विभाग इस मामले में क्या कदम उठाता है, इस पर अभिभावकों और ग्रामीणों की नजरें टिकी हैं.

रिक्त पद कब भरेगा शिक्षा विभाग?

राका जिला परिषद स्कूल में शिक्षक और प्रधानाध्यापक के रिक्त पद कब भरे जाएंगे? विद्यार्थियों की शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप पर्याप्त शिक्षक कब उपलब्ध होंगे? प्रभारी प्रधानाध्यापक पर बढ़े अतिरिक्त कार्यभार को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे? ऐसे सवाल उठ रहे हैं।

तिरोड़ा में गंदगी का अंबार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। कभी स्वच्छ और सुंदर शहर के रूप में पहचान रखने वाले तिरोड़ा में इन दिनों गंदगी और अव्यवस्थाओं से नागरिक परेशान हैं. शहर के विभिन्न वार्डों में नालियां जाम हैं, सड़कें गड्ढों से भरी हैं और मुख्य बाजार में कचरे के ढेर लगे हैं. सब्जी बाजार में सूअरों के खुलेआम घूमने से भी नागरिकों, किसानों और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. नगर परिषद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं.

नागरिकों के अनुसार, शहर की मुख्य और आंतरिक नालियों की पिछले छह महीने से सफाई नहीं हुई है. प्लास्टिक, कचरे और गाद से नालियां जाम होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है. दुर्गंध और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है. शहर की मुख्य और आंतरिक सड़कों का निर्माण कई महीनों से अधूरा पड़ा है. नागरिकों का आरोप है कि निधि मंजूर होने के बावजूद ठेकेदार ने काम पूरा नहीं किया. सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे होने और उनमें पानी भरने से वाहन चालकों, व्यापारियों तथा स्कूली विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है। दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है. मुख्य बाजार, बस स्टैंड और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा जमा होने से अस्वच्छता बढ़ रही है. व्यापारियों का आरोप है कि कचरा उठाने वाली घंटागाडियां समय पर नहीं पहुंचतीं और शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा है. सब्जी बाजार में सूअरों के खुलेआम घूमने से किसानों और सब्जी विक्रेताओं को नुकसान उठाना पड़ रहा है. आरोप है कि सूअरों के झुंड सब्जियों को नुकसान पहुंचाते हैं. इससे कारोबार प्रभावित होने के साथ ही परिसर में गंदगी और बीमारी फैलने का खतरा भी बना हुआ है. वार्ड क्र. 5, 7 और 12 के कुछ नागरिकों ने नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों पर घरों से कचरा उठाने के बदले 100 से 200 रु. मांगने का आरोप लगाया है. नागरिकों का कहना है कि पैसे नहीं देने पर कचरा नहीं उठाया जाता और कुछ मामलों में घर के सामने ही कचरा छोड़ दिया जाता है. इस शिकायत से नागरिकों में नाराजगी है. नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाए तो तीव्र आंदोलन किया जाएगा.नागरिकों ने इन समस्याओं को लेकर नगर परिषद के कुछ पार्षदों से शिकायत की. इसके बाद पार्षदों ने मुख्याधिकारी अमोल मालवणकर के समक्ष मामला उठाया. इस संबंध में मुख्याधिकारी मालवणकर ने कहा कि शहर की सफाई, नालियों की सफाई, सड़क निर्माण और सब्जी बाजार में सूअरों की समस्या गंभीर है. सफाई कर्मचारियों द्वारा पैसे मांगने की शिकायत भी मिली है. इन मामलों की गहन जांच कर दोषी कर्मचारियों और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने अगले आठ दिनों में शहर की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया.

रात के अंधेरे में अवैध रेत परिवहन, ट्रैक्टर जब्त

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा तहसीलदार के गश्ती दल ने अवैध रेत परिवहन के मामले में कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है. यह कार्रवाई बोदा-सेजगांव मार्ग पर की गई. किडंगीपार निवासी ट्रैक्टर चालक रितिक महादेव सादेपाच को हिरासत में लिया गया.

जानकारी के अनुसार, तहसीलदार एन. एम. ठाकरे, मंडल अधिकारी स्मिता बोबडे, पटवारी भोलिराम पारधी, सचिन राऊत और राजस्व सेवक संजय पटले गोंडमोहाड़ी परिसर में गश्त कर रहे थे. इसी दौरान उन्हें ट्रैक्टर क्र. एमएच 35 - एआर 6594 और ट्रॉली क्र. एमएच 35 - एफ 4333 में रेत भरकर ले जाते हुए दिखाई दी. दल ने ट्रैक्टर रोककर चालक से रेत उत्खनन और परिवहन संबंधी अनुमति के दस्तावेज मांगे. चालक ने कोई वैध परमिट नहीं होने की बात स्वीकार की. इसके बाद पंचनामा कर ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई और उसे तिरोड़ा तहसील कार्यालय में जमा कराया गया. आगे की कार्रवाई के लिए मामला उपविभागीय अधिकारी के पास भेजा गया है.

अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। ग्रामीण थाने के तहत तांडा के लाडो धाबे के आगे अज्ञात वाहन ने दागोटोला निवासी रुपचंद फत्तुजी गजबे (43) की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें उसकी मौत हो गई. फिर्यादी आशिष घुमराज येसनसुरे (23) की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक अंकीत सोनवाने कर रहे हैं.

रायगढ़-गोंदिया-रायगढ़ जन शताब्दी एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त सेकेंड सीटिंग कोच की सुविधा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु गाड़ी संख्या 12069/12070 रायगढ़-गोंदिया-रायगढ़ जन शताब्दी एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त सेकेंड सीटिंग कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है।

इस व्यवस्था के तहत गोंदिया से चलने वाली गाड़ी संख्या 12070 गोंदिया-रायगढ़ जन शताब्दी एक्सप्रेस में दिनांक 13 अक्टूबर से 30 नवम्बर 2026 तक तथा रायगढ़ से चलने वाली गाड़ी संख्या 12069 रायगढ़-गोंदिया जनशताब्दी एक्सप्रेस में दिनांक 14 अक्टूबर से 01 दिसम्बर 2026 तक एक अतिरिक्त सेकेंड सीटिंग कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा की उपलब्धता से इस गा ?ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

सुपारी के डीएनए से खुला 81 वर्षीय महिला की हत्या का राज

आभूषण लूटने के लिए हत्या - कर्ज में डूबा गांव का ही व्यक्ति गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के पलसगांव/राका में 81 वर्षीय वृद्धा की हत्या कर सोने के आभूषण लूटने के मामले में डुग्गीपार पुलिस और स्थानीय अपराध शाखा ने गांव के ही एक 42 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. उल्लेखनीय है कि, घटनास्थल पर मिले चबाई हुई सुपारी के अवशेषों के डीएनए मिलान से आरोपी तक पहुंचने में मदद मिली. आरोपी का नाम पलगांव निवासी विलास किशन मेश्राम (42) बताया गया है.

जानकारी के अनुसार, 2 सितंबर 2026 की रात कुसुमबाई चैतराम कापगते घर में अकेली थीं. इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने घर में प्रवेश कर उसकी हत्या कर दी और उसके शरीर पर मौजूद दो सोने की चूड़ियां, एक अंगूठी तथा सोने के मणियों वाली काली पोत ऐसा कुल 1 लाख 32 हजार रु. के आभूषण लेकर फरार हो गया. शिकायत के आधार पर डुग्गीपार थाने में मामला दर्ज किया गया. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने घटनास्थल का दौरा कर जांच की निगरानी की. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, गवाहों, फिंगरप्रिंट, डॉग स्क्वॉड और मोबाइल डेटा सहित विभिन्न पहलुओं की जांच की. घटनास्थल पर मिले चबाई हुई सुपारी के अवशेषों को डीएनए जांच के लिए नागपुर की न्यायवैज्ञानिक प्रयोगशाला भेजा गया. जांच में चार संदिग्धों के नमूने भी लिए गए, जिनमें से आरोपी विलास मेश्राम का डीएनए सुपारी के नमूने से मेल खा गया. आरोपी के आर्थिक संकट और घटना के बाद सड़क अर्जुनी, सौंदड़ तथा भंडारा जिले के लाखनी के सराफा कारोबारियों से संपर्क करने की जानकारी भी सामने आई. पुलिस के अनुसार, 9 अक्टूबर को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने सोने के गहनों के लिए हत्या और लूट करने की बात स्वीकार की. उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. चोरी गए आभूषणों की बरामदगी की कार्रवाई जारी है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के निर्देशों पर स्थानीय अपराध शाखा के निरीक्षक रेवचंद सिंगनजुडे तथा डुग्गीपार थाने के पुलिस निरीक्षक कमलेश सोनटक्के व उनकी टीम ने की।

टी20 क्रिकेट : जब 250 से अधिक का लक्ष्य भी नहीं रहा सुरक्षित, ऐतिहासिक रन चेज की दास्तान

नई दिल्ली। टी20 क्रिकेट अब एक ऐसा प्रारूप बन गया है, जहाँ कोई भी विशाल लक्ष्य सुरक्षित नहीं बचा है। बल्लेबाजों की आक्रामकता और निडरता ने खेल को नई ऊंचाइयों पर पहुँचा दिया है, जहाँ 250 से अधिक का स्कोर भी अब आसानी से हासिल किया जा सकता है। दुनिया भर की टीमों ने असंभव दिखने वाले ऐसे लक्ष्यों का सफलतापूर्वक पीछा कर क्रिकेट जगत में नया इतिहास रचा है, जिससे गेंदबाजों के लिए हर मैच में नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजों ने किस हद तक खेल का रुख बदल दिया है और अपनी पावर-हिटिंग से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं, जिससे यह प्रारूप और भी रोमांचक व अप्रत्याशित बन गया है।

इस सूची में सबसे ऊपर दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच 26 मार्च 2023 को सेंचुरियन में खेला गया रोमांचक मुकाबला है। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 258 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे देखकर लग रहा था कि मैच उनकी झोली में है। लेकिन, दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने करिश्माई प्रदर्शन करते हुए महज 18.5 ओवरों में 4 विकेट खोकर 259 रन बनाकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस चेज में उनका रन रेट 13.75 रहा, जो उनकी असाधारण आक्रामकता और लक्ष्य को भेदने की क्षमता का प्रमाण है। यह चेज टी20 इंटरनेशनल के इतिहास में एक मील का पत्थर बन गया, जिसने यह साबित कर दिया कि कोई भी लक्ष्य पहुंच से बाहर नहीं है।

दूसरा सबसे बड़ा रन चेज हाल ही में 9 अक्टूबर 2026 को रांची में देखने को मिला, जहाँ वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ जीत हासिल की। भारत द्वारा दिए गए 250 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने शानदार तालमेल और विस्फोटक शॉट्स का प्रदर्शन करते हुए 18.3 ओवरों में 4 विकेट खोकर 252 रन बनाए, जिसमें उनका रन रेट 13.62 रहा। यह भारतीय गेंदबाजों के लिए एक मुश्किल सबक था कि उन्हें अपनी रणनीति में और सुधार करना होगा। तीसरा ऐतिहासिक रन चेज ऑकलैंड के मैदान पर 16 फरवरी 2018 को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच देखने को मिला। न्यूजीलैंड के 243 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने अपनी पावर-हिटिंग का जलवा दिखाया और केवल 18.5 ओवरों में 5 विकेट खोकर 245 रन बनाकर जीत अपने नाम की।

सिर्फ पूर्ण सदस्य ही नहीं, बल्कि एसोसिएट देशों ने भी कुछ प्रभावशाली प्रदर्शन किए हैं, जो टी20 क्रिकेट के वैश्विक विस्तार को दर्शाते हैं। बुल्गारिया ने 11 जुलाई 2025 को सोफिया में जिब्राल्टर के खिलाफ 244 रनों के लक्ष्य को महज 14.2 ओवरों में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया, जिसमें उनका रन रेट 17.02 का रहा, जो टी20 इतिहास में सबसे तेज चेजों में से एक है। इसके अतिरिक्त, 26 जून 2022 को भी बुल्गारिया ने सोफिया में सर्बिया के खिलाफ 243 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.4 ओवरों में 4 विकेट पर 246 रन बनाकर एक और शानदार जीत हासिल की थी। ये सभी आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजों ने न केवल अपने कौशल को निखारा है, बल्कि हर बाधा को पार करने के लिए वे मानसिक रूप से भी पूरी तरह तैयार रहते हैं। मैदान के आकार, फ्लैट पिचें और उन्नत बैटिंग तकनीक ने इस प्रारूप को और भी रोमांचक और अप्रत्याशित बना दिया है, जहाँ कोई भी टीम किसी भी लक्ष्य का पीछा करने में सक्षम है।

शे होप की आक्रामक बल्लेबाजी के कायल हुए केविन पीटरसन

आईपीएल ऑक्शन में नाम डालने की दी सलाह

नई दिल्ली। रांची में वेस्टइंडीज और भारत के बीच खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में मेहमान टीम ने इतिहास रचते हुए भारत के विशाल 249 रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेद दिया। वेस्टइंडीज ने 252 रन बनाकर 6 विकेट से यह मुकाबला जीता, जिसमें कप्तान शे होप ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा। उन्होंने मात्र 45 गेंदों पर नाबाद 102 रन की धमाकेदार पारी खेली, जो टी20 क्रिकेट में वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा रन चेज बन गया। इस असाधारण प्रदर्शन के बाद, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन होप की प्रतिभा से बेहद प्रभावित हुए और उन्होंने सुझाव दिया कि अब उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में अपना नाम दर्ज कराना चाहिए। पीटरसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अगर शे होप अपना नाम मिनी आईपीएल ऑक्शन में डालते हैं, तो उनके लिए कुछ अच्छा हो सकता है।

होप की यह पारी न केवल मैच विजेता थी बल्कि उनकी क्षमता का भी प्रदर्शन थी कि वे दबाव में कैसे खेल सकते हैं। उन्होंने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 252 रन बनाकर सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया। होप ने अपनी पारी में आक्रामकता और नियंत्रण का एक शानदार संतुलन दिखाया। उन्हें युवा बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड का बेहतरीन साथ मिला, जिन्होंने 37 गेंदों पर 84 रन की तूफानी पारी खेली। होप और रदरफोर्ड ने मिलकर 120 रन की साझेदारी की, जिसने मैच का रुख पूरी तरह से बदल दिया और भारतीय गेंदबाजों को बेबस कर दिया। रदरफोर्ड ने बीच के ओवरों में जबरदस्त हिटिंग की, जबकि कप्तान होप ने सुनिश्चित किया कि टीम सही रास्ते पर रहे और आखिरी पलों में कमान संभालते हुए जीत दिलायी।

भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित पांच विकेट पर 249 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया था। इसमें संजू सैमसन ने 41 गेंदों पर 82 रन की शानदार पारी खेली, वहीं तिलक वर्मा ने 44 और श्रेयस अय्यर ने 40 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने भी 43 रन बनाए थे। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजों का यह प्रभावशाली प्रदर्शन टीम को जीत दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं साबित हुआ, क्योंकि शे होप की विस्फोटक पारी ने सभी समीकरण बदल दिए। पीटरसन के बयान से यह संभावना बढ़ गई है कि होप आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए एक दिलचस्प विकल्प बन सकते हैं, खासकर टी20 क्रिकेट में उनकी हालिया फॉर्म को देखते हुए।

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में सभी खिलाड़ी 30 साल से ज्यादा उम्र के 149 साल के टेस्ट इतिहास में पहली बार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन के किंग्समीड मैदान पर खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इतिहास रच दिया। टीम की प्लेइंग इलेवन में शामिल सभी 11 खिलाड़ियों की उम्र 30 वर्ष या उससे अधिक है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, पुरुष टेस्ट क्रिकेट के 149 साल के इतिहास में यह ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली ऐसी टीम है। इस एकादश की औसत उम्र 34.59 वर्ष बताई गई है, जो टेस्ट इतिहास की सबसे उम्रदराज टीमों में शामिल है। कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने सामने उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। शुरुआती 12 ओवर में टीम ने 28 रन पर दो विकेट गंवा दिए। इस मुकाबले में निक मैडिंसन ने भी लंबे अंतराल के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की, लेकिन वह 33 गेंद खेलने के बावजूद खाता नहीं खोल सके। ऑस्ट्रेलिया की इस टीम के सबसे युवा खिलाड़ी मैथ्यू रेनशॉ हैं, जिनकी उम्र 30 वर्ष है। उन्होंने 2016 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। इस तरह टीम में अनुभव को प्रमुखता मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले टेस्ट इतिहास की छह सबसे उम्रदराज प्लेइंग इलेवन 1920 के दशक में मैदान पर उतरी थीं। टेस्ट क्रिकेट में सभी खिलाड़ियों की उम्र 30 वर्ष से अधिक होने वाली टीमों का उदाहरण पहले भी देखने को मिला है। इंग्लैंड ने 1921 में लीड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐसी टीम उतारी थी। इसके बाद न्यूजीलैंड ने 2022 और 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ तथा 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ इस तरह की प्लेइंग इलेवन मैदान पर उतारी थी। अब ऑस्ट्रेलिया भी इस सूची में शामिल हो गया है। निक मैडिंसन की वापसी भी इस मुकाबले की चर्चा का विषय रही। वह करीब नौ साल और 283 दिन के अंतराल के बाद टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, यह ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट इतिहास में दो मुकाबलों के बीच दूसरा सबसे लंबा अंतराल है।

किसी भी हार को हल्के में नहीं लेते, गेंद और बल्ले के बीच बराबरी का मुकाबला जरूरी–गौतम गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को शुक्रवार को रांची में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में 249 रन का विशाल स्कोर बनाने के बावजूद 6 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस अप्रत्याशित हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने मीडिया से बात करते हुए बल्ले और गेंद के बीच अधिक कड़े और संतुलित मुकाबले की आवश्यकता पर जोर दिया। गंभीर ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव के प्रदर्शन की जमकर तारीफ भी की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौतम गंभीर ने स्पष्ट शब्दों में कहा, आप किसी भी हार को हल्के में नहीं लेते। अगर आप सुधार करते रहना चाहते हैं, तो आप किसी भी बात को छिपाना नहीं चाहते। हम एक वर्ल्ड चैंपियन टीम हैं, इसलिए हम सुधार करते रहना चाहते हैं।

गंभीर ने स्वीकार किया कि गेंदबाजों के लिए हालात बेहद मुश्किल थे। उन्होंने कहा, ये साफ तौर पर गेंदबाजी के लिए मुश्किल हालात हैं। हम जानते हैं कि ओस वाली सपाट विकेटें होती हैं। यह मुश्किल है। हमें इसका हल निकालना होगा। उन्होंने वेस्टइंडीज को जीत का श्रेय दिया, विशेष रूप से शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड की बल्लेबाजी को। गंभीर ने कहा, वेस्टइंडीज को जीत का श्रेय जाता है। वेस्टइंडीज ने पहले ओवर में दो विकेट और फिर पावरप्ले में तीन विकेट गंवा दिए। इसके बाद शाई होप और शेरफेन ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों वर्ल्ड-क्लास बल्लेबाज हैं। यह हमारे लिए मुश्किल था, लेकिन हम सुधार करते रहेंगे। गंभीर ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए क्रिकेट की प्रकृति पर सवाल उठाया, जहाँ गेंदबाजों को अक्सर बल्लेबाजों के रहमोकरम पर छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा, हालात ऐसे होने चाहिए कि बॉलर्स को बैटर्स के रहमोकरम पर छोड़ने के बजाय मुकाबला करने का सही मौका मिले।

भारतीय हेड कोच ने क्रिकेट के समग्र स्वास्थ्य के लिए संतुलित प्रतिस्पर्धा को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, हम एक बराबरी का मुकाबला भी देखना चाहते हैं। ये बॉलर हमारे बॉलर हैं, किसी और के नहीं। उनका करियर दांव पर लगा है, उन्होंने इस ड्रेसिंग रूम में बैठने के लिए बहुत मेहनत की है। अगर मुकाबला बराबरी का रहा, तो हम क्रिकेट का बेहतर खेल देखेंगे। गंभीर ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव के प्रदर्शन की विशेष सराहना की, जिन्होंने शुरुआती सफलता दिलाकर टीम को थोड़ी उम्मीद दी थी। गंभीर ने कहा, वह एक तेज गेंदबाज है, उसे एक तेज गेंदबाज की तरह ही गेंदबाजी करनी चाहिए। वह धीमा गेंदबाज नहीं है। अगर आप 150 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो करें, अगर आप 120 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से गेंदबाजी करते हैं, तो करें। जब आप तेज गेंदबाज के तौर पर खेल रहे होते हैं, तो तेज गेंदबाजी करना आपकी जिम्मेदारी होती है।

स्टीव स्मिथ ने स्टीव वॉ को पछाड़ा, ऑस्ट्रेलिया के तीसरे सबसे सफल टेस्ट बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने टेस्ट क्रिकेट में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पूर्व कप्तान स्टीव वॉ को पीछे छोड़ दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन के किंग्समीड मैदान पर खेले जा रहे पहले टेस्ट के शुरुआती दिन स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। अब उनसे आगे केवल रिकी पॉन्टिंग और एलन बॉर्डर हैं। मुकाबले की पहली पारी में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे स्मिथ ने 53 गेंदों में 25 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने दो छक्के लगाए। स्टीव वॉ को पीछे छोड़ने के लिए स्मिथ को मैच से पहले केवल आठ रन की जरूरत थी। पारी में आठवां रन पूरा करते ही उन्होंने यह उपलब्धि अपने नाम कर ली।

स्टीव वॉ ने अपने टेस्ट करियर में 168 मैचों की 260 पारियों में 10,927 रन बनाए थे। वहीं, स्मिथ ने अपने 126वें टेस्ट की 224वीं पारी में इस आंकड़े को पार किया। उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, स्मिथ के नाम अब 10,945 टेस्ट रन दर्ज हैं। वह 11,000 रन पूरे करने वाले ऑस्ट्रेलिया के तीसरे बल्लेबाज बनने के करीब हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड रिकी पॉन्टिंग के नाम है। उन्होंने 168 टेस्ट मैचों में 13,378 रन बनाए। इस सूची में दूसरे स्थान पर एलन बॉर्डर हैं, जिनके नाम 156 टेस्ट मैचों में 11,174 रन दर्ज हैं। स्मिथ ने वर्ष 2010 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उनके नाम अब तक 37 शतक और 45 अर्धशतक हैं, जबकि उनका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर 239 रन है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी स्मिथ एक और उपलब्धि के करीब हैं। इस टीम के विरुद्ध उनके खाते में 958 टेस्ट रन बताए गए हैं। दूसरी पारी में 42 रन बनाते ही वह 1,000 रन पूरे कर सकते हैं। स्मिथ की इस उपलब्धि ने एक बार फिर ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन को चर्चा में ला दिया है।

भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड को दोहरा झटका

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज से पहले करारा झटका लगा है। ब्लैक कैप्स के तूफानी तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के भारत के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। ओ'रूर्के अपनी पीठ के स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबरने के बाद अप्रैल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे थे, लेकिन अब उन्हें पिंडली की मांसपेशी में खिंचाव की समस्या ने घेर लिया है। कोच रॉब वाल्टर ने बताया कि ओ'रूर्के ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे के लिए पूरी तरह फिट होना चाहते हैं, जिसका पहला टेस्ट 9 दिसंबर को पर्थ में खेला जाएगा। वाल्टर ने पुष्टि की कि इतनी बड़ी सीरीज में ओ'रूर्के का न होना टीम के लिए किसी गहरे झटके से कम नहीं है, क्योंकि वह दोनों प्रारूपों में खेलने वाले थे। जून में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, और अगस्त के अंत में ट्रेनिंग के दौरान उनकी पिंडली की मांसपेशी में फिर से खिंचाव आ गया।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स में एबी डिविलियर्स का तूफान, 37 गेंदों में ठोका शतक

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में अपनी बल्लेबाजी का जलवा दिखाते हुए 37 गेंदों में तूफानी शतक जड़ा। ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस के खिलाफ खेलते हुए, 42 वर्षीय डिविलियर्स ने 40 गेंदों का सामना करते हुए, नाबाद 111 रनों की दमदार पारी खेली, जिसमें 11 गगनचुंबी छक्के और 6 चौके शामिल थे। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी को देखकर उनके बच्चे और पत्नी खुशी से झूम उठे। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत साउथ अफ्रीका चैंपियंस ने ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी।

मुकाबले में, ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए डी आर्सी शॉर्ट के 66 और कप्तान डेविड वॉर्नर के 48 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 205 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। साउथ अफ्रीका की तरफ से गेंदबाजी में हार्डस विल्जोएन ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए, जबकि मार्चेंट डी लैंग और इमरान ताहिर को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका की टीम ने महज 15.4 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 210 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। डिविलियर्स के अलावा, रिचर्ड लिवी ने भी 29 गेंदों में 5 छक्के और 3 चौकों की मदद से 62 रनों की शानदार पारी खेली, वहीं जेपी ड्यूमिनी ने भी 22 गेंदों में 27 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से केन रिचर्डसन ने 2 विकेट लिए।

एशियाई पेरा खेलों में भारतीय ध्वजवाहक होंगे प्रमोद भगत और भाविना पटेल

नई दिल्ली। 18 अक्टूबर से जापान में होने जा रहे पैरालंपिक खेलों में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का ध्वजवाहक चुना गया है। ये दोनों दिग्गज खिलाड़ी 18 अक्टूबर को आयोजित होने वाले उद्घाटन समारोह में भारतीय ध्वज थामकर चलेंगे। एशियाई पैरा गेम्स का पांचवां संस्करण 18 से 24 अक्टूबर तक चलेगा, इसमें भारतीय दल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा।

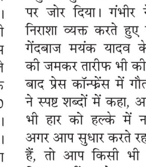

प्रमोद भगत को भारत के सबसे सफल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में गिना जाता है, ने अपने शानदार करियर में साल 2014 से 2023 के बीच कुल छह पदक जीते हैं। इनमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक भी शामिल हैं। वहीं, पैरा टेबल टेनिस की स्टार भाविना पटेल ने भी साल 2018 से 2023 के दौरान एशियन पैरा गेम्स में दो अहम पदक जीते हैं। इसमें एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल है, जो उनकी दृढ़ता और कौशल को दिखाता है।

भारतीय ध्वजवाहक चुने जाने से उत्साहित भाविना पटेल ने अपनी खुशी और गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भारत की ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए सचमुच बेहद गर्व का पल है। जब आप अपने हाथों में तिरंगा थामते हैं, तो आपको यह गहरा एहसास होता है कि आप सिर्फ अपनी नहीं, बल्कि अपने देश, अपने सपनों और अपने से कहीं बड़ी किसी चीज़ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भाविना ने आगे जोड़ा, मैं प्रमोद के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारे सभी खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेंगे, इस ऐतिहासिक पल का भरपूर आनंद लेंगे और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

गौरतलब है कि प्रमोद भगत और भाविना पटेल ने मिलकर एशियन पैरा खेलों में कुल आठ पदक हासिल किए हैं। अब ये दोनों खिलाड़ी भारतीय दल के सबसे आगे तिरंगा थामकर देश के अभियान की एक प्रेरणादायक शुरुआत करेंगे। उनका यह चयन भारतीय पैरा खेलों के लगातार बढ़ते प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के पैरा एथलीटों की बढ़ती पहचान और उपलब्धियों का भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। प्रमोद और भाविना दोनों ने ही बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और अपनी अद्वितीय उपलब्धियों से देश के अनगिनत युवा पैरा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। उद्घाटन समारोह में उनकी गरिमामयी उपस्थिति पूरे भारतीय दल के लिए ऊर्जा और प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत साबित होगी।

वहीं पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने भी इन दोनों खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाए जाने पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का नेतृत्व करते देखना हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है। ये दोनों असाधारण चैंपियन हैं और इन्होंने भारतीय पैरा खेलों के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

मैं हमेशा से टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता था, लेकिन समय और हालात सही नहीं रहे– एनरिक नॉर्टजे

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ने तीन साल के लंबे इंतजार के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद नॉर्टजे ने टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे बेहतरीन और चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट बताया। उन्होंने आखिरी बार 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए टेस्ट मैच खेला था, जिसके बाद फिटनेस संबंधी समस्याओं और अवसरों की कमी के कारण उन्हें खेल से दूर रहना पड़ा। पहले टेस्ट के शुरुआती दिन, नॉर्टजे ने दो महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिससे मेजबान टीम साउथ अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया को 187/6 पर रोकने में सफल रही, जिसके बाद खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल को समय से पहले समाप्त करना पड़ा।

दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में एलेक्स कैरी (14) और ब्यू वेबस्टर (4) को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को 124/6 के स्कोर पर बैकफुट पर धकेल दिया था। अपनी वापसी और इससे पहले के संघर्षों के बारे में बात करते हुए नॉर्टजे ने कहा, मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। मगर मौके, समय और हालात हमेशा सही नहीं रहे। जाहिर है कि कुछ समस्याओं के कारण चीजें हमेशा वैसी नहीं हुईं जैसी होनी चाहिए थीं। उन्होंने बताया कि कैसे पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान लगी चोट ने उनकी राह मुश्किल बना दी थी। एक अभ्यास सत्र में नेट्स में रिवर्स स्विंग गेंदों का सामना करते हुए उनके पैर की उंगली टूट गई थी, जिसने उनकी टेस्ट टीम में वापसी की योजनाओं को प्रभावित किया और उन्हें लंबे समय तक मैदान से दूर रखा।

नॉर्टजे ने कहा, मुझे लगता है कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के सबसे करीब पहुंचा था। वनडे मैचों के दौरान मेरे पैर की उंगली टूट गई थी, जब डेविड नेट्स में मुझे रिवर्स स्विंग गेंदें फेंक रहे थे। उन्होंने आगे कहा, तो हां, अतीत में ऐसा मौका आया था। आखिरकार सब कुछ ठीक हो गया और मैं मैदान पर वापस आ सका, देश के लिए फिर से खेल सका, खासकर टेस्ट कैप पहनकर। घर पर रख-रखे यह थोड़ी पुरानी हो गई है। नॉर्टजे को टेस्ट क्रिकेट की शारीरिक चुनौतियां पसंद हैं, खासकर लंबे समय तक लगातार गेंदबाजी करते हुए विकेट लेने की चुनौती। उन्होंने बताया कि उन्हें दूसरे, तीसरे या शायद चौथे स्पेल में अपनी पूरी ताकत लगाकर टीम के लिए कुछ हासिल करना सबसे ज्यादा पसंद है।

हरमनप्रीत पहले से मजबूत टीम छोड़कर गयी हैं - अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने हाल ही में तीनों प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने वाली हरमनप्रीत कौर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि घरेलू धरती पर टीम को एकदिवसीय विश्व कप 2025 में जीत दिलाना रहा। चोपड़ा ने कहा कि हरमनप्रीत को कमान संभालते समय जैसी टीम मिली थी उससे अच्छी टीम उन्होंने नई कप्तान के लिए छोड़ी है। आज की टीम पहले से अधिक अनुभवी और आत्मविश्वासी से भरी हुई है। अंजुम ने कहा, एक नेता के तौर पर हरमनप्रीत की सबसे बड़ी पहचान हमेशा 2025 में एकदिवसीय विश्व जीतना रहा। उस टूर्नामेंट में टीम बल्लेबाजी, लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल में, सभी के योगदान से पहुंची। इसमें केवल हरमन की ही भूमिका नहीं थी बल्कि हर खिलाड़ी का जीत में योगदान रहा था। हरमन का कद इस टीम के साथ बढ़ा है, खासकर पिछले साढ़े तीन सालों में, जब से उन्होंने एकदिवसीय की कप्तानी संभाली थी। पहले, हम टी20 बहुत कम खेलते थे और शेड्यूल में ज्यादा वनडे गेम होते थे। हाल के वर्षों में यह बदल गया है। अब अधिकांश द्विपक्षीय दौरों में वनडे से ज्यादा टी20 होते हैं। उन्होंने कहा, मैंने हरमनप्रीत को एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर बढ़ते देखा है। उनकी विरासत हमेशा इस बात से मापी जाएगी कि उन्होंने कहां से कमान संभाली और कहां छोड़ी। एकदिवसीय प्रारूप में आज भारतीय टीम विश्व चैंपियन है। जब उन्होंने कमान संभाली थी, तब की तुलना में यह टीम कहीं ज्यादा मजबूत, ज्यादा ऊर्जावान, कौशल से भरी और अनुभवी है।

अंजुम ने कहा, बतौर क्रिकेटर लंबी यात्रा के बाद भी मुझे नहीं लगता कि हरमनप्रीत और एक इंसान के तौर पर बदली हैं, भले ही महिलाओं के खेल के लिए उनके आस-पास की चीजें काफी बदल गई हों। मैंने उनमें कभी भी जल्दबाजी वाला पहलू नहीं देखा।

एशियाई खेलों के बाद अब विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतना चाहते हैं सुजीत

नई दिल्ली। हाल में जापान में हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहलवान सुजीत कलकल की नजरें अब विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में जीत पर लगी हैं। सुजीत अब 24 अक्टूबर से 1 नवंबर तक कजाकिस्तान के अस्ताना में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुजीत का मानना है कि देश के लिए स्वर्ण जीतना उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। सुजीत ने अपनी दिवाली योजनाओं को साझा करते हुए भावुकता से कहा, देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना ही मेरे लिए दिवाली जैसा है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं के चलते वे कभी भी त्योहार घर पर अपने परिवार के साथ नहीं मना पाते हैं। सुजीत ने आगे कहा, मेरे पिता हमेशा कहते हैं कि अगर तुम स्वर्ण पदक लेकर घर आते हो तो वही तुम्हारे लिए दिवाली और होली है। इस साल भी दिवाली के आसपास ही विश्व चैंपियनशिप है, और उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतकर ही इस त्योहार को यादगार बनाना है।

गौरतलब है कि एशियाई खेलों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल में सुजीत ने जापान के ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियोका को हराकर अपना दमदार प्रदर्शन दिखाया था। इसके बाद ताजिकिस्तान के अब्दुलमाजिद कुडिएव के खिलाफ उनका फाइनल मुकाबला और भी नाटकीय और रोमांचक रहा। एक समय वे 2-9 से पीछे चल रहे थे, लेकिन अपनी हिम्मत और तकनीक के दम पर उन्होंने अविश्वसनीय वापसी करते हुए 10-9 से मुकाबला अपने नाम कर स्वर्ण पदक जीता। इसको लेकर सुजीत ने बताया, शुरुआत में मैं फाइनल मुकाबले को नियंत्रित नहीं कर पा रहा था, क्योंकि मैं ठीक से वार्म-अप नहीं कर पाया था। पकड़ दूसरे पीरियड में मेरी पकड़ अच्छी बनी और मैंने जो भी अटैक किया, वह सफल रहा। मुकाबले के अंत तक मैंने सभी अंक कवर कर लिए थे। एशियाई खेलों की सफलता के बावजूद, सुजीत का ध्यान अब पूरी तरह से विश्व चैंपियनशिप पर केंद्रित है, जिसे वह सबसे बड़ी चुनौती मानते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता ओलंपिक से भी ज्यादा कठिन होने वाली है, क्योंकि इसमें दुनिया के शीर्ष पहलवान हिस्सा लेंगे। अपनी तैयारी के बारे में सुजीत ने बताया, हम किसी खास तरह की तैयारी नहीं करते हैं। पिछली प्रतियोगिताओं में जो गलतियां हुई हैं, हम उन पर लगातार काम करते हैं ताकि आने वाली प्रतियोगिताओं में उन्हें दोबारा न दोहराया जाए।

सेवा संकल्प अभियान 2026 फिट इंडिया खेल सत्र के तहत कबड्डी एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला खेल और युवा कल्याण विभाग बालाघाट जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक खेल एवं योग गतिविधियों का आयोजन समस्त विकासखंड मुख्यालय में किया जा रहा है। इसके तहत विकासखंड लांजी के वीरांगना रानी अवंती बाई मिनी स्टेडियम में विकासखंड स्तरीय कबड्डी एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना युवाओं को खेलों से जोड़ना और फिट इंडिया के संकल्प उज्जैन जैन तक पहुंचाना था कार्यक्रम का शुभारंभ में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती रेखा शुक्ला (जन भागीदारी अध्यक्ष) जी के आतिथ्य में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड से 10 टीमों ने हिस्सा लिया और अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

लांजी विजेता एवं कोचेवाही बनी उपविजेता

फाइनल मुकाबला लांजी एवं कोचेवाही के बीच खेला गया। मुकाबला बेहद ही रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को संपन्न किया। जिसमें शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकैडमी लांजी विजेता एवं कोचेवाही की टीम उपविजेता रही।

विजेता टीमों को किया गया सम्मानित

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उज्जवल श्रीवास्तव(पूर्व उपाध्यक्ष नगर परिषद लांजी) एवं गौरव बैस(विधायक प्रतिनिधि जिला पंचायत बालाघाट) के आतिथ्य में संपन्न हुआ। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। एवं निरंतर अभ्यास से ही जीवन एवं खेलों में सुधार हो पता है। अतिथि द्वारा कहा गया कि इतने कम सुविधाओं में भी इतने अच्छे खेल का प्रदर्शन करना अपने आप में एक सफल है। एवं मुख्य अतिथियों द्वारा विजेता एवं विजेता टीम को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रज्ञात वासनिक (विकासखंड खेल समन्वयक) प्रशिक्षक भगवती खान दुर्गा मरकाम,विनोद चौधरी,बृहस्पति,रितेश आमादरे केवल सभी सीनियर खिलाड़ी उपस्थित रहे।

पुलिस ने रोकी आउटसोर्स कर्मचारियों की रैली

मंत्रालय की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे कर्मचारियों को पुलिस ने खदेड़ा, स्टेशन पर ही लिया ज्ञापन

भोपाल (ईएमएस) । आउटसोर्स और अस्थाई कर्मचारियों के प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे कर्मचारियों को भोपाल पुलिस ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बाहर ही रोक दिया। कर्मचारी यहां से रैली के रूप में मंत्रालय की ओर जाना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने नहीं दिया।

कुछ कर्मचारियों ने आगे जाने की कोशिश की तो पुलिस अधिकारियों ने उन्हें खदेड़ दिया। इसके बाद कर्मचारी अलग-अलग समूहों में स्टेशन के बाहर जुटे रहे। बाद में कर्मचारी नेताओं ने पुलिस को ज्ञापन सौंपा।

आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी संघ के बैनर तले प्रदर्शन के लिए पहुंचे कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर मंत्रालय तक रैली निकालना चाहते थे। हालांकि, पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के कारण रैली आगे नहीं बढ़ सकी। स्टेशन के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा और कर्मचारियों को एक जगह एकत्रित नहीं होने दिया गया।

एकत्रित तक नहीं होने दिया

आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी और कर्मचारियों को एकत्रित होने से भी रोक दिया। उन्होंने कहा कि भारी पुलिस बल तैनात था। कर्मचारियों को रानी कमलापति स्टेशन के बाहर ही रोककर उनका ज्ञापन ले लिया गया और फिर वहां से हटा दिया गया। कर्मचारियों की योजना मंत्रालय तक रैली निकालकर अपनी मांगें शासन के सामने रखने की थी, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके।

सोमवार से फिर शुरू होगा स्वामित्व योजना का काम

भोपाल । मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री का काम फिर गति पकड़ने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ चर्चा के बाद पटवारी संघ ने अपनी मांगों पर सहमति बनने की बात कही हैं। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष उपेंद्र सिंह बघेल के अनुसार, स्वामित्व योजना में न्यायिक संरक्षण के आदेश जारी कर दिए गए हैं और 17 सितंबर के बाद की सभी कार्यवाहियां शून्य की जाएंगी। इसके बाद पटवारी संघ ने सोमवार से योजना का काम दोबारा शुरू करने को कहा है। इसी बीच, हरदा जिले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के हस्तांतरण विलेख के निष्पादन योजना के तहत 10 हितग्राहियों को रजिस्ट्री प्रमाण-पत्र वितरित किए। इनमें गोंदागांव के निर्भयदास और भैयालाल सहित आठ अन्य हितग्राही शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य पात्र ग्रामीणों को उनकी भूमि का अधिकार दिलाना है, ताकि वे अपनी संपत्ति का उपयोग कर सकें और आर्थिक रूप से मजबूत बनें। हरदा में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी भूमि का कानूनी अधिकार मिल रहा है। रजिस्ट्री प्रमाण-पत्र मिलने से उन्हें बैंक से ऋण लेने और अपनी संपत्ति पर निर्माण जैसे काम करने में सुविधा हो सकती है।

संघ के प्रांतीय अध्यक्ष उपेंद्र सिंह बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ सकारात्मक बातचीत के बाद पटवारियों की मांगों पर सहमति बनी है। उनके अनुसार, न्यायिक संरक्षण के आदेश जारी किए गए हैं और 17 सितंबर के बाद की सभी कार्यवाहियां शून्य होंगी। संघ ने सोमवार से काम फिर शुरू करने का निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि योजना का उद्देश्य पात्र ग्रामीणों को उनकी भूमि के अधिकार संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराना है।उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री का निष्पादन अधिकार अभिलेख में दर्ज जानकारी के आधार पर किया जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी व्यक्ति के स्वामित्व का नए सिरे से निर्धारण या नई जानकारी तैयार नहीं की जा रही है।

बता दें इससे पहले स्वामित्व योजना का काम पूरा नहीं होने और पटवारियों के असहयोग को लेकर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में कार्रवाई की जा रही थी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्रदेश में 29 पटवारियों को बर्खास्त और 129 से अधिक को निलंबित किया गया है।

बिसोनी में वीर सैनिकों का सम्मान, शाल-श्रीफल भेंटकर किया अभिनंदन

पद्मेश न्यूज। लांजी। देश की सीमाओं की रक्षा और सुरक्षा में सैनिकों का योगदान अतुलनीय है। उनके साहस, समर्पण और त्याग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत बिसोनी में वर्तमान एवं भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत लांजी के आदेशानुसार आयोजित कार्यक्रम में सरपंच वर्षा विजय वारे ने सैनिकों एवं उनके परिजनों को शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। समारोह में सैनिक परिवारों का सम्मान कर उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

शहीद की पत्नी सहित सैनिक परिवारों का सम्मान

समारोह में शहीद सूबेदार अमृतलाल कुचलाहे की धर्मपत्नी

खुशहाली कुचलाहे का सम्मान किया गया। इसके साथ ही सेवानिवृत्त सूबेदार रूपकुमार बिसेन एवं उनकी पत्नी तुलसी बिसेन सहित परिवार के सदस्यों, हवलदार कुमार सानू एवं उनकी पत्नी वनिता उके, कांस्टेबल मोतीचंद नारनौरे एवं उनकी पत्नी रोशनी नारनौरे सहित परिवार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पलास कर्राहे एवं उनकी पत्नी हिना कर्राहे तथा उनकी माताजी, वर्तमान में सेवारत अमिश दुबे की पत्नी निधि दुबे, सार्थक दुबे की माताजी भारती दुबे और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे देवेश वारे के पिता एवं भूतपूर्व सरपंच विजय वारे भी उपस्थित रहे। सरपंच ने सभी का शाल-श्रीफल भेंटकर अभिनंदन किया।

सैनिकों का सम्मान समाज का दायित्व

समारोह के दौरान सेवानिवृत्त सूबेदार रूपकुमार बिसेन एवं भूतपूर्व सरपंच विजय वारे ने सैनिकों के सम्मान में उद्बोधन दिया। उन्होंने सैनिकों के त्याग, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और देश के प्रति समर्पण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सैनिक कठिन परिस्थितियों में देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उनके साथ-साथ उनके परिवार भी त्याग और धैर्य के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाते हैं। ऐसे में सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान करना समाज का महत्वपूर्ण दायित्व है।

पंचायत प्रतिनिधियों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में पंच खिलेश्वर कर्राहे, सीमा श्यामकुंवर, नीरा राउत, हिना कर्राहे एवं हीरा वारे सहित पंचायत सचिव राजेश्वर पंचाले और सहायक सचिव हरिश कुमार आसटकर उपस्थित रहे। सैनिकों एवं उनके परिजनों के सम्मान के साथ समारोह संपन्न हुआ।

जातिगत जनगणना के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण देने की मांग

लांजी में अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संगठन की बैठक, मंडल आयोग की सभी 40 सिफारिशें लागू करने सहित कई मुद्दे उठाए

पद्मेश न्यूज। लांजी। पिछड़े वर्ग की वास्तविक जनसंख्या के आंकड़े सामने लाने और आबादी के अनुपात में आरक्षण व प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संगठन ने आवाज बुलंद की है। शनिवार, 10 अक्टूबर को लांजी-सालेटेकरी मार्ग स्थित गोंडवाना भवन में आयोजित बैठक में जातिगत जनगणना कराने के बाद पिछड़े वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने की मांग सरकार के समक्ष रखी गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' और 'वोट से बनाएंगे सीएम-पीएम, आरक्षण से लेंगे एसपी-डीएम' जैसे नारे लगाकर अपने अधिकारों की मांग उठाई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पिछड़े वर्ग के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक उत्थान के लिए जातिगत जनगणना आवश्यक है। उनका कहना था कि वास्तविक जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर आरक्षण और विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाना चाहिए। संगठन ने समाज के लोगों से अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर संगठित

प्रयास करने का आह्वान किया।

मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने पर जोर

बैठक में संगठन की ओर से मंडल आयोग की सभी 40 सिफारिशें लागू करने, क्रीमीलेयर से संबंधित शर्तों की समीक्षा करने और निजीकरण पर रोक लगाने की मांग की गई। इसके अलावा पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण देने, सरकारी विभागों के रिक्त पदों को भरने, लंबित पदों का बैकलॉग पूरा करने तथा न्यायपालिका में पिछड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। संगठन ने विधानसभा और लोकसभा में पिछड़े वर्ग के लिए स्वतंत्र निर्वाचन क्षेत्रों की व्यवस्था करने की मांग रखी। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए तहसील एवं जिला स्तर पर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने और विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

किसान-मजदूरों की पेंशन का मुद्दा भी उठाया

बैठक में वन अधिकार पट्टों से संबंधित तीन पीढ़ियों की शर्त समाप्त करने तथा अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में निवासरत पिछड़े वर्ग को पांचवीं अनुसूची और पेसा कानून के दायरे में शामिल करने की मांग की गई। इसके अलावा 60 वर्ष की आयु पूरी करने वाले किसान-मजदूरों को प्रतिमाह 10 हजार रुपये पेंशन देने की मांग भी रखी गई। संगठन ने सरकार से इन सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करने और पिछड़े वर्ग को सामाजिक न्याय, शिक्षा, रोजगार तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में उचित अवसर उपलब्ध कराने की अपील की।

ये रहे उपस्थित

बैठक में अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संगठन से राजकुमार नागेश्वर, झनकराम बेनी, खेमराज मछिरके, धनंजय गौतम, जियालाल पटले, पन्नालाल चौधरी, महेश मातरे, ईश्वरलाल मानकर, गंगाप्रसाद दशहरे, विजय सोनवाने, देवाजी रामटेके और खेमलाल मातरे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेस 27 ओबीसी आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ेगी

भोपाल। मध्य प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी एवं नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार ने संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर ओबीसी वर्ग के अधिकारों की अनदेखी करने के गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों और न्यायालय में कमजोर पैरवी के कारण ओबीसी आरक्षण का मामला लगातार उलझा हुआ है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए कानूनी और लोकतांत्रिक स्तर पर संघर्ष जारी रहेगा।

प्रेसवार्ता में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, पूर्व विधायक राजकुमार पटेल, महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष विभा पटेल तथा पूर्व प्रवक्ता आनंद जाट उपस्थित रहे।

आनंद जाट ने 1983 से 2026 तक का घटनाक्रम प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया

प्रेसवार्ता में कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता आनंद जाट ने प्रोजेक्टर स्क्रीन के माध्यम से वर्ष 1983 से 2026 तक ओबीसी आरक्षण से जुड़े घटनाक्रम की जानकारी मीडिया के साथ साझा की। उन्होंने महाजन आयोग की रिपोर्ट पर निर्भरता, पुराने आंकड़ों, सीमित सर्वेक्षण तथा आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा से संबंधित कानूनी पहलुओं पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि ओबीसी आरक्षण के समर्थन में व्यापक, अद्यतन और विश्वसनीय आंकड़े जुटाने के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए। कांग्रेस ने सरकार से सवाल किया कि अब ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए आगे क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे।

उमंग सिंघार बोले–प्रदेश में ओबीसी आरक्षण के अधिकारों के साथ अन्याय हुआ

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि देश में वोट चोरी और मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार से जवाब मांग रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने ओबीसी समाज से समर्थन तो लिया, लेकिन उसके अधिकारों की रक्षा के लिए अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई।

श्री सिंघार ने कहा कि मुख्यमंत्री कभी सर्वदलीय बैठक तो कभी न्यायालय की बात करते हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि सरकार ने न्यायालय में ओबीसी आरक्षण के पक्ष में अपना पक्ष कितनी मजबूती से रखा। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश का विस्तार से अध्ययन करने पर कई गंभीर सवाल सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायालय के 159 पृष्ठों के आदेश में पुराने आंकड़ों की प्रासंगिकता, व्यापक और ठोस आंकड़े जुटाने तथा विभिन्न वर्गों के तुलनात्मक अध्ययन जैसे मुद्दों पर सवाल उठाए गए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत करने और आरक्षण के समर्थन में ठोस आधार रखने में विफल रही।

श्री सिंघार ने कहा कि प्रदेश की लगभग 7.26 करोड़ आबादी के संदर्भ में महज 10 हजार लोगों के सर्वेक्षण के आधार पर व्यापक सामाजिक स्थिति का आकलन किए जाने पर सवाल उठते हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि सरकार ने आंकड़ों के संग्रह और अध्ययन पर खर्च किए गए संसाधनों के बावजूद न्यायालय के सामने प्रभावी ढंग से अपना पक्ष क्यों नहीं रखा। उन्होंने शैक्षणिक स्थिति से जुड़े आंकड़ों, अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण और सरकार की रिपोर्ट के बीच कथित अंतर पर भी सवाल उठाए। साथ ही कहा कि इंदिरा साहनी मामले में निर्धारित आरक्षण संबंधी सिद्धांतों के अनुरूप सरकार को अपने पक्ष में पर्याप्त आधार प्रस्तुत करना चाहिए था। श्री सिंघार ने कहा कि यदि स्वीकृत पदों पर नियुक्तियां और आरक्षण से संबंधित प्रक्रियाएं समय पर आगे बढ़तीं, तो ओबीसी वर्ग को लाभ मिलने की स्थिति बन सकती थी। उन्होंने सरकार से जवाब मांगा कि आरक्षण के इस गंभीर मामले में आवश्यक तैयारी और प्रभावी पैरवी क्यों नहीं की गई।

जीतू पटवारी बोले—सरकार की मंशा और पैरवी पर गंभीर सवाल

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार ने ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए आवश्यक गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि सरकार न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष और आंकड़े प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में विफल रही, जिसका खामियाजा ओबीसी समाज को भुगतना पड़ रहा है।

कपड़ा दुकान से 40 हजार का माल चोरी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रामनगर थाने के तहत रेलटोली निवासी फिर्यादी कुश धर्मेश गुप्ता (31) की रेलटोली रेलवे स्टेशन रोड़ पर स्थित कपड़ा दुकान व गोदाम से बघोली काटी निवासी आरोपी संदीप सुखदेव गजभिये (36) व राजकुमार जगदिश कटरे (34) ने साठगांठ कर 40 हजार रु. कीमत के 7 थान चुरा लिए. फिर्यादी की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस निरीक्षक सुखदेव राठोड कर रहे हैं.

लोहे के पाइप से प्रहार, दो घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रामनगर थाने के तहत रेलटोली परिसर में चार आरोपियों ने लोहे के पाइस से दो युवकों पर प्रहार कर दिया. जिसमें दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए. जानकारी के अनुसार, रेलटोली निवासी आरोपी सुमित मुन्नालाल गुप्ता (50) ने घायल से पुछा की कपड़ों के थान बिक्री हुए क्या. घायल ने बताया तीन थान की बिक्री हुई है. इसके बाद आरोपी अमित मुन्नालाल गुप्ता (45), सुमित मुन्नालाल गुप्ता (50), कुश धर्मेश गुप्ता (30) व प्रदून धर्मेश गुप्ता (28) ने हमारी दुकान से कपड़ों के थान चुरा के बेचते हो, ऐसा कहते हुए लोहे के पाइप व लात घुसों से मारपीट की. साथ ही गालीगलौज कर धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार सुखदेव राठोड कर रहे हैं.

कटनी जिले में बस मालिक एवं वाहन चालक के विरूद्ध दर्ज हुई एफआईआर

विजयराघवगढ़-बंजारी के पास दुर्घटनाग्रस्त हुई बस

भोपाल । कटनी जिले में विजयराघवगढ़-बंजारी के पास शनिवार को हुई बस दुर्घटना में किशोरी की मृत्यु और 33 यात्रियों के घायल होने की घटना पर शासन ने सख्त एक्शन लिया है। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने बस मालिक शेख यासीन एवं वाहन चालक सत्यम पाण्डेय के विरूद्ध विजयराघवगढ़ पुलिस थाना में भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1), 125(ड्ड), भारतीय न्याय संहिता 281 एवं मोटरयान अधिनियम 1988 (संशोधन 2015,2019) की धारा 184 के तहत एफआईआर दर्ज करवाई है।

कलेक्टर कटनी के निर्देश पर एआरटीओ द्वारा बस का फिटनेस निरस्त कर दिया गया है। साथ ही बस चालक का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। बस परिचालन का परमिट भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। एआरटीओ श्री संतोष पाल ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस रजा बस सर्विस की है, जिसका बस क्रमांक एमपी-14-बीडी-0811 है।

कलेक्टर ने अस्पताल पहुंचकर जाना घायलों का हाल

घटना की जानकारी मिलने पर कटनी कलेक्टर श्री आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा तत्काल विजयराघवगढ़ सिविल अस्पताल पहुंचे और घायलों के स्वास्थ्य एवं उपचार की जानकारी ली। कलेक्टर कटनी ने चिकित्सकों को सभी घायलों का बेहतर और समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कटनी कलेक्टर श्री तिवारी ने बस दुर्घटना में मृत छात्रा के परिजनों को जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से 20 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता राशि प्रदान की। कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार विजयराघवगढ़ द्वारा मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से मृत बालिका के परिजन को आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रकरण भी तैयार किया जा रहा है।

घायलों का उपचार जारी

बस दुर्घटना में 33 घायलों का तत्काल सिविल अस्पताल विजयराघवगढ़ में उपचार शुरू किया गया, 12 गंभीर घायलों को जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किया गया। बीएमओ विजयराघवगढ़ डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि वर्तमान में सिविल अस्पताल विजयराघवगढ़ में भर्ती 8 मरीजों का उपचार चल रहा है, शेष भर्ती सभी मरीजों को उपचार एवं दवाई देकर डिस्चार्ज कर दिया गया है।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर- तीन युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के समनापुर रोड स्थित ग्राम बड़ी कुम्हारी के गांधी चौक में बीती रात तेज रफ्तार कार ने एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार तीन युवक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। इस सड़क हादसे में तीनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। तीनों घायलअजय नगपुरे पिता सनत नगपुरे 25 वर्ष,मोहित नगपुरे पिता लुभान नगपुरे 16 वर्ष और विजय मसखरे पिता सदन मसखरे 32 वर्ष ग्राम बड़ी कुम्हारी बालाघाट निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बड़ी कुमारी अजय नगपुरे और विजय नगपुरे एक ही परिवार के हैं और वह अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा मजदूरी करते हैं। 9 अक्टूबर की रात अजय नगपुरे अपने गांव की चौक में बैठा था । तभी उसके दाहिने पैर में एक अज्ञात सांप लिपट गया। अजय ने जोर से झटका दिया ।जिससे सांप दूर जा गिरा। इसके बाद अजय को आशंका हुई कि सांप ने उसके पैर में काट लिया है। वह घर पहुंचा और परिजनों को घटना की जानकारी दी ।इसके बाद रात्रि 11 बजे अजय को दवा दिलाने के लिए मोहित नगपुरे और विजय मसखरे मोटरसाइकिल से ग्राम खैरी ले जा रहे थे। तीनों जैसे ही बड़ी कुम्हारी के गांधी चौक पहुंचे थे ।तभी बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार में आ रही कार ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी ।कार की जोरदार टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर सरपंच सावन लिल्हारे तत्काल मौके पर पहुंचे और तीनो घायल को अपनी कार से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां तीनों का उपचार जारी है ।इस दुर्घटना की कोतवाली पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

पांचवीं के दो छात्रों का विवाद पहुंचा एसपी कार्यालय

डिप्टी कमांडेंट पर बच्चे से मारपीट का आरोप

मांझापुर के एक निजी स्कूल का मामला, मां ने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को सौंपा ज्ञापन, स्कूल प्रबंधन पर मामला दबाने के का भी लगा आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्कूल में पांचवीं कक्षा के दो बच्चों के बीच हुआ एक मामूली विवाद अब गंभीर आरोपों और शिकायतों तक पहुंच गया है। मामला इतना बढ़ा कि पहले दोनों बच्चों के बीच शुरू हुआ विवाद उनके अभिभावकों तक पहुंचा और फिर पुलिस अधीक्षक कार्यालय । पूरा मामला साहूटोला मांझापुर गर्रा स्थित सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल का बताया गया है। यहां पांचवीं कक्षा में अध्ययनरत एक छात्र की मां ममता वासनिक, पति दीपक वासनिक, निवासी ग्राम गर्रा ने 10 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के नाम ज्ञापन सौंपकर अपने बेटे के साथ कथित मारपीट, अभद्र व्यवहार, अश्लील गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दिए जाने की शिकायत की है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि 36वीं वाहिनी में पदस्थ डिप्टी कमांडेंट ने स्कूल पहुंचकर उनके बेटे के साथ मारपीट की। हालांकि, इस पूरे मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है और संबंधित पक्षों का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

ममता वासनिक के अनुसार, उनके बेटे और 36वीं वाहिनी में पदस्थ डिप्टी कमांडेंट के बेटे दोनों ही सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में पांचवीं कक्षा में पढ़ते हैं। आरोप है कि स्कूल में दोनों बच्चों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके दौरान डिप्टी कमांडेंट के बेटे ने उनके बेटे को उसके पिता के व्यवसाय को लेकर नीचा दिखाने वाली टिप्पणी की। शिकायत के मुताबिक, बच्चे ने ममता वासनिक के बेटे से कहा कि उसके पिता मामूली मजदूर हैं और छोटा व्यवसाय करते हैं, जबकि उसके पिता पुलिस विभाग में बड़े अधिकारी हैं तथा वे चाहें तो उसे मार सकते हैं। इसी बात को लेकर दोनों बच्चों के बीच विवाद बढ़ गया और ममता वासनिक के बेटे ने गुस्से में दूसरे छात्र के साथ हल्की मारपीट कर दी। इसके बाद दूसरे छात्र ने कथित तौर पर पूरी घटना अपने पिता को बताई, जिसके बाद मामला बच्चों के बीच के विवाद से निकलकर बड़ों तक पहुंच गया। ममता वासनिक ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि घटना की जानकारी मिलने के बाद डिप्टी कमांडेंट सीधे स्कूल पहुंचे और उनके बेटे के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज की। शिकायत के अनुसार, उन्होंने बच्चे को गर्दन से पकड़कर दीवार की ओर उठाया और उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। आरोप है कि घटनाक्रम के दौरान स्कूल के शिक्षक मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर बच्चे को छुड़ाया। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि शिक्षक समय पर हस्तक्षेप नहीं करते तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। ममता वासनिक ने स्कूल प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि घटना के बाद प्रबंधन की ओर से उन्हें मामले को आगे नहीं बढ़ाने और शिकायत नहीं करने के लिए दबाव बनाया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन की ओर से कुछ शिक्षकों को उनके घर भेजा गया, ताकि वे पुलिस में शिकायत न करें। हालांकि, इन आरोपों पर स्कूल प्रबंधन का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। ममता वासनिक का कहना है कि वे अपने बेटे के साथ हुई कथित मारपीट को लेकर न्याय चाहती हैं और दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इसी मांग को लेकर उन्होंने पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मामले की जांच कराने और शिकायत के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल यह मामला शिकायतकर्ता ममता वासनिक द्वारा लगाए गए आरोपों पर आधारित है। डिप्टी कमांडेंट और स्कूल प्रबंधन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

कीटनाशक के प्रभाव से युवक की मौत

जिला अस्पताल में तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने के बाद बेहोश हुए 31 वर्षीय युवक की जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक विजय पिता केवलराम लाझेवार ग्राम टेकाड़ी (म), थाना कटंगी निवासी है। जिला अस्पताल

घर में बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। उसने उल्टी भी की थी। कीटनाशक की दुर्गंध आने पर मां ने तत्काल छोटे बेटे अजय को फोन कर बुलाया। इसके बाद परिजन विजय को उपचार के लिए कटंगी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसे भर्ती कराया गया।

रात में हालत सुधरी-सुबह फिर बिगड़ी तबीयत

परिजनों के अनुसार कटंगी अस्पताल में उपचार के दौरान रात में विजय की हालत में कुछ सुधार हुआ था। हालांकि10 अक्टूबर की सुबह करीब 5 बजे उसकी तबीयत अचानक फिर बिगड़ गई और मुंह से झाग निकलने लगा। गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। सुबह करीब 7 बजे जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए ।विजय की उपचार के दौरान सुबह 8 बजे मौत हो गई।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मामले की आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण संबंधित थाना कटंगी भेज दिया है।

जिला अस्पताल पुलिस ने विजय का शव अपने कब्जे में लिए। और पंचनामा कार्रवाई पश्चात शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिए हैं। इस मामले की आगे जांच कटंगी पुलिस द्वारा की जा रही है।

खेत से लौटने के बाद घर में मिला बेहोश

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय लाझेवार खेती-किसानी के साथ सैलून का काम भी करता था। परिवार में उसकी मां संगीता लाझेवार और छोटा भाई अजय लाझेवार हैं। बताया गया कि 9 अक्टूबर को दोपहर में विजय अपने खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने गया था। शाम करीब 4 बजे वह घर लौटा। उस समय उसकी मां पड़ोस में आयोजित पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल होने गई थी जबकि छोटा भाई अजय दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों के साथ चंदा एकत्र करने निकला था ।शाम करीब 4:30 बजे जब मां घर लौटी, तो विजय

इसी साल होनी थी दोनों भाइयों की शादी

मृतक के छोटे भाई अजय लाझेवार ने बताया कि विजय उसका बड़ा भाई था और सैलून का काम करता था। वह खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने गया था। घर लौटने के बाद वह बेहोश मिला था। कटंगी अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी हालत में सुधार हुआ ।लेकिन अगले दिन सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे बालाघाट रेफर किया गया। जहां उसकी मौत हो गई ।बताया गया है कि विजय ने अभी तक शादी नहीं की थी। परिवार में इसी वर्ष विजय और उसके छोटे भाई अजय की शादी की तैयारी की जा रही थी। विजय की अचानक मौत से परिवार में शोक का माहौल है।

पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी ने घर में घुसकर युवक से की मारपीट-दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सोनपुरी में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक के साथ उसके ही पड़ोसी द्वारा घर में घुसकर बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना 8 अक्टूबर की रात करीब 10:30 बजे की है। घायल युवक कविराज पिता लालचंद बर्वे 32 वर्ष ग्राम सोनपुरी निवासी को किरनापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने आरोपी संदीप उर्फ मोनू सहारे पिता भरत सहारे 38 वर्ष सोनपुरी निवासी के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कविराज और आरोपी संदीप सहारे के बीच पहले से ही आपसी रंजिश चली आ रही थी। 8 अक्टूबर की रात कविराज के परिवार के लोग घर में बैठकर बातचीत कर रहे थे। कविराज उसी दौरान अपने पिता की टीव्हीएस एक्सएल मोपेड घर के अंदर रख रहा था। इसी दौरान आरोपी संदीप वहां पहुंचा और पुरानी बात को लेकर कविराज को अश्लील गालियां देने लगा। कविराज ने गाली देने से मना किया तो संदीप ने हाथ-मुक्कों से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव कविराज के बड़े भाई रवि बर्वे ने किया ।जिसके बाद मामला शांत हो गया ।बड़े भाई रवि ने कविराज को घर के बाजू वाले कमरे में ले जाकर सुला दिया। परिवार के अन्य लोग घर के हॉल में बैठे थे ।तभी आरोपी संदीप दोबारा आया और सीधे उसी कमरे में घुस गया जहां कविराज सो रहा था। वहां उसने कविराज के सीने पर हाथ-मुक्कों से बेरहमी से हमला कर दिया ।कविराज के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार के लोग दौड़कर आए और बीच-बचाव किया। मारपीट में कविराज के चेहरे, जबड़े और सीने में गंभीर चोटें आई हैं। जाते-जाते संदीप जान से मार डालने की धमकी देकर फरार हो गया। घायल कविराज को उसके परिजनों ने तुरंत किरनापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किये ।किरनापुर पुलिस ने घायल के बड़े भाई रवि उर्फ मोंटी बर्वे पिता लालचंद बर्वे 38 वर्ष की रिपोर्ट पर आरोपी संदीप उर्फ मोनू सहारे के विरुद्ध घर में घुसकर अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) और 333 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट